



सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की

खण्ड-19] रुड़की, शनिवार, दिनांक 27 अक्टूबर, 2018 ई0 (कार्तिक 05, 1940 शक सम्वत्) [संख्या-43

विषय-सूची

प्रत्येक भाग के पृष्ठ अलग-अलग दिये गए हैं, जिससे उनके अलग-अलग खण्ड बन सकें

विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक घन्टा
सम्पूर्ण गजट का मूल्य ...	—	रु0 3075
भाग 1-विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस ...	573-628	1500
भाग 1-क-नियम, कार्य-विधियाँ, आज्ञाएँ, विज्ञप्तियाँ इत्यादि जिनको उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया ...	1053-1126	1500
भाग 2-आज्ञाएँ, विज्ञप्तियाँ, नियम और नियम विधान, जिनको केन्द्रीय सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विज्ञप्तियाँ, भारत सरकार के गजट और दूसरे राज्यों के गजटों के उद्धरण ...	—	975
भाग 3-स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड़-पत्र, नगर प्रशासन, नोटीफाइड एरिया, टाउन एरिया एवं निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा पंचायतीराज आदि के निदेश जिन्हें विभिन्न आयुक्तों अथवा जिलाधिकारियों ने जारी किया ...	—	975
भाग 4-निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड ...	—	975
भाग 5-एकाउन्टेन्ट जनरल, उत्तराखण्ड ...	—	975
भाग 6-बिल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किए गए या प्रस्तुत किए जाने से पहले प्रकाशित किए गए तथा सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट ...	—	975
भाग 7-इलेक्शन कमीशन ऑफ इण्डिया की अनुविहित तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञप्तियाँ ...	—	975
भाग 8-सूचना एवं अन्य वैयक्तिक विज्ञापन आदि ...	245	975
स्टोर्स पर्चेज-स्टोर्स पर्चेज विभाग का क्रोड़-पत्र आदि ...	—	1425

भाग 1

विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम अनुभाग

कार्यालय ज्ञाप

11 अगस्त, 2018 ई0

संख्या 1407/VIII-3-18/41-एम0एस0एम0ई0/2016-प्रदेश में इन्व्यूवेशन एवं स्टार्ट-अप क्षेत्र में पूँजी निवेश को बढ़ावा दिए जाने तथा राज्य के विभिन्न तकनीकी संस्थानों से प्रशिक्षित छात्रों को एक उद्यमी के रूप में विकसित किए जाने के उद्देश्य से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग की अधिसूचना संख्या-610/VII-2-18/41-एम0एस0एम0ई0/2016, दिनांक 06 अप्रैल, 2018 द्वारा प्रख्यापित उत्तराखण्ड राज्य की स्टार्ट-अप नीति के क्रियान्वयन आदेश-2018 लागू है।

2. उक्त के संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्राप्त सुझावों एवं मांगों के दृष्टिगत उत्तराखण्ड राज्य की स्टार्ट-अप नीति के क्रियान्वयन आदेश-2018 में निम्नानुसार संशोधन किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

प्रस्तर सं0 11(ग)

वर्तमान प्राविधान	प्रस्तावित संशोधन
<p>शुल्क:-स्टार्ट-अप के पहचान तथा वित्तीय प्रोत्साहनों हेतु किए गए आवेदनों की स्कूटनी शुल्क के रूप में नोडल एजेंसी द्वारा ₹ 2,000.00 (रु0 दो हजार मात्र) प्रति स्टार्ट-अप की दर से शुल्क लिया जायेगा।</p>	<p>शुल्क:-स्टार्ट-अप के पहचान तथा वित्तीय प्रोत्साहनों हेतु किए गए आवेदनों की स्कूटनी शुल्क के रूप में नोडल एजेंसी को ₹ 2,000.00 (रु0 दो हजार मात्र) प्रति स्टार्ट-अप की दर से भुगतान विभाग द्वारा प्रतिपूर्ति के रूप में मासिक आधार पर किया जायेगा।</p>

3. "उत्तराखण्ड राज्य की स्टार्ट-अप नीति के क्रियान्वयन आदेश-2018" उपरोक्त सीमा तक संशोधित समझा जाय। क्रियान्वयन आदेश-2018 में शेष प्राविधान यथावत् रहेंगे।

4. यह आदेश वित्त विभाग की अ0शा0सं0-308/XXVII(2)/2018, दिनांक 16 अगस्त, 2018 में प्रदत्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

आज्ञा से,

मनीषा पंवार,

प्रमुख सचिव।

संख्या-80/XI(3)/18/09(13)2016

प्रेषक,

मनीषा पंवार,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

आयुक्त,
ग्राम्य विकास, उत्तराखण्ड,
पौड़ी।

ग्राम्य विकास अनुभाग-3

देहरादून, दिनांक 13 सितम्बर, 2018 ई०

विषय:-ग्राम्य विकास विभाग के अन्तर्गत गठित गरीबी उन्मूलन क्षमता विकास एवं रोजगार प्रकोष्ठ/डी०आर०डी०ए० में कार्यरत सहायक संख्याधिकारी एवं कनिष्ठ अभियन्ताओं के वेतनमान उच्चीकृत किए जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपर आयुक्त, ग्राम्य विकास, उत्तराखण्ड, पौड़ी के पत्र संख्या-5416/1-स्था०(48)/डी०आर०डी०ए०/2017-18, दिनांक 15.02.2018 द्वारा विभिन्न संवर्ग के कार्मिकों के वेतनमान आदि के उच्चीकृत/विसंगतियों पर विचार हेतु प्रदेश में गठित वेतन विसंगति समिति की संस्तुति के क्रम में वित्त विभाग के परिपत्र संख्या-238/XXVII(7), 50(16)2014 टी०सी०, दिनांक 31.10.2010 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि ग्राम्य विकास विभागान्तर्गत गठित "गरीबी उन्मूलन क्षमता विकास एवं रोजगार प्रकोष्ठ"/डी०आर०डी०ए० में कार्यरत सहायक संख्याधिकारी एवं कनिष्ठ अभियन्ता के वेतनमान ₹ 9,300-34,800, ग्रेड वेतन ₹ 4,200/- के स्थान पर ₹ 4,600/-, तत्काल प्रभाव से उच्चीकृत किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. यह आदेश वित्त विभाग के अ० शा० पत्र संख्या-259/XXVII(7)/2018, दिनांक 04.09.2018 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किए जा रहे हैं।

आज्ञा से,
मनीषा पंवार,
प्रमुख सचिव।

पर्यटन अनुभागअधिसूचनाविविध

06 सितम्बर, 2018 ई०

संख्या 2387/VI(1)/2018-01(03)/2013-श्री राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् अधिनियम, 2001 (उत्तराखण्ड अधिनियम संख्या 12, वर्ष 2001) की धारा 8 की उपधारा (2) के खण्ड (क) और (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "उत्तराखण्ड फुट लॉच एयरो स्पोर्ट (पैराग्लाइडिंग सहित) नियमावली, 2018" को एतद्वारा तत्काल प्रभाव से प्रवृत्त किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

अधिसूचना

प्रकीर्ण

06 सितम्बर, 2018 ई०

संख्या 2387/VI/2018-01(03)/2013—श्री राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् अधिनियम, 2001 (उत्तराखण्ड अधिनियम संख्या 12, वर्ष 2001) की धारा 8 की उपधारा (2) के खण्ड (क) और (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उत्तराखण्ड में फुट लॉच एयरो स्पोर्ट "उत्तराखण्ड फुट लॉच एयरो स्पोर्ट (पैराग्लाइडिंग सहित) गतिविधियाँ, अनुज्ञा, मान्यता तथा शुल्कों का निर्धारण एवं इसी प्रकार के कार्यों हेतु शर्तें विनियमित करने हेतु निम्नवत् नियमावली प्रख्यापित करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

उत्तराखण्ड फुट लॉच एयरो स्पोर्ट (पैराग्लाइडिंग) नियमावली, 2018

अध्याय एक

प्रारम्भिक

- | | |
|------------------------------------|--|
| संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारम्भ | 1. (1) इस नियमावली का संक्षिप्त नाम उत्तराखण्ड फुट लॉच एयरोस्पोर्ट (पैराग्लाइडिंग) नियमावली, 2018 है।
(2) इसका विस्तार सम्पूर्ण उत्तराखण्ड राज्य में पैराग्लाइडिंग एयरोस्पोर्ट तक सीमित होगा।
(3) यह तुरंत लागू होगी। |
| परिभाषाएं | 2. जब तक विषय या संदर्भ में कोई बात प्रतिकूल न हो, इस नियमावली में,—
(क) "अधिनियम" से उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् अधिनियम, 2001, अभिप्रेत है;
(ख) "राज्य" से उत्तराखण्ड राज्य अभिप्रेत है;
(ग) "परिषद्" से उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् अधिनियम, 2001 की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन स्थापित उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् अभिप्रेत है;
(घ) "मुख्य कार्यकारी अधिकारी" से उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् का मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिप्रेत है;
(ङ) "जिलाधिकारी" से सम्बंधित जिले का जिलाधिकारी अभिप्रेत है; |

- (च) "अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी" से उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् का अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिप्रेत है;
- (छ) "आवेदक" से व्यवसायिक या गैर-व्यवसायिक प्रयोजनों के लिए यथा पैराग्लाइडिंग एयरो स्पोर्ट भ्रमण, अभियान, प्रशिक्षण, प्रतियोगिता इत्यादि अनुज्ञा प्राप्त करने का इच्छुक कोई व्यक्ति/कम्पनी/संस्था/फर्म अभिप्रेत है;
- (ज) "अनुज्ञा निर्गमन प्राधिकारी" से उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् का मुख्य कार्यकारी अधिकारी अथवा मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा नामांकित अधिकारी अभिप्रेत है;
- (झ) "अनुज्ञा धारक/संचालक" से इन नियमों के अधीन एयरो स्पोर्ट गतिविधियों (व्यवसायिक पैराग्लाइडिंग) के संचालन हेतु अनुज्ञा धारक कम्पनी/फर्म अभिप्रेत है;
- (ञ) "एकल पायलट/टैंडम (संयुक्त) पायलट/अनुदेशक" से इन नियमों के अधीन (पैराग्लाइडिंग) एयरो स्पोर्ट के सुरक्षित संचालन हेतु पहचान पत्र धारक व्यक्ति अभिप्रेत है;
- (ट) "संचालन" से इन नियमों के अधीन एयरो स्पोर्ट गतिविधियों (जिसमें पैराग्लाइडिंग का व्यवसायिक/प्रशिक्षण सम्मिलित है), का संचालन अभिप्रेत है;
- (ठ) "प्रतिभागी" से पैराग्लाइडिंग गतिविधियों में प्रतिभाग करने वाला व्यक्ति अभिप्रेत है;
- (ड) "पैराग्लाइडर" से हवा में ग्लाइड के प्रयुक्त हो सकने वाला कैनोपी(चदवा)अभिप्रेत है ;
- (ढ) "टैंडेम" से एक ऐसी पैराग्लाइडिंग गतिविधि जिसमें एक ही पैराग्लाइडर पर दो व्यक्तियों (एक पायलट तथा एक यात्री) सम्मिलित हो, अभिप्रेत है;
- (ण) "बी.एच.पी.ए./यू.एस.एच.जी.ए." से ब्रिटिश हैंग ग्लाइडिंग तथा पैराग्लाइडिंग एसोसिएशन/यू.एस. हैंग ग्लाइडिंग तथा पैराग्लाइडिंग एसोसिएशन अभिप्रेत है;
- (त) "एफ.ए.आई" से फेडरेल एयरनोटिकल इंटरनेशनल/ए0सी0आई0 से भारतीय एयरो क्लब अभिप्रेत है;
- (थ) "जिला पर्यटन विकास अधिकारी" से यथास्थिति सम्बंधित जिले के पर्यटन विभाग/उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् का प्रभारी अधिकारी अभिप्रेत है;
- (द) "साहसिक खेल अधिकारी" से ऐसा अधिकारी अभिप्रेत है जो

जिले के साहसिक खेलों की देख-रेख करता हो;

(ध) "तकनीकी समिति" से इन नियमों के अध्याय चार के अधीन गठित समिति अभिप्रेत है;

(न) 'फूट लॉच एयरो स्पोर्ट' से ऐसे सभी एयरो स्पोर्ट, पैराग्लाइडिंग सहित जो कि पहियों पर नहीं, पैरों पर लॉच किया जाता है, अभिप्रेत हैं;

(2) शब्द और पदावली जो इस नियमावली में प्रयुक्त हैं, किन्तु परिभाषित नहीं है, के वही अर्थ होंगे जो उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् अधिनियम, 2001 में उनके लिए दिये गये हैं।

उड़ान का मौसम
(फ्लाईंग सीजन)

3. "सीजन" से सम्पूर्ण वर्ष 15 जुलाई से 31 अगस्त तक की अवधि को छोड़कर, जिसके दौरान एकल या गैर व्यवसायिक फ्लायर के अतिरिक्त अन्य किसी एयरो स्पोर्ट संचालन की अनुमति नहीं दी जायेगी, अभिप्रेत है।

अध्याय दो पंजीकरण

व्यवसायिक संचालन की
अनुज्ञा प्रदान करने के
लिए प्रक्रिया

4. (1) व्यवसायिक/पैराग्लाइडिंग गतिविधियों में प्रतिभाग करने के इच्छुक आवेदक को मुख्य कार्यकारी अधिकारी उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् को संलग्नक "क" में निर्धारित प्ररूप में प्रत्येक वर्ष 16 जुलाई से 30 अगस्त के मध्य रूपया 1000/- का मुख्य कार्यकारी अधिकारी उ0प0वि0प0 के पक्ष में देय बैंक ड्राफ्ट (अप्रतिदेय) अथवा नकद भुगतान के साथ आवेदन करना होगा। अपूर्ण आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा।
- (2) आवेदन पत्रों की सम्यक जांच के पश्चात् इन्हें (जैसा अध्याय चार (9) में वर्णित है) तकनीकी समिति जो (गठित की जायेगी), के समक्ष रखे जायेंगे, जो अभिलेखों, उपकरणों की संवीक्षा/निरीक्षण के प्रायोगिक/शारीरिक परीक्षण संचालन तथा गाइड हेतु प्रत्येक वर्ष 30 अगस्त से पूर्व समय और स्थान निश्चित करेगा। आवेदक का आवेदन मंजूर होने पर उसे ऑपरेटर अनुज्ञा निर्गत की जायेगी। अपूर्ण आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा।
- (3) तकनीकी समिति की संस्तुति के पश्चात् मुख्य कार्यकारी अधिकारी उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् परमिट जारी करेगा।
- (4) व्यवसायिक पैराग्लाइडिंग से आच्छादित गतिविधियां में केवल उत्तराखण्ड राज्य में प्रशिक्षण संस्थान द्वारा टेंडेड पैराग्लाइडिंग सम्मिलित है।
- (5) प्रारम्भिक संचालन अनुज्ञा 5 वर्ष के लिए जारी किया जायेगा।

- (6) प्रत्येक संचालन अनुज्ञा, ऑपरेटर को अधिकतम 10 टेंडम पैराग्लाइडिंग तथा न्यूनतम 2 टेंडम पैराग्लाइड तक प्रतिबंधित करता है। प्रत्येक ऑपरेटर को अनुज्ञात टेंडम पैराग्लाइड की सटीक संख्या विनिर्दिष्ट उड़ान स्थल की क्षमता के आधार पर तकनीकी समिति द्वारा निश्चित की जायेगी।
- (7) ऑपरेटर परमिट प्रत्येक उड़ान स्थल के लिए विनिर्दिष्ट होगा तथा ऑपरेटर जो पहले से ही उड़ान चला रहे हैं, को इस नियमावली की अधिसूचना के पश्चात् प्रत्येक स्थल के लिए परमिट हेतु अनुमति लेनी होगी। इन स्थलों का अध्ययन तथा अंतिमिकरण तकनीकी समिति द्वारा किया जायेगा।

किन्तु यदि ऑपरेटर परमिट हेतु प्राप्त आवेदन की संख्या फ्लाईंग स्थल की क्षमता से अधिक हो तो ऑपरेटर का चुनाव योग्य ऑपरेटर में से पहले आओ आधार पर अथवा वैकल्पिक स्थल के आधार पर लॉटरी अथवा बोली के द्वारा किया जायेगा।

गैर-व्यवसायिक संचालन अनुज्ञा प्रदान करने के लिए प्रक्रिया

5.

- (1) गैर-व्यवसायिक गतिविधियों में प्रतिभाग करने का इच्छुक आवेदक घटना/गतिविधि की प्रस्तावित तिथि से कम से कम 02 सप्ताह पूर्व संलग्नक 'ख' में मुख्य कार्यकारी अधिकारी की अनुमति हेतु आवेदन करेगा।
- (2) गैर-व्यवसायिक पैराग्लाइडिंग के अंतर्गत आच्छादित निम्नलिखित गतिविधियां सम्मिलित हैं-
- (क) एकल पैराग्लाइडिंग/ विजिटिंग एकल पायलट;
- (ख) टेंडम गैर-व्यवसायिक पैराग्लाइडिंग;
- (ग) पैराग्लाइडिंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग;
- (घ) पैराग्लाइडिंग का प्रशिक्षण कम से कम 10 वर्ष के अनुभव वाले प्रशिक्षक तथा संस्थानों द्वारा दिया जायेगा।
- (3) शासकीय विभाग/सशस्त्र बलों को एयरो स्पोर्ट संचालन हेतु परमिट प्राप्त करने से छूट होगी। किन्तु उनसे कार्यक्रम/ गतिविधि से कम से कम दो सप्ताह पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी को सूचना देने की अपेक्षा की जायेगी।

व्यवसायिक परमिट का नवीनीकरण

6.

- (1) प्रत्येक परमिट धारक/ऑपरेटर को नियम 4 (1), (2) में निर्धारित रीति के समान परमिट के नवीनीकरण हेतु मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उ0प0वि0प0 को आवेदन प्रस्तुत करना होगा।
- (2) नवीनीकरण के सभी आवेदन का परीक्षण मुख्य कार्यकारी अधिकारी के कार्यालय द्वारा किया जायेगा और यदि आवश्यकता

होगी तो मूल्यांकन एवं संस्तुति हेतु तकनीकी समिति को भेजे जायेंगे। पैरागलइंडिंग परमिट का नवीनीकरण ऑपरेटर को पाँच वर्ष के लिए पिछले प्रदर्शन आंकलन के आधार पर परमिट जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा जारी किया जायेगा।

व्यवसायिक पैरागलाइंडिंग
एयरो स्पोर्ट शुल्क

7. (1) प्रत्येक उड़ान स्थल के लिए निर्धारित एयरो स्पोर्ट के वार्षिक शुल्क में समय-समय पर संशोधन संलग्नक 'ग' में मुख्य कार्याकारी अधिकारी द्वारा राज्य सरकार की सहमति से किया जायेगा।

जैसे ही नये स्थल चिन्हित होंगे, नये स्थलों के लिए अपेक्षित शुल्क ढांचा जोड़ दिया जायेगा।

- (2) वार्षिक शुल्क 15 जुलाई से 30 अगस्त के मध्य जमा किया जाएगा एवं ऐसे शुल्क को जमा करने में असफल रहने पर अनुज्ञा/अनुमति निरस्त की जा सकेगी।

अध्याय तीन

अनुज्ञाधारक/ऑपरेटरों के उत्तरदायित्व एवं कर्तव्य

अनुज्ञाधारक/ऑपरेटरों
के उत्तरदायित्व एवं
कर्तव्य

8. (1) प्रत्येक ऑपरेटर को संचालन करने की अनुज्ञा प्राप्त करने से पूर्व निम्नलिखित उपकरणों की व्यवस्था करनी होगी तथा निरीक्षण के समय तकनीकी समिति प्रत्येक उपकरण की जाँच करेगी, अर्थात्—

(एक) केवल ई0एन0 (पैरागलाइंडिंग प्रमाणन के यूरोपीय मानक) अथवा डीएचवी (डेचूअर हैंगीगिलेटर वरबैंड) प्रमाणित उड़ान उपकरण;

(दो) सुरक्षा पैराशूट और हेलमेट;

(तीन) उपकरण पैनल (अल्टीमीटर वैरियोमीटर/दिशासूचक यंत्र/ एयर स्पीड इंडीकेटर) और जी0पी0एस0;

(चार) ग्राउण्ड समर्थन तथा क्षतिपूर्ति वाहन;

- (2) अनुज्ञा धारक/ऑपरेटर एवं उसके कर्मचारी को इन नियमों तथा उसके उपबंधों का प्रत्येक समय पर कड़ाई से अनुपालन करना सुनिश्चित करेगा।

- (3) प्रत्येक अनुज्ञाधारक/ऑपरेटर एयरो स्पोर्ट के पर्यटक से लिए गए दर/भुगतान की सूचना जिलाधिकारी/जिला पर्यटन विकास अधिकारी को देगा तथा उसे अपने बाउचर्स आदि में भी प्रकाशित करेगा। उक्त दरों की परिवर्तन की दशा में तुरन्त जिलाधिकारी/जिला पर्यटन विकास अधिकारी को सूचित करेंगे।

- (4) प्रत्येक ऑपरेटर अपने कार्यालय के स्वागत कक्ष/कैंप में एक शिकायत/सुझाव पुस्तिका रखेंगे।

- (5) प्रत्येक ऑपरेटर देशी और विदेशी पर्यटकों की सांख्यिकी प्रत्येक

माह संलग्नक 'घ' में निर्धारित प्ररूप पर उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् को उपलब्ध करायेगा तथा इस सूचना को उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् पर प्रदान किये गये लिंक पर अपलोड करेगा।

- (6) प्रत्येक ऑपरेटर उद्योग विभाग द्वारा समय-समय पर जारी निदेशों के अनुसार उत्तराखण्ड के निवासियों को रोजगार प्रदान करेगा।
- (7) प्रत्येक ऑपरेटर अपनी फर्म में नियुक्त पायलट का, विवरण स्थानीय पुलिस स्टेशन में प्रस्तुत करेंगे।
- (8) प्रत्येक ऑपरेटर निर्माता कम्पनी द्वारा निर्धारित धारक क्षमता अथवा तकनीकी समिति द्वारा निर्धारित धारक क्षमता के अनुसार पैराग्लाइडिंग उपकरण का प्रयोग सुनिश्चित करेगा।
- (9) प्रत्येक अनुज्ञा धारक/ऑपरेटर एयरो स्पोर्ट में जाने वाले विशिष्ट व्यक्तियों के बारे में स्थानीय जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग को सूचित करेगा।
- (10) किसी दुर्घटना/अप्रिय घटना के मामले में ऑपरेटर तुरंत स्थानीय जिला प्रशासन, पुलिस स्टेशन और अनुज्ञा जारी करने वाले प्राधिकारी को उसकी सूचना देगा।
- (11) (क) सभी टेंडेम उड़ान,
(ख) एकल उड़ान, जहां उड़ान 400 मीटर से अधिक स्तर पर (जमीन के स्तर से ऊपर) हो वहां के लिए पैराग्लाइडिंग सुरक्षा उपकरण रिजर्व पैराशूट सहित अनिवार्य होगा।
- (12) प्रत्येक अनुज्ञा धारक/ऑपरेटर को किसी सम्बंधित अधिकारी या किसी पर्यटक की मांग पर अनुज्ञा पत्र प्रस्तुत करेगा।
- (13) प्रत्येक ग्लाइडर/पायलट की डिजिटल लॉग का अनुरक्षण प्रतिदिन करना होगा।
- (14) प्रत्येक अनुज्ञा धारक/पायलट/ऑपरेटर निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करेगा—
(क) पैराग्लाइडिंग उपकरण— उपकरण को प्रत्येक दो वर्ष अथवा दो सौ घण्टे के प्रयोग के बाद, जो भी पहले हो, तकनीकी समिति के समक्ष प्रस्तुत करना होगा। 200 घंटे उड़ान उपकरण की अधिकतम सीमा होगी, विशेषतः कैनोपी की।
(ख) पायलट-लाइसेंस का नवीनीकरण प्रत्येक पांच वर्ष अथवा किसी अप्रिय घटना की रिपोर्ट की स्थिति में अनौपचारिक मूल्यांकन।;

(ग) ऑपरेटर— जैसा अनुज्ञा नियमों के ऑपरेटर अनुदान की धारा 4 और 6 में उल्लिखित है। अप्रिय घटना रिपोर्ट की स्थिति में अप्रत्याशित अनौपचारिक मूल्यांकन।

(15) प्रत्येक ऑपरेटर के लिए संचालन से पूर्व क्षतिपूर्ति बांड पर प्रत्येक यात्री/ग्राहक की सहमति लेना अनिवार्य होगा।

अध्याय—चार

एयरो स्पोर्ट तकनीकी समिति

तकनीकी समिति का गठन 9. उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् अधिसूचना द्वारा एयरो स्पोर्ट गतिविधियों हेतु एक तकनीकी समिति का गठन करेगी जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे—

(क) मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा नामित उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् का एक अधिकारी — संयोजक;

(ख) महानिदेशक स्वास्थ्य अथवा उसके द्वारा नामित चिकित्सा अधिकारी— सदस्य;

(ग) कमाण्डेन्ट, बी.एस.एफ. इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस एडवेंचर ट्रेनिंग, डोइवाला, देहरादून अथवा उसके द्वारा नामित अधिकारी,

— सदस्य;

(घ) उत्तराखण्ड पैराग्लाइडिंग एसोसिएशन का एक सदस्य तथा एक सदस्य राज्य में रजिस्टर्ड एसोसिएशन से — सदस्य;

(ङ.) राष्ट्रीय स्तर में फेडरेल एयरोनोटिकल इंटरनेशनल/भारतीय एयरो क्लब का एक सदस्य— सदस्य;

(च) जिला पर्यटन विकास अधिकारी/ सम्बंधित जिला साहसिक खेल अधिकारी — सदस्य;

(छ) उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् के मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा नामित एक व्यक्ति— सदस्य।

तकनीकी समिति के कार्य 10. (1) तकनीकी समिति के निम्नलिखित कार्य होंगे—

(क) तकनीकी समिति की बैठक वर्ष में दो बार अथवा मुख्य कार्यकारी के निर्देशानुसार होगी ;

(ख) तकनीकी समिति एयरो स्पोर्ट्स उड़ान अनुज्ञा हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों (नये आवेदन पत्र /नवीनीकरण) में सभी आवेदनों पत्रों में तकनीकी रूप से जांच करेगी;

(ग) तकनीकी समिति ऑपरेटर और पायलटों के बायोडाटा का परीक्षण करेगी;

(घ) तकनीकी समिति पैराग्लाइडर की (संरचना जांच, चीर परीक्षण

और ग्लाइडर्स की रेखाओं) और अन्य उपकरणों की अंतर्राष्ट्रीय मानक अनुसार परीक्षण करेगी;

(ड.) उड़ान योग्यता जांच निम्नलिखित उपकरण पर प्रदर्शित की जायेगी:—

(क) पैराग्लाइडर;

(ख) कवच-पायलट और यात्रियों ;

(ग) रिजर्व पैराशूट।

(च) तकनीकी समिति प्रत्येक व्यवसायिक टेंडेम पायलट की एयरो स्पोर्ट्स के ज्ञान, सुरक्षा और आपदा बचाव की दक्षता तथा प्राथमिक चिकित्सा ज्ञान इत्यादि का परीक्षण करेगी। आवेदन हेतु न्यूनतम योग्यता 100 घंटे का उड़ान अनुभव तथा गैर व्यवसायिक 50 टेंडेम उड़ान (डिजिटल लॉग पुस्तिका प्रस्तुत करना आवश्यक है) (प्ररूप संलग्नक 'ड.');

(छ) तकनीकी समिति उत्तराखण्ड की नये उड़ान स्थलों को तलाश और चिह्नित करेगी तथा किसी भी गतिविधियों के प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी उपयुक्तता की जांच करेगी;

(ज) तकनीकी समिति पांच वर्ष के लिए प्रत्येक उड़ान स्थल की धारक क्षमता का आंकलन करेगी;

(झ) तकनीकी समिति ऐसे दायित्वों का निर्वहन करेगी, जो समय-समय पर उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद्/राज्य सरकार द्वारा उसे सौंपे जाय।

विनियामक समिति तथा उसके कार्य

11. (1) उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् अधिसूचना द्वारा एयरो स्पोर्ट्स गतिविधियों हेतु अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् की अध्यक्षता में एक विनियामक समिति का गठन करेगी।
- (2) विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में पुलिस/नागर विमानन अथवा अन्य सम्बद्ध विभाग के सदस्य को नामित किया जा सकेगा।
- (3) अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा नामित दो विशेषज्ञ, एफएआई राष्ट्रीय रैंकिंग सिस्टम के अनुसार, उत्तराखण्ड में रहने वाला एफएआई की राष्ट्रीय रैंकिंग में पायलट तथा भारतीय एयरो क्लब/बीएसएफ का एक सदस्य।
- (4) उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा नामित अधिकारी—सदस्य-सचिव के रूप में।
- (5) उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनियामक समिति की ओर से निर्णय लेने हेतु प्राधिकृत होगा

जब तक कि कोई संवेदनशील मामला उत्पन्न न हो।

- (6) विनियामक समिति का एयरो स्पोर्ट्स गतिविधियों के संचालन पर सम्पूर्ण नियंत्रण होगा तथा जिला स्तर पर आवस्थापना सुविधाओं के विकास सम्बंधी कार्य भी करेगी।
- (7) मुख्य कार्यकारी अधिकारी, विनियामक समिति में किसी सदस्य को जिसे वह उचित समझे, नामित करेगा।
- (8) विनियामक समिति सुरक्षा और बचाव से सम्बंधित नियमों और विनियमों अथवा उनके संशोधनों के लिए परामर्श देगी।
- (9) गतिविधियों के संचालन के लिए राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय विशेषज्ञों/संस्थाओं के सहयोग से राज्य प्रमाणन/अनुज्ञा तथा पाठ्यक्रम नियत करना।
- (10) विनियामक समिति समय-समय पर एयरो स्पोर्ट्स गतिविधि के दौरान औचक निरीक्षण करेगी।

अध्याय पांच

सुरक्षा उपाय

- | | | |
|-------------------|--------|---|
| सुरक्षा तथा उपकरण | 12. | प्रत्येक ऑपरेटर उड़ान जांच आंकलन के लिए संलग्नक 'च' में यथा उल्लिखित उपकरणों को तकनीकी समिति के समक्ष प्रस्तुत करेगा। |
| समय | 13. | एयरो स्पोर्ट (पैराग्लाइडिंग गतिविधियां) केवल दिन के उजाले में सूर्योदय और सूर्यास्त के मध्य संचालित की जायेगी। सूर्यास्त से आधे घंटे पूर्व कोई लांचिंग नहीं की जायेगी। |
| बीमा सुरक्षा | 14. | अनुज्ञा धारक/ऑपरेटर यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी पर्यटक/पायलटों/प्रशिक्षकों के पास पैराग्लाइडिंग के लिए बीमा सुरक्षा है। |
| चिकित्सा सहायता | 15. | प्रत्येक अनुज्ञा धारक/ऑपरेटर—
(1) आपातकालीन मामलों में समन्वय के लिए अस्पतालों से सहयोग और निकटतम चिकित्साधिकारियों और उपलब्ध अस्पतालों की सूचना रखेगा।
(2) प्रत्येक उड़ान स्थल में उड़ान एवं उतरने के समय एक प्राथमिक उपचार पेटी तथा स्पाइनल बोर्ड तथा अन्य सामग्री जैसा तकनीकी समिति विनिर्दिष्ट करे, रखना अनिवार्य होगा। |
| सुरक्षा मानक | 16.(i) | (1) गम्भीर रोगों से ग्रसित व्यक्तियों, जैसे चक्कर आने/हृदय रोगी/मिरगी/अन्य गम्भीर बीमार जैसे अस्थमा और अन्य श्वास सम्बन्धी समस्यायें, को पैराग्लाइडिंग एयरो स्पोर्ट के लिए अनुमति नहीं दी जायेगी। |

- (2) टेंडेम पैराग्लाइडिंग गतिविधियों से प्रारम्भ से पूर्व प्रत्येक पायलट प्रतिभागी यात्रियों/पर्यटक को सुरक्षा एवं बचाव हेतु व्यापक निर्देश देगा।
 - (3) टेंडेम ऑपरेटर/पायलट को यह सुनिश्चित करेगा कि यात्रियों ने एयरो स्पोर्ट्स के लिए उसने और यात्री ने हेलमेट पहना हो। यात्रियों को स्लीपर/फ्लोटर्स/सैंडिल या ऊँची ऐडी के चप्पलों के स्थान पर जूते पहनने के लिए कहा जायेगा। यात्रियों को कपड़ों पर भी सलाह दी जानी चाहिए।
 - (4) पाइलट ऐसी स्थिति में उड़ान अथवा ऐसे करतब नहीं करेगा, जिससे उससे किसी भी तरह या कार्यवाही से यात्रियों के जीवन संकट में न पड़े।
 - (5) पायलट यह सुनिश्चित करेगा कि गतिविधियों में होने वाले संकट के बारे में सही रूप से यात्री को ठीक से बता दिया गया है।
 - (6) यदि गतिविधियों के संकट के बारे में विवरण सुनने के पश्चात् यात्री उड़ान जारी रखने का इच्छुक नहीं है तो पायलट/टेंडेम ऑपरेटर यात्री को उड़ान जारी रखने के लिए मजबूर नहीं करेगा।
 - (7) पायलट या यात्री पैराग्लाइडिंग प्रदर्शन या प्रतिभाग करते समय शराब या अन्य किसी मादक औषधियों के प्रभाव में नहीं होंगे।
 - (8) ऑपरेटर/पायलट यह सुनिश्चित करेंगे कि पैराग्लाइडिंग के उतरते समय सभी यात्रियों ने समुचित रूप से प्रमाणित जीवन रक्षा कवच पेटी पहन रखी है।
 - (9) ऑपरेटर/पायलट गतिविधियों को प्रारम्भ करने से पूर्व यह सुनिश्चित करना होगा कि मौसम अनुकूल है (जैसे हवा का बल, बादल आदि)।
- (ii) 14 वर्ष/20 किलोग्राम से कम तथा 65 वर्ष से अधिक आयु के पर्यटक को (पैराग्लाइडिंग) एयरो स्पोर्ट की अनुमति नहीं होगी।

अध्याय छः

ऑपरेटर/टेंडेम पायलट/अनुदेशक की योग्यताएं

ऑपरेटर की योग्यता

17. निम्नलिखित योग्यताएं धारण करने वाले आवेदक ऑपरेटर हेतु आवेदन करने के लिए अर्ह होगा:-
 - (1) आवेदक उत्तराखण्ड में कम से कम दस वर्ष का निवासी हो अथवा राज्य का मूल निवासी हो।
 - (2) आवेदक को एयरो स्पोर्ट्स की एडवांस व्यवहारिक/तकनीकी ज्ञान हो जिसका परीक्षण तकनीकी समिति द्वारा मौखिक परीक्षा के माध्यम से किया जा सकेगा।

टेंडेम पायलट की योग्यता 18. निम्नलिखित योग्यताएं धारण करने वाले टेंडेम पायलट, टेंडेम पायलट हेतु आवेदन करने के लिए अर्ह होगा:-

- (1) टेंडेम पायलट ने न्यूनतम कक्षा 10 उत्तीर्ण की हो।
- (2) टेंडेम पायलट कम से कम 100 घंटों का उड़ान अनुभव रखने वाला पायलट होना चाहिए। (डिजिटल लॉग पुस्तिका प्रमाण अपेक्षित होगा)
- (3) टेंडेम पायलट कम से कम 50 घंटे की हवाई दूरी तय की हो। इन उड़ानों के डिजिटल लॉग में टेंडेम पायलट का नाम होना अनिवार्य होगा।
- (4) टेंडेम पायलट को एयरो स्पोर्ट का उन्नत व्यवहारिक ज्ञान हो जिसका परीक्षण तकनीकी समिति द्वारा व्यवहारिक परीक्षण के माध्यम से किया जा सकेगा।
- (5) टेंडेम पायलट चिकित्सीय रूप से स्वस्थ हो तथा उपयुक्त चिकित्सा प्रमाण पत्र हो, तथा वार्षिक चिकित्सा परीक्षा के अधीन वैध प्राथमिक चिकित्सा तथा सीपीआर प्रमाणन हो।
- (6) ऑपरेटर के पास पैराग्लाइडिंग को कवर करने वाला वैध वृतीय पक्ष बीमा होना चाहिए।
- (7) टेंडेम पाइलट ने एसआईवी (उड़ान के दौरान अनुकरण) टेंडेम (पैराग्लाइडिंग सुरक्षा पाठ्यक्रम) पूर्ण किया हो।
- (8) तकनीकी समिति पायलटों को उन्हें प्रमाणित कर सकने वाले उनके अंतर्राष्ट्रीय लाइसेंस के आधार पर अर्हता प्राप्त करने का अधिकार सुरक्षित रखेगी। किसी देश/ऐसोसिएशन (बीएचपीए/यूएसएचजीए/एफएआई/एसीआई) से मान्यता प्राप्त लाइसेंस ही वैध लाइसेंस के रूप में स्वीकार किये जायेंगे।
- (9) ऐसे टेंडेम पायलट/अनुदेशक जो नियम 18(2), (3) में वर्णित योग्यता के साथ इस क्षेत्र में पहले से कार्य कर रहे हैं तथा नियम 18(1) के अनुसार अपेक्षित शैक्षिक योग्यता न रखते हो, को 2 वर्ष के भीतर आवश्यक शैक्षिक योग्यता प्राप्त करने की अनुमति दी जायेगी।
- (10) टेंडेम पायलट/टेंडेम अनुदेशक को किसी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय स्तर के संघ/संस्था से प्रमाणित होना आवश्यक है।

पैराग्लाइडिंग
की योग्यताएं

अनुदेशकों

19.

निम्नलिखित योग्यताएं धारण करने वाले आवेदक पैराग्लाइडिंग अनुदेशक हेतु आवेदन करने के लिए अर्ह होगा—

- (1) आवेदक किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष अर्हता प्राप्त हो।
- (2) आवेदक को कम से कम 200 घंटों का उड़ान अनुभव रखने वाला पायलट तथा मास्टर अनुदेशक हेतु 400 घंटों का उड़ान अनुभव होना चाहिए। (डिजिटल लॉगबुक प्रमाण आवश्यक होगा)
- (3) आवेदक को कम से कम 50 घंटे की हवाई दूरी तय की हो। इन उड़ान के डिजिटल लॉग में आवेदक का नाम होना अनिवार्य होगा।
- (4) आवेदक को एयरो स्पोर्ट का उन्नत व्यवहारिक ज्ञान हो जिसका परीक्षण तकनीकी समिति द्वारा व्यवहारिक परीक्षण के माध्यम से किया जा सकेगा।
- (5) आवेदक चिकित्सीय रूप से स्वस्थ हो तथा वार्षिक चिकित्सा परीक्षा के वैध चिकित्सीय प्रमाण पत्र हो।
- (6) आवेदक के पास वैध पैराग्लाइडिंग कवर करने वाला वैध बीमा हो।
- (7) आवेदक ने एसआईवी (उड़ान के दौरान अनुकरण) पाठ्यक्रम पूर्ण किया हो।
- (8) पायलटों की अन्तर्राष्ट्रीय अनुज्ञप्ति पर आधारित अर्हता के अधिकार तकनीकी समिति के पास आरक्षित रहेंगे, जो उन्हें प्रमाणित कर सकेगी। केवल एक देश/संगठन(बी.एच.पी.ए/यू.एस.एच.जी.ए/ए.पी.आइ/ए.सी.आइ/एफ.ए.आइ)द्वारा मान्यताप्राप्त अनुज्ञप्ति ही मान्य अनुज्ञप्ति एवं मान्य प्राथमिक चिकित्सा व सी.पी.आर. प्रमाणपत्र के रूप में स्वीकार किया जायेगा।
- (9) तकनीकी समिति अनुदेशक(यथा सहायक अनुदेशक, अनुदेशक, मास्टर अनुदेशक इत्यादि) के सही स्तर को जारी करने का अधिकार आरक्षित करेगी।
- (10) अनुदेशक को अपने अनुभव के आधार पर पैराग्लाइडिंग कोर्स का संचालन करने का प्राधिकार होगा एवं पर्यवेक्षण के अधीन एकल पायलटों को प्रशिक्षण देने एवं एकल उड़ान प्रमाणपत्र जारी करने का प्राधिकार होगा। अनुदेशक, अभिलेखों के लिये समस्त एकल उड़ानों के प्रमाणपत्र को यू.टी.डी.बी में लॉग करेगा।

अध्याय—सात

पर्यावरण की सुरक्षा सम्बन्धी मानक

पर्यावरण की सुरक्षा के 20. प्रत्येक ऑपरेटर/अनुज्ञाधारक निम्नलिखित मानकों के अनुपालन को लिये मान सुनिश्चित करेगा:-

- (1) हिमालयी क्षेत्र की इको संवेदनशीलता की दृष्टि से इको सिस्टम व वन्य जीवन का संरक्षण।
- (2) उक्त उद्देश्य के लिये तैयार किये गये पिट में या निर्दिष्ट स्थान में कूड़े-करकट का निस्तारण। किसी भी दशा में कूड़े-करकट का निस्तारण खुले में नहीं किया जायेगा।
- (3) किसी भी परिस्थिति में पॉलिथीन एवं प्लास्टिक का उपयोग नहीं किया जायेगा।
- (4) समस्त नष्ट न होने योग्य पदार्थ जैसे खाली बोतल, टिन इत्यादि हाथ से उठाये जायेंगे एवं कूड़ेदान में डाले जायेंगे एवं यह समुचित माध्यम से निस्तारित किये जायेंगे।
- (5) नदियां, नाले एवं झरने साबुन(डिटरजेंट) द्वारा दूषित होने से मुक्त रखे जायेंगे।
- (6) कोई भी पायलेट/कर्मचारी/पर्यटक ट्रांसिस्टर, एम.पी.3 प्लेयर इत्यादि या कोई अन्य इलेक्ट्रॉनिक मनोरंजन उपकरण तेज आवाज में प्रयोग नहीं करेगा।
- (7) वृक्षों/पौधों को काटकर, बीज एवं जड़ों को उत्तराखण्ड से बाहर ले जाना अवैध माना जायेगा।

अध्याय —आठ

विहित निहितार्थ

शास्ति

21.

किसी ऑपरेटर/टेन्डम पायलट (पैराग्लाइडिंग) का नियमों/ दिशा निर्देशों का पालन नहीं करते हुये पाये जाने की दशा में निम्नलिखित प्रकार शास्तियां अधिरोपित की जायेंगी:-

- (1) यदि कोई ऑपरेटर बिना अनुमति के पैराग्लाइडिंग गतिविधियां करते हुये पाया जाता है या पायलेट या यात्री बिना जूतों के उड़ान भरता हुआ पाया जाता है और यदि कोई पायलेट या यात्री बिना हेलमेट के उड़ान भरता हुआ पाया जाता है तथा यदि उपकरण बुरे आकार में/क्षतिग्रस्त/उड़ान योग्यता के प्रमाणपत्र के बिना पाया जाता है एवं एक समय में दो व्यक्तियों के लिये उपकरण का प्रयोग करने पर ऑपरेटर/अनुज्ञाधारक की अनुज्ञप्ति को निरस्त किया जायेगा।
- (2) गलतियों का दुहराव/नियमों का उल्लंघन होने पर अनुज्ञप्ति को निरस्त किया जा सकेगा एवं भारतीय दण्ड संहिता के अधीन भी ऑपरेटर को दण्डित किया जा सकेगा।
- (3) यदि किसी ऑपरेटर/टेन्डम पायलट (पैराग्लाइडिंग) को पर्यावरण के नियमों/ दिशानिर्देशों का पालन करते हुए नहीं पाया जाता,

तब अनुज्ञप्ति निरस्त की जायेगी एवं वन, वन्य जीव एवं पर्यावरण सम्बन्धित सुसंगत अधिनियम एवं नियमों के प्रावधानों के अधीन दण्डनीय होगा।

- (4) कोई ऑपरेटर/पायलेट, जानबूझकर अनुज्ञप्ति जारी करने वाले प्राधिकारी को गुमराह करने के आशय से झूठा कथन करता है/तात्त्विक तथ्य को दबाता है, उसकी अनुज्ञप्ति निरस्त कर दी जायेगी एवं ब्लैकलिस्ट कर दिया जायेगा।
- (5) एक ऑपरेटर से दूसरे में अनुज्ञप्ति के अंतरण की अनुमति नहीं दी जायेगी।
- (6) तकनीकी समिति द्वारा प्रुष्टि या शिकायत दर्ज करने के पश्चात् एरो स्पोर्ट (पैराग्लाइडिंग) में कोई पायलट किसी दुर्घटना/पर्यटक के साथ दुर्व्यवहार, कदाचार इत्यादि में दोषी पाया जाता है तो उसकी अनुज्ञप्ति निलंबित/निरस्त की जायेगी।
- (7) प्रत्येक ऑपरेटर/अनुज्ञप्ति धारक इन नियमों के अधीन बनाये गये उपबंधों के क्रियान्वयन को सुनिश्चित करेगा एवं किसी नियम के भंग की दशा में उसकी अनुज्ञप्ति वापस/निलंबित/निरस्त/ब्लैक लिस्टेट कर दी जायेगी।
- (8) राज्य सरकार/पर्यटन विभाग किसी दुर्घटना के कारण किसी दावे के लिये उत्तरदायी नहीं होंगे।

अध्याय-नौ विविध

अनुज्ञप्ति धारक/ऑपरेटर
के लिये अन्य महत्वपूर्ण
अनुदेश

22. (1) किसी पर्यटक द्वारा की गयी शिकायत के सम्बंध में मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् का निर्णय अंतिम एवं बाध्यकारी होगा।
- (2) अनुज्ञप्ति धारक/ऑपरेटर उड़ान साइट के क्षेत्र की रक्षा करेगा एवं स्थानीय लोग के जीवन एवं उस क्षेत्र की शांति में विघ्न नहीं डालेगा।
- (3) सभी अनुज्ञप्ति धारक/ऑपरेटर आपस में एवं अन्य पक्षकारों के साथ मित्रवत एवं पेशेवर ढंग से सहयोग एवं संवाद करेंगे।
- (4) सभी अनुज्ञप्ति धारक/ऑपरेटर आवश्यक रूप से यह भी सुनिश्चित करेंगे कि एयरो स्पोर्ट गतिविधियां खराब मौसम में नहीं की जायेगी।
- (5) प्रशिक्षु पायलट को प्रशिक्षण अवधि के दौरान अकेले संचालन के क्रियान्वयन की अनुज्ञा नहीं दी जायेगी।
- (6) सभी अनुज्ञप्ति धारक यह सुनिश्चित करेंगे कि कैम्प स्थल में या उड़ान संचालन के दौरान ड्रग्स/अल्कोहल का प्रयोग कठोर रूप से प्रतिबंधित रहेगा।
- (7) प्रत्येक अनुज्ञप्ति धारक यह सुनिश्चित करेगा कि किसी भी

स्थानीय बच्चे को खाने के पदार्थ या मिठाई के प्रस्ताव द्वारा प्रलोभित नहीं किया जायेगा। वे स्थानीय परम्पराओं का आदर करेंगे। जब भी फोटो लेंगे, निजता का सम्मान करेंगे एवं फोटो लेने के लिये पूर्व अनुमति लेंगे।

- (8) उ0प0वि0प0 का प्राधिकृत अधिकारी/जिला प्रशासन एयरो स्पोर्ट के लिये प्रयुक्त उड़ान स्थल एवं कैम्प स्थल का निरीक्षण कर सकेगा।
- (9) प्रत्येक ऑपरेटर द्वारा उत्तरदायी पर्यटन के लिये प्रतिज्ञा हस्ताक्षरित की जायेगी।

संलग्नक 'क'

(नियम 4 के अधीन)

व्यवसायिक फुट लॉच एयरो स्पोर्ट अनुज्ञा हेतु आवेदन पत्र
(नये आवेदक/नवीनीकरण हेतु)

भाग-एक

पासपोर्ट आकार
की रंगीन फोटो

1.	आवेदक का नाम
2.	फर्म /कम्पनी/संगठन का नाम (एक) पूरा पता (दो) ई-मेल (तीन) मोबाइल/टेलीफोन/फैक्स नम्बर
3.	भागीदारों/निदेशकों का विवरण (भागीदारी विलेख की प्रति संलग्नक)
4.	रजिस्ट्रीकरण संख्या (दुकान और अधिष्ठान अधिनियम/फर्म और सोसाइटी/कम्पनी अधिनियम/सेवा कर और उत्तराखण्ड पर्यटन और यात्रा व्यापार पंजीकरण नियम इत्यादि)के अधीन रजिस्ट्रीकरण की प्रति संलग्न
5.	कर्मचारीवृन्द का विवरण (कुशल/अकुशल) उनके नाम, पता, अनुभव, शिक्षा और फोटो इत्यादि सहित (तकनीकी स्टॉफ का जीवन वृत्त संलग्न)
6.	स्थानीय सामुदाय रोजगार (सूची और प्रतिशत संलग्न)
7.	उड़ान क्षेत्र का नाम जहां स्थल का विवरण, उड़ान भरने व उतरने के स्थान को विवरण सहित अनुज्ञा अपेक्षित है। (पीवीटी/वन/राजस्व)
8.	पैराग्लाइडर/सुरक्षा उपकरण इत्यादि का विवरण (कृपया सूची संलग्न करें)
9.	टैंडम पायलट का प्रशिक्षण विवरण, लॉग बुक या डिजिटल लॉग बुक की फोटोकापी सहित
10.	टैंडम जॉय राइड्स पैकेज का किराया (कृपया टैरिफ कार्ड को संलग्न करें) (नवीनीकरण हेतु)	1-10 मिनट..... 2-20 मिनट..... 3-60 मिनट.....
11.	एयरो स्पोर्ट (पैराग्लाइडिंग)शुल्क विवरण (अप्रतिदेय)
12.	पूर्व अनुज्ञप्ति के जारी होने की तारीख (केवल	संख्या दिनांक.....

	नवीनीकरण हेतु)	
13	पिछले वर्ष के माहवार पर्यटकों के आंकड़े (केवल नवीनीकरण हेतु)	भारतीय विदेशी..... कुल
14	बीमा का विवरण (छायाप्रति संलग्नक)
15	पैराग्लाइडर, रक्षा सम्बंधी व अन्य उपकरण इत्यादि के क्रय का प्रमाण

घोषणा

मैं/हम..... एतद्वारा यह घोषणा करता हूँ/करते है कि -

(1) मैंने/हमने उत्तराखण्ड फूट लांच नियमों को सावधानीपूर्वक पढ लिया है और इस नियमावली में दिये गये प्राविधानों के अनुपालन के लिये सहमत हूँ/हैं।

(2) मैं/हम निदेशों के अनुसार जिला मजिस्ट्रेट को अपेक्षित सूचना प्रस्तुत करने के लिये सहमत हूँ/हैं।

(3) किसी विवाद की दशा में मुख्य कार्यकारी अधिकारी उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा।

(4) मैं/हम हमारी रजिस्ट्रीकृत कम्पनी/फर्म/संगठन के अधीन कार्यरत समस्त स्टॉफ/ विदेशी पायलटों का सम्पूर्ण उत्तरदायित्व लेते है।

(5) औचक निरीक्षण के समय किसी प्राधिकृत अधिकारी को हमारे कार्यालय या कैंप कार्यालय में उडान उपकरण/ कैंप उपकरणों का निरीक्षण करने में पूर्ण सहयोग प्रदान किया जायेगा।

(6) मैं/हम एतद्वारा यह घोषणा करता हूँ/करते है कि उपर्युक्त सूचना मेरे/हमारे सर्वश्रेष्ठ ज्ञान के आधार पर सही है, यदि उपर्युक्त सूचना त्रुटिपूर्ण या कपटपूर्ण पायी जाती है तो मैं/हम अपने आवेदन पत्र को निरस्त होने पर कोई आपत्ति नही करूंगा/करेंगे।

संलग्नक.....

स्थान..... दिनांक.....

आवेदक के हस्ताक्षर

नाम..... पता/मो0/टेलीफोन...

भाग-दो
पायलट/टैंडेम पायलट/ पैराग्लाइडर अनुदेशक का बायोडाटा

1- नाम

2- पिता का नाम.....

3- जन्म तिथि.....

4- राष्ट्रीयता.....

5- शैक्षिक योग्यता.....

6- ब्लड ग्रुप(रक्त समूह)

7- स्थाई पता.....

टेलीफोन/मोबाइल/ई-मेल.....

8- कम्पनी/ फर्म का नाम.....

पूर्ण पता.....

ई-मेल.....

9- नियोक्ता के परिवर्तन की दशा में अनापत्ति प्रमाण पत्र का विवरण.....हॉ/नहीं.....
यदि नहीं, तो विवरण दें.....

10- पायलटों का प्रशिक्षण अभिलेख:

क- पाठ्यक्रम का नाम	हॉ/नहीं	अनुदेशक का नाम	अवधि (....से... तक)	लॉग बुक/डिजीटल लॉग बुक का विवरण	अभ्युक्ति
1. पी 1					
2. पी 2					
3. पी 3					
4. एसआईवी					
5. पी 4 (थर्मलिंग)					
6. एक्स सी (क्रास कंट्री)					
ख- अन्य तकनीकी प्रशिक्षण/प्रतियोगिताओं का विवरण					

11- अनुभव:-

12- अनुज्ञप्तिओं का विवरण:

(फर्म/सह स्वामी के हस्ताक्षर)

नाम.....

कम्पनी मुहर.....

(पायलट के हस्ताक्षर)

नाम.....

पिता का नाम.....

परिशिष्ट "ख"

(नियम 5 देखें)

गैर व्यवसायिक पायलट/फ्री प्लाएर्स(गेस्ट पायलट) हेतु आवेदन प्ररूप

1.	आवेदक का नाम	पासपोर्ट साईज रंगीन फोटो
2.	फर्म /कम्पनी/संगठन का नाम	
	(i) पूरा पता		
	(ii) ई-मेल		
	(iii) मोबाइल/टेलीफोन/फैक्स नम्बर		
3.	प्रस्तावित आयोजन/गतिविधियों का विवरण	
4.	अनुभव प्रमाण-पत्र	
5.	लाइसेंस का विवरण	
6.	स्थल/ उड़ान क्षेत्र/ जिले का विवरण	
7.	शुल्क का विवरण	
8.	आयोजन/गतिविधि की अवधि	
9.	प्रतिभागियों/टीमों की संख्या	
10.	बीमा का विवरण	
11.	उपकरणों का विवरण	
12.	इससे पहले किसी भी तरह की आयोजन में भागीदारी का विवरण (यदि कोई हो)	

अनुबंध

(1) मैं/हमने उत्तराखण्ड फुट लॉच एरो स्पोर्ट्स नियमों को सावधानी से पढ़ लिया है और इस नियमावली में अधिकथित उपबंधों पर सहमति देता हूँ/देते हैं।

(2) मैं/हम निर्देशों के अनुसार जिलाधिकारी को अपेक्षित सूचना प्रस्तुत करता रहूंगा /करते रहेंगे।

(3) किसी विवाद के मामले में मुख्य कार्यकारी अधिकारी उत्तराखण्ड विकास परिषद् का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा।

(4) मैं/हम एतद्वारा यह घोषणा करते हैं कि उपर्युक्त सूचना हमारी अधिकतम जानकारी में सही है। यदि उपर्युक्त सूचना त्रुटिपूर्ण या धोखाधड़ी पायी जाती है तो मुझे/हमे मेरे/हमारे आवेदन पत्र को निरस्त किये जाने पर कोई आपत्ति नहीं होगी।

संलग्नक.....

स्थान.....

दिनांक.....

आवेदक के हस्ताक्षर

नाम.....

पता.....

मोबाइल नम्बर.....

संलग्नक "ग"

(नियम 7 के अधीन)

प्रत्येक स्थल हेतु वार्षिक व्यवसायिक पैराग्लाइडिंग शुल्क

क.	पैराग्लाइडर	रु0 7500 प्रति ग्लाइडर
ख.	पर्यावरणीय शुल्क (वन विभाग को देय)	रु0 2500 प्रति ग्लाइडर
	कुल योग	रु0 10000 प्रति ग्लाइडर

गैर-व्यवसायिक उड़ान हेतु

क.	पैराग्लाइडर	शून्य प्रति ग्लाइडर
----	-------------	---------------------

संलग्नक "घ"

(नियम 8 के अधीन)

घरेलू एवं विदेशी पर्यटकों का मासिक विवरण

कम्पनी/फर्म/ संगठन का नाम.....

महीने का नाम.....

वर्ष.....

घरेलू पर्यटकों की संख्या	विदेशी पर्यटकों की संख्या	कुल योग	अभ्युक्ति
1	2	3	4

स्थान.....

दिनांक.....

अनुज्ञप्ति धारक के हस्ताक्षर

नाम.....

पता.....

मोबाइल नम्बर/टेलीफोन नं0.....

संलग्नक "ड"

(नियम 10 के अधीन)

निरीक्षण रिपोर्ट/तकनीकी मूल्यांकन

(1) निरीक्षण की तारीख.....

(2) कम्पनी/फर्म/संगठन का नाम.....

(3) उपकरण का विवरण.....

क्र0 सं0	उपकरण का नाम	संख्या	निर्माता का नाम	क्रमांक संख्या	मॉडल	रंग	अन्तिम जाँच की तारीख	भार वर्ग	प्रयोग घण्टा: मिनट (ग्लाइडर/रक्षा सम्बन्धी उपकरण)	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9		10
(क)	ग्लाइडर									
1.										
2.										
3.										
(ख)	उपकरण (रक्षा सम्बन्धी)									
1.										
2.										
(ग)	अन्य उपकरण									
1.	जीपीएस/वेरियो									
(घ)	प्राथमिक उपचार पेटी									
क्र0 सं0	मद संख्या					मात्रा	हाँ/नहीं		अभ्युक्ति	
1.	कॉटन व गेज									
2.	विभिन्न प्रकार की पट्टियाँ									
3.	प्राथमिक उपचार टेप									
4.	विभिन्न प्रकार के सेफ्टी पिन									
5.	कैंची									
6.	स्ट्रेराईल पैड और ड्रेनर्स									
7.	सैवलॉन									
8.	दर्द निवारक मरहम									
9.	12 इंच लकड़ी की स्केला कास्ट/क्रेमर तार स्प्लिट हेतु									
10.	इन्हेलर									
11.	अम्बु बैग									
12.	मॉस्क सहित ऑक्सीजन सेलेण्डर									
13.	आवश्यक औषधियाँ, एंटी एलर्जिक तथा वमन रोधी औषधि इत्यादि									

उपकरणों का गुणवत्ता परीक्षण—

- सरंधता एवं लाइन चैक रिपोर्ट के साथ बिन्दु (क एवं ख) के रूप में उल्लिखित ग्लाइडर की गुणवत्ता; अच्छी/सामान्य/खराब
- बिन्दु (ग) में उल्लिखित अन्य उपकरणों की गुणवत्ता अच्छी/सामान्य/खराब
- बिन्दु (घ) में उल्लिखित प्राथमिक उपचार पेटी की गुणवत्ता अच्छी/सामान्य/खराब
- पूर्व पाइलटों का विवरण :

क्र० सं०	पायलट का नाम	पिता का नाम	अभ्युक्ति
1.			
2.			
3.			
4.			
5.			
6.			

5. नये/प्रशिक्षु पायलट का विवरण :

- (एक) गाइड का नाम.....
- (दो) पिता का नाम.....
- (तीन) जन्म तिथि.....
- (चार) राष्ट्रीयता.....
- (पाँच) ब्लड ग्रुप (रक्त समूह).....
- (छः) कम्पनी/फर्म का नाम.....
- (सात) पूर्ण पता.....
- (आठ) टेलीफोन/मोबाइल संख्या.....

6. नये/प्रशिक्षु पायलट का विवरण :

क्र० सं०	गतिविधियाँ	दूरी	अवधि	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण	अभ्युक्ति
(क)	मौखिक परीक्षा					
1.	व्यक्तित्व					
2.	संक्षिप्त सार					
3.	व्यवहार					
4.	तकनीकी ज्ञान					
5.	सुरक्षा और बचाव					
6.	वायु नियम					
(ख)	शारीरिक परीक्षण					
1.	पूर्व उड़ान परीक्षण					
2.	थरमेलिंग कौशल					
3.	विभिन्न क्षतियों की अपस्फीति वसूली					
4.	एक्स सी मिनट 10 किलोमीटर या स्थल अनुज्ञप्ति के अनुसार					

टिप्पणी:—1. प्रत्येक पायलट/टेंडम पायलट को मौखिक परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् शारीरिक परीक्षण के लिए अनुमति दी जायेगी।

2. प्रत्येक पायलट/टेंडम पायलट को मौखिक परीक्षा और शारीरिक परीक्षा दोनों ही उत्तीर्ण करनी होगी।

3. पायलट की डिजिटल/लॉग बुक, प्रत्येक नवीनीकरण पर जाँची जायेगी या नई जारी होने पर एकल के लिए न्यूनतम 150 घण्टों और टेंडम के लिए 200 घण्टों में जाँच होगी। एक पायलट, जिसका 03 से 04 वर्ष का खाली अंतराल रहा हो, को सम्पूर्ण प्रक्रिया का पुनः पालन करना होगा।

संलग्नक "च"

(नियम 14 के अधीन)

सुरक्षा एवं बचाव उपकरण

(एक) अपेक्षित उपकरण:-

- (क) ग्लाइडर;
- (ख) दस्तानें;
- (ग) टखने के जूते;
- (घ) प्राथमिक उपचार बॉक्स (पैटी);
- (ङ) हेलमेट;
- (च) मरम्मत किट।

(दो) अतिरिक्त सुरक्षा उपकरण:-

- (क) बचाव अभियान के लिए संसूचना उपकरण;
- (ख) सीढ़ी;
- (ग) 9 मिलीमीटर व्यास की 50 मीटर नॉयलान की रस्सी;
- (घ) प्रति एक ग्लाइडर हेतु दो केराबेनर्स;
- (ङ) प्रति एक ग्लाइडर हेतु एक पुली;
- (च) प्रति एक ग्लाइडर हेतु डिस्केंडर/8 की आकृति;
- (छ) मॉस्क सहित ऑक्सीजन सेलेण्डर;
- (ज) स्ट्रेचर/स्पाइन बोर्ड-2 (एक उड़ान के समय एवं एक भूमि पर उतरते हुए) तकनीकी समिति के निर्देशन पर अन्य उपकरण।

(तीन) ग्लाइडर की विशिष्टताएँ

(चार) रिजर्ब की विशिष्टताएँ

(पाँच) हेलमेट की विशिष्टताएँ

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of "the Constitution of India", the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Notification No. 2387/VI/2018-01(03)/2013, dated September 06, 2018 for general information.

NOTIFICATION

Miscellaneous

September 06, 2018

No. 2387/VI/2018-01(03)/2013--In exercise of the powers conferred by Clause (a) and (b) of sub-section (2) of section 8 of the Uttarakhand Tourism Development Board Act, 2001 (Uttarakhand Act No. 12, Year 2001), the Governor is pleased to allow to make the following rules, to regulate Foot launch Aero sports (Including Paragliding) activities; licensing; accreditation; and for determination of charges and other conditions for similar works in Uttarakhand.

The Uttarakhand Foot Launch Aero sport (Paragliding) Rules, 2018

CHAPTER-I

PRELIMINARY

Short title, extent and commencement

1. (1) This rules may be called **Uttarakhand Foot Launch Aero sport (Paragliding) Rules 2018**.
- (2) It extends to the whole of the State of Uttarakhand limited to paragliding aero sport.
- (3) It shall come into force at once.
2. (1) In these rules, unless there is anything repugnant in the subject or context :--
 - (a) "Act" means the Uttarakhand Tourism Development Board Act, 2001 as amended from time to time;
 - (b) "State" means the State of Uttarakhand;
 - (c) "Board/UTDB" means Uttarakhand Tourism Development Board (UTDB) established under Sub-section (1) of section 3 of the Uttarakhand Tourism Development Board, Act, 2001 by state of Uttarakhand;
 - (d) "Chief Executive Officer" means Chief Executive Officer of the Uttarakhand Tourism Development Board;
 - (e) "District Magistrate" means District Magistrate of the concerning District;

- (f) **"Additional Chief Executive Officer"** means the Additional Chief Executive Officer of the Uttarakhand Tourism Development Board;
- (g) **"Applicant"** means any Person/Company/Institution/Firm, willing to seek permission for paragliding aero sport for tour, expedition, training, competition, etc. for commercial or non-commercial purposes;
- (h) **"Permit Issuing Authority"** means the C.E.O., Uttarakhand Tourism Development Board or an officer nominated by CEO;
- (i) **"Permit Holder / Operator"** means the company / firm holding permit to carry out (commercial paragliding) Aero sport activities under these rules;
- (j) **"Solo Pilot / Tandem pilot / Instructor "** means a person holding 'Identity Card' under these rules for safe operation of (paragliding) Aero sport ;
- (k) **"Operation"** means conduction of the (including commercial /training of paragliding) Aero sports activities under these rules;
- (l) **"Participant"** means a person participating paragliding activity;
- (m) **"Paraglider"** means the canopy which may be used to glide in air;
- (n) **"Tandem"** means paragliding activity involving 2 people (one pilot and an one passenger) on 1 paraglider;
- (o) **"BHPA / USHGA"** means British Hang Gliding and Paragliding Association / US Hang Gliding and Paragliding Association;
- (p) **"F.A.I."** means Federal Aeronautical International / A.C.I. means Aero club of India;
- (q) **"District Tourism Development Officer (D.T.D.O.) "** means the Officer in-charge of tourism department/UTDB of the concerned district as the condition prevails;
- (r) **Adventure Sports Officer** means the officer who take care of Adventure sports of the district;
- (s) **"Technical Committee"** means the committee constituted under Chapter- IV of these rules;
- (t) **"Foot Launch Aero sport"** means all aero sport which is launched on feet, not on wheels including paragliding;

(2) Words and expressions used in these rules but not defined shall have the same meanings respectively assigned to them in the Uttarakhand Tourism Development Board Act, 2001.

Flying Season

3. **"Season"** means whole of the year excluding the period 15th of July to 31st August, during which no Aero sports operation shall be permitted except solo or non- commercial flyers / according to VFR (Visual Flight Rules).

CHAPTER- II REGISTRATION

Procedure for grant of permit for Commercial operation

4. (1) Any applicant who is wishing to participate in commercial paragliding activities shall apply for permit to the **Chief Executive Officer** of Uttarakhand Tourism Development Board in prescribed form at **Annexure-'A'** between 16th July to 30th August every year along with the fee of Rs. 1000/- in form of demand draft (non refundable) in favor of the **Chief Executive Officer**, UTDB or in cash. Incomplete application form shall not be entertained.
- (2) After scrutinizing these applications initially, Shall be put up before the Technical Committee as mentioned in Chapter -IV (9) (which needs to be constituted), which shall fix date time & venue for the scrutiny/inspection of the documents, equipments conducting practical / physical tests & guides before 30th of August each year. On approval of the applicant's application, he/firm shall be issued operator permit. Incomplete application forms shall not be entertained.
- (3) After recommendation of Technical Committee Chief Executive Officer, UTDB shall issue the permit.
- (4) Activities which are covered under commercial paragliding include Tandem paragliding only by training establishments in the State of Uttarakhand.
- (5) Initial operator permit shall be issued for a period of 5 years.
- (6) Each operator permit shall restrict operator to a maximum of 10 tandem paragliders and minimum of 2 tandem paragliders. The exact number of tandem paragliders permitted for each operator shall be decided by the technical committee based on capacity plan for the specific flying site
- (7) Operator permit shall be specific to each flying site and the operators already plying shall have to seek permit for each site after notification of these rules. These sites are to be studied and finalised by the Technical committee

However, if applications for operator permit are received in excess to the capacity of the flying site, operator selection Shall be made through lottery or auction among the eligible operators. First come basis or on-basis of alternate sites;

Procedure for grant of permit- Non-commercial operation

5. (1) Any applicant who wishing to participate in noncommercial paragliding activities Shall apply for permission to the C.E.O. at least two weeks prior to the date proposed for the event / activity in prescribed form at **Annexure-'B'**
- (2) Activities which are covered under noncommercial paragliding include
 - a. Solo paragliding / visiting solo pilots

- b. Tandem noncommercial paragliding
- c. Participation in paragliding competitions
- d. Training for paragliding to be provided by trainers and establishments with at least 10 year's experience.

(3) The Government Department / Armed forces shall be exempted from obtaining permit for carrying out aero sport. However, they shall be required to inform the Chief Executive Officer at least two weeks prior to the date proposed for the event / activity.

Renewal of Permit - Commercial

6. (1) Every permit holder/operator shall have to submit application for renewal of permit to the **Chief Executive Officer, UTDB** in the similar manner as prescribed in rule 4 (1), (2).
- (2) All the applications for renewal shall be examined by the office of **Chief Executive Officer** and if required shall be sent to the Technical Committee for their evaluation and recommendation. Renewal of paragliding permit shall be issued for five years based on operator's past performance assessment by the permit-issuing authority.

Aero sport (commercial paragliding) Fee

7. (1) The Aero sport annual fee fixed for each flying site in **Annexure-'C'**, shall be amended by the Chief Executive Officer from time to time with the consent of the State Government. As additional sites are identified, fee structure for new sites shall be added as required.
- (2) Annual fee must be submitted between 15th July to 30th August. Failing which may lead to cancellation of permit / permission.

CHAPTER- III
RESPONSIBILITIES AND DUTIES OF
PERMIT HOLDER/OPERATOR

Responsibilities and duties of permit holder / operator

8. (1) Each operator shall have to arrange for the following equipments before he is permitted to carry out the operation and at time of inspection the technical committee shall check each equipment namely:-
- (i) Flying equipment of either EN (European Norm of Paragliding Certification or DHV (Deutscher Hangeleiter Verband) certified only
 - (ii) Safety Parachute and Helmet.
 - (iii) Instrument panel (Altimeter / barometer / compass / Air Speed Indicator) and General Positioning system.
 - (iv) Ground support and retrieval Vehicle.
- (2) The permit holder / operator and his employees shall at all times ensure strict compliance of these rules and the provisions therein.
- (3) Every operator shall inform the charges levied from tourist for aero sports to District Magistrate/DTDO and Shall publish the same in their brochures, booklets, etc. In case of any change in the charges, the same shall be intimated to District Magistrate / DTDO immediately.
- (4) The operator shall keep a complaint / suggestion book at office reception / camp.

- (5) Every operator shall provide monthly statistics of domestic and foreign tourist to UTDB on prescribed format at **Annexure-'D'** and shall also upload this information on the link provided with the website of UTDB.
- (6) Every operator shall provide employment to the domiciles of Uttarakhand in accordance with the directives issued by the Industries department from time to time.
- (7) Every operator shall have to submit the details of pilots appointed in his / her firm to local police station.
- (8) Every operator shall ensure that paragliding equipment is used in accordance with the bearing capacity prescribed by the manufacturing company or as per the bearing capacity determined by the Technical Committee.
- (9) Every permit holder / operator shall keep the local district administration and Tourism department informed about the VIPs going for Aero sport.
- (10) In case of any incident, the operator shall immediately inform to the local district administration, police station and the permit issuing authority.
- (11) Paragliding safety equipment including reserve parachute is mandatory for
 - a. All tandem flights
 - b. Solo flights where takeoffs are above 400 meter AGL (above ground level)
- (12) Every permit holder/operator shall produce the permit on demand to concerned officer or any tourist.
- (13) Digital log of each glider / pilot shall be maintained every day.
- (14) Every permit holder / pilot / operator shall produce following documents -
 - a. Paragliding equipment – The equipment will be produce before the Technical committee every 2 years or after usage of 200 hours, whichever is earlier. 200 hours is the maximum limit of flying equipment especially the canopy.
 - b. Pilots – Pilot license renewal every 5 years or adhoc evaluation in case of an incident report
 - c. Operators- As mentioned in operator grant of permit rules in section 4 & 6. Adhoc evaluation for surprise check and in case of incident reports
- (15) It is mandatory for every operator to take consent of every passenger / client on indemnity form before operation.

CHAPTER- IV

AERO SPORTS TECHNICAL COMMITTEE

Constitution of the Technical Committee

9. The UTDB shall by notification constitute a Technical Committee for Aero sports activities which shall consist of the following members :-
 - (a) An Officer of UTDB nominated by Chief -Convener
Executive Officer.
 - (b) Director General, Health or Medical Officer - Member
nominated by him.

**Function of the
Technical
Committee**

10.

- (c) Commandant, BSF Institute of Advance Adventure Training, Doiwala (DDN) or Officer nominated by him - Member
 - (d) One members from Paragliding Association of Uttarakhand & 1 member from registered State Associations - Member
 - (e) One member of Federal Aeronautical International (F.A.I.) / Aero Club of India (ACI) in National level - Member
 - (f) DTDO / ASO from concerned district - Member
 - (g) Any one person nominated by Chief Executive Officer UTDB - Member.
- (1) Functions of the Technical Committee are as follows:-
- (a) The Technical Committee shall meet twice in a year or as per the directives of CEO
 - (b) The Technical Committee shall examine all applications technically (new applications / renewal) for seeking Aero sports flying permits
 - (c) The Technical Committee shall examine the bio-data of the operator and pilots .
 - (d) The Technical Committee shall examine the paragliders (porosity check, rip test and lines of gliders) and other equipment's in accordance with the international standard.
 - (e) Airworthiness checks shall be performed on the following equipment
 - a. Paraglider
 - b. Harness – pilot and passenger
 - c. Reserve parachute
 - (f) The Technical Committee shall examine the knowledge, safety and rescue skills and first aid knowledge etc. of Aero sports from each commercial tandem pilot: minimum qualification criteria for application Shall be 100 hours of flying experience & 50 non-commercial tandem launches (Digital log book submission required) (**Format - Annexure 'E'**)
 - (g) The Technical Committee shall search and identify new sites of Uttarakhand and shall examine the suitability of any operation before starting the activity;
 - (h) The Technical Committee shall assess the carrying capacity of each flying sites for 5 years.
 - (i) The Technical Committee shall perform such responsibilities as assigned to them from time to

time by UTDB. / State Government.

The Regulatory Committee and its functions

11. (1) The UTDB shall by notification constitute a Regulatory Committee for aero sports activities in the chairmanship of Additional Chief Executive Officer (Additional Chief Executive Officer) of UTDB.
- (2) A member of Police / Civil Aviation or any other concerned Department may be nominated as special invite member.
- (3) Two experts to be nominated by Additional Chief Executive Officer (1 pilot in National ranking of F.A.I who hails from Uttarakhand in accordance to F.A.I national Ranking system) and one member of Aero Club of India/ BSF.
- (4) An officer from UTDB nominated by Additional Chief Executive Officer as a Member Secretary.
- (5) Additional Chief Executive Officer, UTDB Shall be authorized to take decisions on behalf of regulatory committee until or unless arising of any sensitive matter.
- (6) The Regulatory Committee shall have complete control over operation of aero sports activities and shall also work towards developing basic infrastructure and facilities at district level.
- (7) The CEO shall nominate any other member for Regulatory Committee to whom he may consider appropriate.
- (8) The Regulatory Committee shall give suggestions to make rules and regulations or amend in the rule regarding safety and rescue measures
- (9) To work on state certification / licensing and course designing. with the help of national and international experts / institution, that governs the Activity.
- (10) The Regulatory Committee shall conduct surprise checking during aero sports activities in time to time

**CHAPTER- V
SAFETY MEASURES**

Safety and rescue equipments

12. Each operator shall have to produce the equipment as mentioned in ~~Annexure-F~~ before the Technical Committee for airworthiness assessment.

Timing

13. Aero sports (paragliding) activities shall be carried out only in day light between sunrise and sunset. No launches half hour before sunset.

Insurance cover

14. The permit holder / operator Shall make sure that all equipment / tourist / pilots / trainees have insurance cover for paragliding.

Medical Assistance

15. Every permit holder / operator —
 - (1) Shall keep co-ordination to take care of emergency cases with a hospital and Shall keep information of nearby doctors and hospital available.
 - (2) It shall be mandatory to keep a first aid box with stretcher and spinal board in every flying site at takeoff and landing or any

Safety Standards

- contents to be specified by the Technical Committee.
- 16(I) (1) People suffering from serious ailments like vertigo / Heart Patients / Epilepsy / other chronic patients such as Asthma and respiratory problems shall not be allowed for (paragliding) Aero sports
- (2) Before commencement of tandem paragliding activity, every pilot shall give a comprehensive briefing about safety and rescue to participating passengers / tourist.
- (3) Tandem operator / pilot shall ensure that he / she along with the passenger are wearing a helmet certified for air sports. Passenger shall be told to wear shoes instead of flimsy slippers / floaters / sandals or high heels. Passengers should be advised on clothing too.
- (4) Pilot shall not fly in conditions or perform maneuvers that, by any means or actions, put the life of the passenger at risk.
- (5) Pilot shall ensure that the passenger is correctly briefed about the risks involved in the activity.
- (6) If the passenger is unwilling to continue with the flight after being explained about the risks of the activity, pilot / tandem operator shall not force the passenger to continue with the tandem ride.
- (7) pilot and passengers shall not be under the influence of alcohol or any other intoxicating drug while performing or participating in paragliding.
- (8) The operator/pilots shall ensure that all passengers wear a proper certified harness buckled at the time of take off.
- (9) The operator / pilots have to ensure favorable weather conditions (eg wind strength, clouds etc.) before commencing the activity.
- (II) The tourists below the age of less than 14yrs/20kg. and above the age of 65 years shall not be allowed for (paragliding) Aero sports.

CHAPTER- VI
QUALIFICATIONS OF OPERATORS / TANDEM PILOTS / INSTRUCTORS

Qualification of Operators

17. An applicant Shall be eligible to apply for being an operator on having the following qualifications:-
- (1) The applicant should be a resident of Uttarakhand for at least 10 years or have a domicile of this state.
- (2) The applicant should have advanced practical/technical knowledge of Aero sport which may be tested through oral exam taken by the technical committee.

Qualification of Tandem Pilots

18. The Tandem Pilot Shall be eligible to apply for being a Tandem pilot on having the following qualifications:-
- (1) The Tandem Pilot should be minimum 10th class pass.
- (2) The Tandem Pilot should be a pilot with at least 100 flying hours

of experience (Digital log book proof Shall be required).

- (3) The Tandem Pilot should have performed at least flights of a minimum arial distance of 50 kms. A digital log of these flights on the Tandem Pilot name Shall be mandatory.
- (4) The Tandem Pilot should have advanced practical knowledge of the sport which may be tested through a practical exam taken by the technical committee.
- (5) The Tandem Pilot should be medically fit and have an appropriate medical certificate and subjected annual medical examination with valid First Aid and CPR certification.
- (6) The operator should have a valid third party liability insurance covering paragliding.
- (7) The Tandem Pilot should have completed an SIV (Simulation during flights) of Tandem (paragliding safety course).
- (8) Technical committee Shall reserve the right to qualify pilots based on their international license which may certify them. Only licenses recognized by a country / association (BHPA / USHGA/FAI/ACI) Shall be accepted as a valid license.
- (9) The Tandem pilot / Instructor who are already working in this field with technical qualification mention in 18 (2) (3) and not having required educational qualifications as per 18 (1) allowed to acquire necessary educational qualification with in two years.
- (10) The Tandem Pilot/ Tandem Instructor should be certified by any recognized National Level Association/ Institution.

**Qualifications of
Paragliding
Instructors**

19. An applicant Shall be eligible to apply for being a Paragliding instructor on having the following qualifications:-

- (1) The applicant should be a graduate from a recognized University or equivalent qualification.
- (2) The applicant should be a pilot with at least 200 flying hours of experience and in case of Master instructor it should be a 400 flying hours experience (Digital log book proof shall be required)
- (3) The applicant should have performed at least flights of a minimum aerial distance of 50 kms. A digital log of these flights on the applicants name will be mandatory.
- (4) The applicant should have advanced practical knowledge of the Aero sport which may be tested through a practical exam taken by the technical committee.
- (5) The applicant should be medically fit and have an appropriate medical certificate and subjected annual medical examination.
- (6) The applicant should have a valid insurance covering paragliding.
- (7) The applicant should have completed an SIV (paragliding safety course).
- (8) Technical committee will reserve the right to qualify pilots based on their international license which may certify them. Only licenses recognized by a country/ association (BHPA/USHGA/API/ACI/FAI) will be accepted as a valid license, and valid First Aid and CPR certification.
- (9) Technical committee will reserve the right to issue the right level of instructor license (e.g., assistant instructor, Instructor, Master Instructor, etc.)

- (10) An instructor will have authorization for conducting paragliding courses based on his / her experience and will have authority to train solo pilots under supervision and issue solo flying certificate. Instructor will log all solo fliers' certificate with UTDB for records.

CHAPTER- VII

STANDARDS RELATING TO ENVIRONMENTAL SAFETY

Standards for Environmental Safety

20. Every operator / permit holder shall ensure compliance of the following standards :-
- (1) Conservation of eco-system and wild life in view of the eco-sensitivity of the Himalayan region.
 - (2) Disposal of garbage in a pit prepared for the purpose or at a designated place. In no case the garbage shall be disposed off into open.
 - (3) In no circumstances, polythene and plastic shall be consumed.
 - (4) All non-degradable substances such as, empty bottles, tin etc. shall be handpicked and kept in the waste bin and the same shall be disposed off through appropriate method.
 - (5) Rivers, streams and springs shall be kept pollution free from contamination by soap (detergent).
 - (6) No pilot / employee / tourist shall use transistor, MP3 player etc., or any other electronic entertainment device in high volume.
 - (7) Taking away of tree / plant cuttings, seeds and roots from Uttarakhand shall be deemed illegal.

CHAPTER- VIII LEGAL IMPLICATION

Penalty

21. In case of any operator/ tandem pilot (paragliding) is not found adhering to the rules / guidelines shall be levied penalties as per follows:
- (1) If an operator found operating paragliding activities without permission or if pilot/passenger found flying without shoes and helmet and if equipment found in bad/damage or without the certificate of air worthiness and if two person found using one harness at the same time, the license of operator/license of holder shall be canceled.
 - (2) Repetition of mistakes / breaking of rules may lead to cancellation of permit and the operator may also be punished under Indian Penal Code Act.
 - (3) In case of any operator / tandem pilot (paragliding) is found not adhering to the environmental rules / guidelines, the permit will be cancelled and shall be punishable under the provisions of relevant Forest, Wildlife and Environment Act and Rules made there under.
 - (4) Any operator / pilot, wilfully makes a false statement / suppresses a material fact / intention to mislead to permit issuing authority,

his permit shall be cancelled and black listed.

- (5) Transfer of permit from one operator to another shall not be allowed.
- (6) Any pilot is found guilty in any accident / misbehavior with tourist, malpractices etc. in (paragliding) aero sports operations after confirmation by Technical Committee or the complaint lodged under FIR, his permit shall be suspended / cancelled.
- (7) Every operator / permit holder shall ensure the implementation of provisions made under these rules and in case of breach of any rule, his permit shall be revoked / suspended / cancelled/ black listed.
- (8) The State Government / Tourism department shall not be responsible for any claims on account of any mishap.

CHAPTER- IX MISCELLANEOUS

Other Important Instructions for Permit Holder / Operators

22. (1) The decision of the Chief Executive Officer, Uttarakhand Tourism Development Board in regard to any complaint made by a tourist shall be final and binding.
- (2) The permit holder / operator shall protect the area of flying site and shall not disturb the life of locals and the peace of that area.
- (3) All permit holders / operators will cooperate and communicate in a friendly and professional manner with each other and other parties.
- (4) All operator / permit holder shall also have to necessarily ensure that aero sport activity shall not be carried out in bad weather.
- (5) The trainee pilots shall not be permitted alone to carry out operations during training period.
- (6) All Permit Holders will ensure that Use of drugs/alcohol at camp site or during flying operation shall be strictly prohibited.
- (7) Every permit holder shall ensure that no local children are allured by offering them foodstuff or sweets. They will respect local traditions. When taking photographs, shall respect privacy and seek prior permission for photography.
- (8) The authorized officer of the UTDB / District administration may inspect the flying site and camp site used for aero sports.
- (9) Pledge for responsible tourism pledge to be signed by each operator.

PART-II**BIO DATA OF PILOT / TANDEM PILOTS / INSTRUCTOR
PARAGLIDER**P.P size colour
photo

- 1- Name
- 2- Father's name
- 3- Date of Birth
- 4- Nationality
- 5- Educational Qualification
- 6- Blood Group
- 7- Permanent Address
- Tel./ Mob. No/ E- mail
- 8- Name of Co. / Firm
- Full Address
- E-mail
- 9- In case of change in : Yes / No
- Employer, details of N.O.C.: If No, give details

10- Training records of PILOTS:-

A- Name of course	Yes / No	Name of INSTRUCTOR	Duration (From To)	Details of Log book / digital	Remarks
1. P1					
2. P2					
3. P3					
4. S.I.V					
5. P4(Thermelling)					
6. Xc (cross-country)					
B- Details of other Technical Training / competitions					

11- Experience:-

12- Details of license:-

(Signatures of firm / Co. Owner)

(Signatures of Pilot)

Name.....

Name

Company Stamp

Father's Name

Annexure- B'

(See under rule 5)

**APPLICATION FORM FOR NON COMMERCIAL
PILOTS / FREE FLYERS (GUEST PILOTS)**P.P size color
photo

- 1- Name of the applicant
- 2- Name of Firm/Company/
Organization
- (i) Full Address
- (ii) E-mail
- (iii) Mobile./Telephone/Fax Nos.
- 3- Detail of proposed Event / Activity
- 4- Experience Certificate
- 5- Details of license
- 6- Details of Venue / flying area /
District
- 7- Details of Fee ...NIL.....
- 8- Duration of Event / Activity
- 9- No. of Participants / Teams
- 10- Details of insurance
- 11- Details of Equipment's.
- 12- Details of participation in any such events
earlier
(if any)

Undertaking

I / we hereby undertake that:-

- 1- I / We have carefully read the Uttarakhand Foot Launch Aero sport Rules and hereby agree to abide by the provisions laid down in these rules.
- 2- I / we agree to submit required information to District Magistrate DTDO as per the instructions.
- 3- In case of any dispute, the decision of CEO, UTDB shall be final and binding.
- 4- I / We hereby declare that above information are true to the best of my knowledge. If the above information is found to be incorrect or fraudulent, I/We will have no objection to reject my/our application form.

Enclosures:-

Signature of the applicant

Place:

Name

Date:

Address

Mobile/Tele No

Annexure-'C'

(Under Rule 7)

Yearly commercial paragliding Fees of each Site

a	Paraglider	Rs. 7500/- per glider
b	Environmental Fee (Payable to Forest Dept.)	Rs. 2500/- per glider
	Total	Rs. 10000/- per

For non commercial flying

a	Paraglider	Nil per glider
---	------------	----------------

Annexure-'D'

(Under Rule 8)

Monthly Statement of Domestic and Foreign Tourists

Name of Co./Firm/Organization:-

Name of Month: -

Year: -

No. of Domestic Tourists	No. of Foreign Tourists	Grand Total	Remarks
1	2	3	4

Signature of Permit Holder

Place:.....

Name

Date:.....

Address

Mobile/Tele No

Annexure-'E'

(Under Rule 10)

INSPECTION REPORT/TECHNICAL EVALUATION

- (1) Date of inspection
- (2) Name of company/firm/organization
- (3) Description of equipments

S. No.	Name of equipment	No s	Name of Manufacturer	Serial no	Model	Color	Last checked date	Weight range	Usage Hrs:Mins (glider/harness)	Remark
1	2	3	4	5	6	7	8	9		10
(a)		Glider								
1										
2										
3										
(b)		Harness								
1										
2										
(c)		Other Equipments								
1	Gps/ vario									
(d)		First-Aid Box								
S. No.	Item No.			Quantity	Yes/No		Remark			
1	Cotton and Gauge									
2	Different types bandages									
3	First Aid tape									
4	Safety pins of different sizes									
5	Scissors									
6	Sterile pad and drainers									
7	Savlon									
8	Pain-Killer ointment									
9	12" Wooden Scale for Cast / Kramer wire splints									
10	Inhaler									
11	Ambu bag									
12	Oxygen cylinder with mask									
13	Essential medicines, anti Allergic & Anti emetic medicines, etc.									

Quality check of equipments —

1. Quality of Gliders as mentioned in point (a & b) along with porosity and line checked report good/average/bad
2. Quality of other equipments as mentioned in point (c) good/average/bad
3. Quality of First-Aid box as mentioned in point (d) good/average/bad 4.

Details of old pilots

S. No.	Name of pilot	Father's Name	Remark
1	2	3	4
1			
2			
3			
4			
5			
6			

(5) Details of New/Trainee pilot

- I. Name of Guide
- II. Father's Name
- III. Date of Birth
- IV. Nationality
- V. Blood group
- VI. Name of company/firm
- VII. Complete address
- VIII. Telephone/Mobile No.

(6) pilots skill test

S. No.	Activity	Distance	Duration	Passed	Failed	Remark
A-	Viva-voce					
1	Personality					
2	Briefings					
3	Behavior					
4	Technical knowledge					
5	Safety and Rescue					
6	Air rules					
B-	Physical Test					
1	Pre flight checks					
2	Thermalling skills					
3	Recovery of different deflations					
4	Xc min 10-kms or according to the site permit.					

Note:- 1- Every pilot / tandem pilot after passing the viva voce Test shall be allowed for physical test.

2- Every pilot/ tandem pilot shall have to be passed in viva voce and Physical Test both.

3- Digital / log book of pilot will be checked on every renewal or new issue should have min 150 hrs for solo and 200 for tandem. A pilot who have a gap of 3-4 years will have to undergo the entire process again.

Annexure-‘F’

(Under Rule 14)

Safety and Rescue Equipments**I. Required Equipment:--**

- (A) Glider
- (B) Gloves
- (C) Ankle shoes
- (D) First Aid Box
- (E) Helmet
- (F) Repair kit

II. Additional Safety Equipments :--

- (A) Communication equipments for rescue operations.
- (B) Ladder
- (C) 50 mts Nylon rope of 9 mm diameter
- (D) Carabiners—two for each glider
- (E) Pulley—one for each glider
- (F) Descender/figure of 8—one for each glider
- (G) Oxygen cylinder with mask
- (H) Stretcher/Spine board—2(one take off and one at landing) Other equipments as per the directives of Technical Committee.

III. Specifications of Glider :--**IV. Specification of reserve :--****V. Helmet Specifications :--****अधिसूचना****विविध**

06 सितम्बर, 2018 ई०

संख्या 2388/VI(1)/2018-01(03)/2013—श्री राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् अधिनियम, 2001 की धारा 8 की उपधारा (2) के खण्ड (क) और (ख) संपठित उत्तर प्रदेश साधारण खण्ड अधिनियम, 1904 (उत्तराखण्ड राज्य में यथाप्रवृत्त) की धारा 21 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके, "उत्तराखण्ड रिवर सफ्टिंग/क्यार्किंग (संशोधन) नियमावली, 2018" को एतद्वारा तत्काल प्रभाव से प्रवृत्त किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

अधिसूचनाविविध

06 सितम्बर, 2018 ई०

संख्या 2388 /VI/ 2017-01(03)/2013-श्री राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् अधिनियम, 2001 की धारा 8 की उपधारा (2) के खण्ड (क) और (ख) सपठित उत्तर प्रदेश साधारण खण्ड अधिनियम, 1904 (उत्तराखण्ड राज्य में यथाप्रवृत्त) की धारा 21 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके, उत्तराखण्ड रिवर राफिटिंग/क्याकिंग नियमावली, 2014 में अग्रेतर संशोधन करने की दृष्टि से निम्नलिखित नियमावली बनाने की स्वीकृति प्रदान करते हैं, अर्थात्—

उत्तराखण्ड रिवर राफिटिंग/क्याकिंग (संशोधन) नियमावली-2018

- संक्षिप्त नाम, (1) इस नियमावली का संक्षिप्त नाम उत्तराखण्ड रिवर राफिटिंग/क्याकिंग विस्तार और (संशोधन) नियमावली, 2018 है।
प्रासम्भ (2) इसका विस्तार सम्पूर्ण उत्तराखण्ड राज्य पर होगा।
(3) यह तुरन्त प्रवृत्त होगी।

नियम 5 का (2) (एक) उत्तराखण्ड रिवर राफिटिंग/क्याकिंग नियमावली, 2014 (जिसे यहां संशोधन आगे मूल नियमावली कहा गया है) में नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान नियम 5 के उप नियम (1) के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिये गये नियम को रख दिया जायेगा अर्थात्—

स्तम्भ 01

विद्यमान नियम

5.(1) व्यवसायिक उद्देश्य से रिवर राफिटिंग/क्याकिंग अनुज्ञा के इच्छुक आवेदक को मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद्, देहरादून को अनुलग्न-क पर निर्धारित प्रारूप में 02 प्रतियों में गंगा नदी हेतु 01 जुलाई से 31 जुलाई के मध्य तथा अन्य

स्तम्भ 02

एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम

5.(1) व्यवसायिक उद्देश्य से रिवर राफिटिंग/क्याकिंग अनुज्ञा के इच्छुक आवेदक को मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद्, देहरादून को अनुलग्न-क पर निर्धारित प्रारूप में 02 प्रतियों में गंगा नदी हेतु 01 जुलाई से 31 जुलाई के मध्य एवं ₹ 1,000/- विलम्ब शुल्क सहित 31 अगस्त तक

नदियों हेतु वर्ष पर्यन्त ₹ 1000/- (अहस्तांतरणीय बैंक ड्राफ्ट) जो कि मुख्य कार्यकारी अधिकारी उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद्, देहरादून के पक्ष में देय हो अथवा नकद भुगतान के साथ आवेदन करना होगा। अपूर्ण आवेदन पत्र मान्य नहीं होंगे।

आवेदन कर सकेंगे 31 अगस्त के पश्चात् गंगा नदी हेतु आवेदन स्वीकार नहीं किये जायेंगे तथा अन्य नदियों हेतु वर्ष पर्यन्त ₹ 0.1000 (अहस्तांतरणीय बैंक ड्राफ्ट) जो कि मुख्य कार्यकारी अधिकारी उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद्, देहरादून के पक्ष में देय हो अथवा नकद भुगतान के साथ आवेदन करना होगा। अपूर्ण आवेदन पत्र मान्य नहीं होंगे।

(दो) मूल नियमावली में नियम 5 में उपनियम 7 को निम्नवत् अन्तःस्थापित कर दिया जायेगा, अर्थात्—

"(7) किसी भी नदी की धारक क्षमता पूर्ण होने के उपरान्त भी विशेष अभियान हेतु अनुमति दी जा सकेगी।"

नियम 7 का (3) मूल नियमावली में नियम 7 में उपनियम 7 को विलोपित कर दिया

संशोधन

जायेगा

(7) नदी की धारक क्षमता के अनुसार गंगा नदी में अवशेष क्षमता की दशा में उन फर्म्स को प्राथमिकता दी जाय, जो कि अन्य नदियों में राफिटिंग संचालन का कार्य कर रहे हैं।

(7) विलोपित।

नियम 10 (4) मूल नियमावली में नियम 10 में उपनियम 15 अन्तः स्थापित कर दिया जायेगा, अर्थात्—

का संशोधन

"(15) अनुज्ञा धारक/आपरेटर प्रत्येक दशा में नियम 12 ढ के अन्तर्गत तकनीकी समिति द्वारा निर्दिष्ट स्थानों से हो कर नदी में प्रवेश करना व निकासन सुनिश्चित करेंगे।"

नियम 11 (5) मूल नियमावली में नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान नियम 11(क), 11(च), 11(द) के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिये गये नियमों को रख दिया जायेगा, अर्थात्—

का संशोधन

स्तम्भ 1

स्तम्भ 2

विद्यमान नियम

एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम

11(क) मु0कार्य0अधि0, उ0प0वि0

11(क) मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

परि० द्वारा नामित एक अधिकारी उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद्
जो कि संयुक्त निदेशक पर्यटन द्वारा नामित अधिकारी।
स्तर से निम्न न हो।

(च) उप निदेशक पर्यटन-
सदस्य

(च) मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद्
द्वारा नामित अधिकारी।

(छ) सम्बन्धित जिला साहसिक
खेल अधिकारी- सदस्य

11(छ) सम्बन्धित साहसिक खेल
अधिकारी/जिला पर्यटन विकास
अधिकारी- सदस्य

नियम 12 (6) मूल नियमावली में नीचे स्तम्भ में दिये गये विद्यमान नियम 12 (6) के
का संशोधन स्थान पर स्तम्भ (2) में दिए गए नियम को रख दिया जायेगा, अर्थात् :
स्तम्भ 1 स्तम्भ 2

विद्यमान नियम

एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम

(6) तकनीकी समिति प्रारम्भ एवं
समापन स्थलों के चिन्हांकन का
कार्य करेगी।

(6) तकनीकी समिति प्रत्येक नदी के
दोनों किनारों पर उपयोगिता के
आधार पर राफ्ट को नदी में उतारने
व निकालने के स्थानों का
चिन्हीकरण करेगी।

नियम 13 (7) मूल नियमावली में नियम 13 में उप नियम (7) अन्तः स्थापित कर दिया
का संशोधन जायेगा, अर्थात् :

“(7) शासन द्वारा राफ्टिंग/क्याकिंग संचालन के लिये समय-समय पर
दिये गये निर्देशों के अनुरूप
उत्तराखण्ड रिवर राफ्टिंग/क्याकिंग नियमावली-2014 (समय-समय पर
यथा-संशोधित) के संगत नियमों के प्रवन्धन हेतु “उत्तराखण्ड नदी राफ्टिंग
प्रवन्ध सोसाइटी” का गठन किया गया है। जो कि इस नियमावली का
भाग होगा।”

नियम 18 (8) (एक) मूल नियमावली में नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान नियम
का संशोधन 18(3), 18(4) के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिये गये नियमों को रख दिया
जायेगा, अर्थात् :

स्तम्भ 1

स्तम्भ 2

विद्यमान नियम

एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम

(3) 14 साल की आयु से कम
तथा 60 वर्ष की आयु से अधिक
के पर्यटकों को रिवर राफ्टिंग
तथा 18 वर्ष की आयु से कम
तथा 50 वर्ष की आयु से अधिक

(3) 14 वर्ष की आयु से कम तथा
65 वर्ष की आयु से अधिक के
पर्यटकों को रिवर राफ्टिंग तथा
18 वर्ष की आयु से कम तथा 50 वर्ष
की आयु से अधिक के पर्यटकों को

के पर्यटकों को क्याकिंग की क्याकिंग की अनुमति नहीं होगी।
अनुमति नहीं होगी।

(4) राफ्टिंग/क्याकिंग के (4) राफ्टिंग/क्याकिंग के दौरान
दौरान मद्यपान/धूमपान पूर्णतः मद्यपान/धूमपान पूर्णतः प्रतिबन्धित
प्रतिबन्धित होगा। होगा एवं ऑपरेटर/गाईड किसी भी
ऐसे पर्यटक को राफ्टिंग नहीं
करवायेगा जो कि नशे की अवस्था
में होगा।

(दो) मूल नियमावली में नियम 18 में उपनियम (7) एवं (8) को निम्नवत
अन्तः स्थापित कर दिया जायेगा, अर्थात्—

“(7) 16 फीट लम्बी राफ्ट में 8+2 [8 पर्यटक, 01 गाईड तथा 01 प्रशिक्षु
गाईड] एवं 14 फीट लम्बी राफ्ट में 6+2 [6 पर्यटक, 01 गाईड तथा 01 प्रशिक्षु
गाईड] की अधिकतम व्यक्तियों की धारण क्षमता अथवा किसी भी दशा में राफ्ट
निर्माता कम्पनी द्वारा प्रमाणिक व्यक्तियों की धारण क्षमता से अधिक नहीं
होगी।

(8) (एक) बिना हैलमैट के राफ्टिंग एवं क्याकिंग की अनुमति नहीं होगी।

(त्ते) गाईड के पास परिचय पत्र होना अनिवार्य होगा।”

नियम 19 (9) मूल नियमावली में नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान नियम 19.1(ड) के
का संशोधन स्थान पर स्तम्भ-2 में दिये गये नियम को रख दिया जायेगा, अर्थात्—

स्तम्भ:-1

स्तम्भ:-2

विद्यमान नियम

एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम

(ड.) रेडक्रास अथा सेंट जॉन्स
एम्बुलेंस अथवा अन्य कोई
प्राथमिक चिकित्सा से सम्बन्धित
प्रमाण-पत्र (FAC) धारक हो।

(ड.) प्रत्येक गाईड रेडक्रास अथवा
सेंट जॉन्स एम्बुलेंस अथवा अन्य
सम्बन्धित संस्थाओं द्वारा प्रदत्त
प्राथमिक चिकित्सा से सम्बन्धित वैध
प्रमाण-पत्र (First Aid Certification)

धारक हो। प्रमाण-पत्र गाईड
लाइसेंस के नवीन आवेदन/
नवीनीकरण के समय प्रस्तुत/संलग्न
किया जाना होगा।

नियम 25 (10) मूल नियमावली में नियम 25 में उपनियम (3) अन्तः स्थापित कर दिया
का जायेगा, अर्थात्—
संशोधन

“(3) सुरक्षा एवं पर्यावरणीय दिशा-निर्देशों के अनुपालन हेतु सभी नदी क्षेत्र
में जहाँ कि राफ्टिंग गतिविधियों का संचालन नहीं होता है में उपलब्ध
बीच हेतु वन/राजस्व भूमि के सम्बन्धित वन प्रभाग/सम्बन्धित
जिलाधिकारी व सक्षम अधिकारी की अनुमति प्राप्त करने के उपरान्त

पर्यटन की गतिविधियां प्रारम्भ किये जाने से पूर्व पर्यटन विभाग की अनुमति/अनापत्ति प्राप्त की जानी आवश्यक होगी।”

नियम 26 (11) (एक) मूल नियमावली में नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान नियम 26(1) एवं 26(4) के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिये गये नियमों को रख दिया जायेगा, अर्थात्—

स्तम्भ:-1

स्तम्भ:-2

विद्यमान नियम

26(1) बिना अनुज्ञा के रिवर राफ्टिंग संचालन करने वाली फर्म/व्यक्ति से रू0 1.00 लाख प्रति राफ्ट की दर से जुर्माना वसूल किया जायेगा। जुर्माना न देने की स्थिति में भारतीय दण्ड संहिता के उपबन्धों के अधीन दण्डनीय अपराध होगा।

(4) किसी ऑपरेटर/अनुज्ञाधारी द्वारा राफ्टिंग/क्याकिंग की अनुज्ञा को किसी अन्य व्यक्ति को हस्तांतरण करना अथवा सौंपना गैर कानूनी होगा, ऐसी स्थिति में उसकी अनुज्ञा को निरस्त किया जायेगा एवं उसका नाम काली सूची में डाला जायेगा।

एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम

26(1) बिना अनुज्ञा के रिवर राफ्टिंग संचालन करने वाली फर्म/ऑपरेटर की राफ्ट जब्त कर दी जायेगी तथा पुनरावृत्ति की दशा में अनुज्ञा निलम्बित/निरस्त की जा सकेगी।

(4) किसी ऑपरेटर/अनुज्ञाधारी द्वारा राफ्टिंग/क्याकिंग की अनुज्ञा को किसी अन्य व्यक्ति अथवा नियमानुसार उत्तराधिकारी को हस्तांतरण निम्न प्राविधानों के तहत अनुमत्त होगा:-

(अ) क्रेता के नाम पर पूर्व से राफ्टिंग/क्याकिंग व्यवसाय से सम्बन्धित कोई फर्म पंजीकृत नहीं होनी चाहिए।

(ब) क्रेता अनुज्ञा प्राप्त करने से

10 वर्ष की अवधि तक अनुज्ञा

हस्तांतरित करने का अधिकारी

नहीं होगा।

(स) क्रेता इस नियमावली के

नियम 5 के अन्तर्गत निर्धारित

शर्तों का पूर्णतः पालन करता हो।

(दो) मूल नियमावली में नियम 26 में उपनियम 8 अन्तःस्थापित कर दिया जायेगा, अर्थात्—

“(8) नियम 13(7) में गठित नदी राफ्टिंग प्रबन्धन सोसाइटी, प्रबन्धन हेतु प्रति पर्यटक की दर से पर्यटकों से टोकन शुल्क वसूल सकेगी। साथ ही प्रबन्धन सोसाइटी वसूल किए जाने वाले टोकन शुल्क को समय-समय पर पुनर्रक्षित कर सकेगी। वसूल किए गए टोकन शुल्क का उपयोग राफ्टिंग के बेहतर प्रबन्धन हेतु, अवस्थापना विकास एवं समिति के कार्य सम्पादन हेतु, आउटसोर्स के माध्यम से तैनात कार्मिकों के मानदेय भुगतान हेतु किया जा सकेगा।”

नियम 28 का
संशोधन

12. मूल नियमावली में नियम 28 में उपनियम 14 एवं 15 अन्तःस्थापित कर दिए जायेंगे, अर्थात्—

“(14) अनुज्ञाधारक किसी भी दशा में राफ्ट ढोने हेतु प्रयुक्त वाहन को नदी तट से 100 मी0 की दूरी तक ही ले जा सकेगा तथा इस हेतु समय-समय पर राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण द्वारा जारी निर्देशों का पालन सुनिश्चित करेगा।

(15) प्रत्येक अनुज्ञाधारी/ऑपरेटर राफ्टिंग की न्यूनतम/अधिकतम राफ्टिंग शुल्क को कार्यालय व वेब साइट पर प्रदर्शित करेगा साथ ही इसकी सूचना अनुज्ञा जारी होने के समय अनुज्ञा निर्गमन प्राधिकारी को देगा।

आज्ञा से,

दिलीप जावलकर,
सचिव।

In pursuance of the provisions of clause (3) of the Article 348 of “the Constitution of India”, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Notification No. 2388/VI/2017-01(03)/2013, dated September 06, 2018 for general information.

NOTIFICATION

Miscellaneous

September 06, 2018

No. 2388/VI/2017-01(03)/2013--In exercise of the powers conferred by Clause a and b of sub-section 2 of section 8 of the Uttarakhand Tourism Development Board Act, 2001 read with section 21 of the Uttar Pradesh General Clause act, 1904 (as applicable to the State of Uttarakhand), the Governor is pleased to allow to make following rules in view to further amend Uttarakhand River rafting/kayaking rules, 2014, namely:--

THE UTTARAKHAND RIVER RAFTING/KAYAKING (AMENDMENT) RULES, 2018

Short title, extend and commencement 1. (1) This rules may be called Uttarakhand river rafting/kayaking (amendment) rules, 2018.

(2) It extends to the whole State of Uttarakhand.

(3) It shall come into force at once.

Amendment in Rule 5 2. (i) In Uttarakhand river rafting/kayaking rules, 2014 (hereinafter referred to as principal rules), for the existing sub rule (1) there is as follows:--
below, the sub rule as set out in column-2 shall be substituted, namely:--

Column-1

Existing rule

Column-2

Rule here by substituted

5(i) The applicant desirous of seeking river rafting permits for commercial purposes shall have to apply to the CEO of UTDB, Dehradun in prescribed form in Annexure 'A' in duplicate for river Ganga in between 01 July to 31 July and for other rivers at any

5(i) The applicant desirous of seeking river rafting permits for commercial purposes shall apply to the CEO, UTDB, Dehradun in prescribed form in Annexure 'A' in duplicate for river. ganga from 01 July to 31 July along with the fee of ₹ 1000

Column-1*Existing rule*

time of the year. Along with the fee of ₹ 1000 in form of demand draft (non transferable) in favour of the CEO, UTDB, Dehradun or in cash. Incomplete application forms will not be entertained.

Column-2*Rule here by substituted*

and ₹ 1000 extra late fees upto 31st August. No application will be accepted for river Ganga after 31st August. For other rivers, application will be accepted round the year along with the fees ₹ 1000 in form of demand draft (Non Transferable) in favour of the CEO, UTDB, Dehradun. Incomplete application shall not be entertained.

(ii) In rule 5 of the Principal rules, sub-rule (7) shall be inserted, namely :--

"(7) Permission for Special Expeditions may be given even after the carrying capacity of any river is full."

**Amendment in
Rule 7**

3. (4) In Principal Rule sub-rule (7) of rule 7 shall be omitted, namely :

(7) In case of availability in carrying capacity of river ganga, those firm which already operating rafting in other rivers will get priority.

(7) Omitted

**Amendment in
Rule 10**

4. In the Principal rules, sub-rule (15) of Rule 10 shall be inserted, namely :--

"(15) In any condition, License Holder/Operator will put in and pull out the raft from designated place/point as indentified by technical committee under Rule 12(N)."

**Amendment in
Rule 11**

5. In the Principal rules, for the existing rule 11(a), 11(b), 11(c) as set out in Column-1 below, the sub rule as set out in Column-2 shall be substituted, namely :--

Column-1*Existing rule*

11(a) An officer of UTDB not below the rank of joint Director nominated by C.E.O.

(f) Deputy Director, tourism

(g) Concerned District Adventure sports officer-Member

Column-2*Rule here by substituted*

11(a) An officer of UTDB nominated by CEO-Convener.

(f) An officer of UTDB nominated -Member

(g) Concerned adventure sports officer/District tourism development officer-Member

**Amendment in
Rule 12**

6. In the Principal rules, for the existing rule 12(n) as set out in Column-1 below, the sub rule as set out in Column-2 shall be substituted, namely :--

Column-1*Existing rule*

(n) Technical Committee will identify rafting starting and finishing point.

Column-2*Rule here by substituted*

(n) Technical Committee will identify Put in And Pull Out Point for rafts at both banks of every river on the basis of serviceability.

Amendment in Rule 13

7. In rule 13 of the Principal rules, sub rule (7) shall be inserted, namely :--

“(7) According to the direction given by Government from time to time Uttarakhand River Rafting/Kayaking Management Society constituted for management and regulation of rules of (Uttarakhand River Rafting/ Kayaking Rules-2014 as amended from time to time) which shall be the part of these rules.”

Amendment in Rule 18

8(i). In the Principal rules, for the existing rule 18(3), 18(4) as set out in Column-1, the sub rules as set out in Column-2 shall be substituted, namely :--

Column-1*Existing rule*

(3) The Tourist below the age of 14 years and above the age of 60 years shall not be allowed for river rafting and those below the age of 18 years and above the age of 50 years shall not be allowed for kayaking.

(4) Alcohol/smoking shall be totally prohibited during rafting/kayaking operations.

Column-2*Rule here by substituted*

(3) The Tourists below the age of 14 years and above the age of 65 years shall not be allowed for river rafting and those below the age of 18 years and above the age of 50 years shall not be allowed for kayaking.

(4) Alcohol/smoking shall be totally prohibited during rafting/kayaking operations. Operator/Guide shall not permit rafting to any tourist who is in an intoxicated condition.

(ii). In rule 18 of the Principal rules, sub rules (7) & (8) shall be inserted, namely :--

“(7) More than 8+2 person (8 Tourist, 01 guide and 01 trainee guide) in 16 feet raft and 6+2 person (6 tourist, 01 guide and 01 trainee guide) in 14 feet raft will not be allowed or in any condition not more than the certified carrying capacity of raft by raft manufacturing company.

“(8)(i) without helmet rafting/kayaking shall not be allowed.

(ii) It is mandatory for a Guide to have valid Identity Card.”

Amendment in Rule 19

9. In the Principal rules, for the existing rule 19.1(e) as set out in Column-1 below, the sub rules as set out in Column-2 shall be substituted, namely :--

Column-1*Existing rule*

(e) Must possess a certificate to first aid (FAC) from Red Cross Society of India or St. Johns Ambulance Society of India or any recognized or reputed organization.

Column-2*Rule here by substituted*

(e) Every guide must possess valid first Aid certification from Red Cross Society of India/St. Johns Ambulance of India or any other recognized or reputed organization institution conferred in First Aid. Certificate shall be produced/Annexed at the time of new application/renewal of Guide license

Amendment in Rule 25

10. In rule 25 of the Principal rules, sub-rule (3) shall be inserted, namely :--

“(3) In every river area where rafting activities are not being conducted for compliance of directions of security and environment for available beach after taking permission from competent officer or district magistrate of related forest/revenue land, before starting tourism activities permission/no objection certification UTDB should be taken necessarily.”

**Amendment in
Rule 26**

11(i). In the Principal rules, for the existing rule 26(1) & 26(4) set out in Column-1 below, the sub rule as set out in Column-2 shall be substituted, namely :--

Column-1*Existing rule*

26(1) The penalty of ₹ 1 lakh per raft shall be recovered from a person firm running without permit. In case not paying penalty, shall be punishable under the provision of Indian Penal Code Act.

(4) Any operator/permit holder who transfer or assigns his rafting/ kayaking permit to any other person shall be illegal, In the condition his permit shall be cancelled and black listed.

Column-2*Rule here by substituted*

26(1) Any firm/operator operating river rafting without valid permit, the raft shall be liable to be seized. Repeated violation will result in permit being suspended/ cancelled.

(4) Rafting/ kayaking permit can be transferred or assigned to any other person/successor under the following provisions—

(a) In the name of buyer, any previous rafting/kayaking firm should not be registered.

(b) The permit cannot be assigned/transferred upto a period of 10 years from date of obtaining permit.

(c) The buyer must fulfill all the terms and conditions under rule 5 of these Rules.

(ii). In rule 26 of the Principal rules, sub-rule (8) shall be inserted, namely :--

“(8) The River Rafting management Society constituted under rule 13(7) shall have the right to collect Token amount from tourists for managing rafting/kayaking activities.

The Management Society reserves the right to revise token amount periodically. The collected token amount shall be used by the Management Society for the purpose of infrastructural development or paying salary to the person concerned for managing river rafting/kayaking activity.”

**Amendment in
Rule 28**

12. In rule 28 of the Principal rules, sub-rule (14) and (15) shall be inserted, namely :--

“(14) Under any circumstance, the raft carrying vehicle of licensee must not enter an area of 100 mts from the river bank or shall be bound as per guidelines provided by National Green Tribunal from time to time.

(15) Every permit holder/operator shall display the minimum/maximum rafting charges in their office, website and shall give the information of it to Issuing Authority at the time of issuing a permit.

By Order,

DILIPJAWALKAR,

secretary.

चिकित्सा अनुभाग-2**अधिसूचना**

11 सितम्बर, 2018 ई०

संख्या 1290/XXVIII-2/01(16)2011टी०सी०-1—महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड, देहरादून के पत्र संख्या-2प/अन्य/18/2002/17090, दिनांक 24.07.2018 के क्रम में एवं सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों के शपथ-पत्रों एवं विवाह पंजीकरण प्रमाण-पत्रों के आधार पर, डा० राखी बहादुर, वरिष्ठ दन्त शल्यक, जिला चिकित्सालय, चम्पावत का नाम सेवा अभिलेखों में डा० राखी मित्रा एवं डा० रेनू टम्टा, वरिष्ठ दन्त शल्यक, बेस चिकित्सालय, अल्मोड़ा का नाम सेवा अभिलेखों में डा० रेनू राणा परिवर्तित करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

आज्ञा से,

नितेश कुमार झा,
सचिव।

वित्त अनुभाग-9**विज्ञप्ति/पदोन्नति**

12 सितम्बर, 2018 ई०

संख्या 289/2018/XXVII(9)/स्टाम्प-02/2017—स्टाम्प एवं निबन्धन विभाग, उत्तराखण्ड में चयन वर्ष 2017-18 में उपलब्ध उप-निबन्धक (श्रेणी-I), वेतनमान ₹ 15,600-39,100, ग्रेड वेतन ₹ 5,400 (पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के स्तर-10, ₹ 56,100-1,77,500) में रिक्त 02 पदों के सापेक्ष चयन समिति द्वारा की गई संस्तुति के आधार पर उप-निबन्धक (श्रेणी-II), वेतनमान ₹ 9,300-34,800, ग्रेड वेतन ₹ 4,600 (पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के स्तर-7, ₹ 44,900-1,42,400) के पद पर एकमात्र पात्र कार्यरत अधिकारी श्रीमती भावना कश्यप, उप-निबन्धक, श्रेणी-I, वेतनमान ₹ 15,600-39,100, ग्रेड वेतन ₹ 5,400 (पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के स्तर-10, ₹ 56,100-1,77,500) के पद पर तत्काल प्रभाव से पदोन्नत किया जाता है।

2. उपर्युक्त अधिकारी की पदोन्नति इस शर्त के साथ की जाती है कि मा० न्यायालय के आदेश अथवा अन्तिम रूप से वरिष्ठ कार्मिकों द्वारा उ०प्र० राज्य से उत्तराखण्ड राज्य में कार्यभार ग्रहण करने की दशा में पदोन्नति परिवर्तनीय/परिवर्द्धित होगी।

अमित सिंह नेगी,
सचिव।

सचिवालय प्रशासन (अधि०) अनुभाग-1**विज्ञप्ति**

31 अगस्त, 2018 ई०

संख्या 1363/XXXI(1)/2018/पदो०-19/2014—वित्त विभाग के शासनादेश सं०-589/XXVII(7)40(IX)2011, दिनांक 01.07.2013 के प्रस्तर-2 के उपखण्ड (1) (ख) के परन्तुक में निर्धारित प्राविधानान्तर्गत श्री विरेन्द्र प्रसाद, अनुसूचित जाति के प्रथम पदोन्नति की तिथि से एक 11 की निरन्तर एवं संतत रूप से सेवा की तिथि से द्वितीय वित्तीय स्तरानुयन के रूप में तालिका के स्तम्भ-4 में अंकित तिथिनुसार अनुसूचित, वेतनमान ₹ 15,600-39,100, ग्रेड वेतन ₹ 6,600 अनुमन्य किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

मौलिक नियुक्ति की तिथि एवं पदनाम	प्रथम पदोन्नति की तिथि एवं वेतनमान	प्रथम पदोन्नति की तिथि से 06 वर्ष पूर्ण होने की तिथि	द्वितीय ए०सी०पी० की तिथि
1	2	3	4
10.05.2004 प्रवर वर्ग सहायक/समीक्षा अधिकारी (वे० ₹ 5,500-175-9,000)	26.08.2008 ₹ 9,300-34,800, ग्रेड वेतन ₹ 4,800 (दि० 25.07.2012 से ₹ 15,600-39,100, ग्रेड वेतन ₹ 5,400)	25.08.2014	26.08.2014

आज्ञा से,

डॉ० आर० राजेश कुमार,
अपर सचिव।

तकनीकी शिक्षा विभाग

कार्यालय ज्ञाप

10 सितम्बर, 2018 ई०

संख्या 842/XLI-1/2018-52/2018-उत्तराखण्ड प्राविधिक शिक्षा राजपत्रित अधिकारी सेवा नियमावली, 2009 के प्रावधानानुसार एवं उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग सपरामर्श नियमावली, 2003 के नियम-11 के अनुबन्धों के अनुसार तथा रिट याचिका संख्या 96/एस०बी०/2018, विवेक गौतम एवं अन्य बनाम राज्य एवं अन्य में मा० उच्च न्यायालय, नैनीताल द्वारा पारित निर्णय दिनांक 14.03.2018 के अनुपालन में विभागीय पदोन्नति हेतु गठित चयन समिति द्वारा की गई संस्तुति के क्रम में प्राविधिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत संचालित राजकीय पॉलिटेक्निक में निम्नलिखित विभागाध्यक्ष/प्रवक्ताओं की प्रधानाचार्य (वेतन बैंड ₹ 15,600-39,100, ग्रेड वेतन ₹ 7,600) के पद पर पदोन्नति करते हुए, उनके सम्मुख कॉलम-5 पर अंकित संस्थान में तैनात/पदस्थापित किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

क्र० सं०	कार्मिक का नाम	गृह जनपद/जन्म तिथि	वर्तमान संस्था का नाम, जहाँ कार्यरत है	संस्था का नाम, जहाँ तैनाती/पदस्थापना की गई है
1	2	3	4	5
1.	श्री ओमेन्द्र प्रसाद	अल्मोड़ा/27.07.1966	रा०पा०, गोपेश्वर, चमोली	रा०पा० टनकपुर, चम्पावत
2.	श्री सुमीत कुमार सिंह	जौनपुर/21.01.1972	रा०पा०, नैनीताल	रा०पा०, पोखरी, चमोली
3.	श्री विवेक गौतम	सहारनपुर/04.05.1973	रा०पा०, नैनीताल	रा०पा० उत्तरकाशी
4.	श्री प्रवीण कुमार	इलाहाबाद/21.07.1965	रा०पा० पित्तूवाला, देहरादून	रा०म०पा०, देहरादून
5.	श्री रमेश चन्द्र	सहारनपुर/20.12.1965	उत्तराखण्ड प्राविधिक शिक्षा परिषद्, रुड़की	रा०पा०, लोहाघाट, चम्पावत
6.	श्री कमल कुमार श्रीवास्तव	वाराणसी/07.06.1967	रा०पा०, बाजपुर, रुधमसिंह नगर	रा०पा०, कनालीछीना, पिथौरागढ़
7.	श्री गजेन्द्र सिंह	बलिया/07.01.1968	रा०पा०, काशीपुर, रुधमसिंह नगर	रा०पा०, थलनदी, पौड़ी गढ़वाल

1	2	3	4	5
8.	डॉ0 अनिल कुमार सिंह	बोकारो / 15.02.1973	रा0पा0 वीरोंखाल, पौड़ी गढ़वाल	रा0 पा0, बाजपुर, ऊधमसिंह नगर
9.	डा0 राजीव कुमार चन्देल	शाहजहाँपुर / 20.03.1969	रा0पा0, टनकपुर, चम्पावत	रा0पा0, प्रतापनगर, टिहरी गढ़वाल
10.	श्री नाथीराम	वाराणसी / 20.12.1970	रा0पा0, पिपली, उत्तरकाशी	रा0पा0, गजा, टिहरी गढ़वाल
11.	श्रीमती नर्मदा सिंह	वाराणसी / 17.12.1967	रा0पा0, द्वाराहाट, अल्मोड़ा	रा0पा0 सतपुली, पौड़ी गढ़वाल
12.	श्रीमती रचना सिंह	ऊधमसिंह नगर / 28.11.1964	रा0पा0, लोहाघाट, चम्पावत	रा0पा0, द्वाराहाट, अल्मोड़ा
13.	श्री विनय शर्मा	बरेली / 15.05.1971	रा0पा0, मुनाकोट, पिथौरागढ़	रा0पा0, गणगौली, पिथौरागढ़
14.	श्री वीरेन्द्र कुमार	सीतापुर / 15.05.1966	रा0पा0 सल्ट, अल्मोड़ा	रा0पा0, ताकुला, अल्मोड़ा
15.	श्री सर्वेश कुमार वर्मा	बाराबंकी / 01.03.1969	प्राविधिक शिक्षा निदेशालय, श्रीनगर, पौड़ी	रा0पा0, गौचर, चमोली
16.	श्री प्रभुनाथ	देवरिया / 28.01.1969	रा0पा0, काशीपुर, ऊधमसिंह नगर	रा0पा0 वीरोंखाल, पौड़ी गढ़वाल
17.	श्री हुकुम चन्द	सहारनपुर / 10.05.1971	रा0पा0, पिपली, उत्तरकाशी	रा0पा0, गरुड़, बागेश्वर
18.	श्रीमती सरिता कटियार	कानपुर / 29.05.1969	रा0पा0, भलस्वागाज, हरिद्वार	रा0पा0, भलस्वागाज, हरिद्वार
19.	श्री अनिल कुमार सिंह गौड़	हरदोई / 25.06.1971	रा0पा0, खटीमा, ऊधमसिंह नगर	रा0पा0, सल्ट, अल्मोड़ा
20.	श्री महेन्द्र कन्याल	चमोली / 28.06.1973	उत्तराखण्ड प्राविधिक शिक्षा परिषद्, रुड़की	रा0पा0, बड़कोट, उत्तरकाशी
21.	श्री वीरेन्द्र पाल सिंह	लखनऊ / 01.07.1974	रा0पा0, शक्तिफार्म, ऊधमसिंह नगर	रा0पा0, कोटाबाग, नैनीताल

2. उक्त पदोन्नत कार्मिकों को नियमावली के नियम-20(1) के प्राविधानानुसार दो वर्ष हेतु परीक्षा अवधि में रखा जाता है।

3. उक्त पदोन्नति आदेश मा0 उच्च न्यायालय, नैनीताल में योजित रिट याचिका संख्या 186/2018, ओमकार शर्मा बनाम उत्तराखण्ड राज्य एवं अन्य में पारित होने वाले निर्णय के अधीन होंगे।

4. उक्त पदोन्नत कार्मिक 07 दिवस के भीतर नवीन तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करना सुनिश्चित करेंगे।

आज्ञा से,

डॉ0 अहमद इकबाल,

अपर सचिव।

पी0एस0यू0 (आर0ई0) 43 हिन्दी गजट/566-भाग 1-2018 (कम्प्यूटर/रीजियो)।

मुद्रक एवम् प्रकाशक-अपर निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, उत्तराखण्ड, रुड़की।



सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की, शनिवार, दिनांक 27 अक्टूबर, 2018 ई0 (कार्तिक 05, 1940 शक सम्वत्)

भाग 1-क

नियम, कार्य-विधियां, आज्ञाएं, विज्ञप्तियां इत्यादि जिनको उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया

HIGH COURT OF UTTARAKHAND AT NAINITAL

NOTIFICATION

September 19, 2018

No. 310/UHC/Admin.A/2018—In exercise of the powers conferred by Article 229 of the Constitution of India and all other powers enabling in that behalf, Hon'ble the Court has been pleased to make the following amendment in Allahabad High Court Officers and Staff (Conditions of service and conduct) Rules 1976, applicable to High Court of Uttarakhand, Nainital under U.P. Reorganization Act, 2000 :—

Amendment in Allahabad High Court Officers and Staff (Conditions of Service and Conduct) Rules, 1976, as applicable to High Court of Uttarakhand vide Section 30 of U.P. Reorganization Act, 2000

Following Syllabus be incorporated in Appendix A:

Rule No.	Amendment
Appendix-A	
Syllabus for Promotion to the post of Joint Registrar	The candidate must have working knowledge of Allahabad High Court Rules, 1952 (as applicable to High Court of Uttarakhand, Nainital) and Constitutional Law. The candidate must have elementary knowledge of Indian Penal Code, Code of Criminal Procedure, Civil Procedure Code, Evidence Act, Limitation Act, Family Courts Act, Motor Vehicle Act, Court Fees & Suits Valuation Act, etc. An aspirant to the post of Joint Registrar must also have Practical knowledge of Computers.
	The question paper will be subjective-cum-objective and of 200 marks. Computer test will be of 25 marks. Viva-voce will be of 75 marks, in which 30 marks will be given for Annual Confidential Remarks (06-marks for outstanding, 05-marks for Very Good and 04 marks for Good) of preceding five years.
	For General category candidates 50% marks in written test and computer test and for candidates belonging to Scheduled Caste, Scheduled Tribes and O.B.C. 45% marks in written test and computer test must be required for qualifying for the Viva-voce.

Rule No.	Amendment
	The setting up of question papers, conducting of test, valuation of answer papers, declaration of results and all other matters connected therewith will be done under the authority of Hon'ble Chief Justice or under the control of a Committee constituted by Hon'ble the Chief Justice in this behalf.

This amendment will come into force with immediate effect.

By Order of the Court,

Sd/-

Registrar General.

HIGH COURT OF UTTARAKHAND, NAINITAL

NOTIFICATION

September 20, 2018

No. 311/XIV-a/33/Admin.A/2013--Ms. Nazish Kaleem, Civil Judge (Jr. Div.), Khatima, District Udham Singh Nagar is hereby sanctioned medical leave for 14 days w.e.f. 27.08.2018 to 09.09.2018.

NOTIFICATION

September 24, 2018

No. 312/XIV-a/48/Admin.A/2015--Ms. Sahista Bano, Judicial Magistrate, Chamoli is hereby sanctioned earned leave for 08 days w.e.f. 04.09.2018 to 11.09.2018 with permission to prefix 02.09.2018 & 03.09.2018 as Sunday and Janmashtami holidays.

By Order of Hon'ble the Administrative Judge,

Sd/-

Registrar (Inspection).

UTTARAKHAND STATE LEGAL SERVICES AUTHORITY, HIGH COURT CAMPUS,

NAINITAL

NOTIFICATION

September 12, 2018

No. 1050/I-H-1/SLSA/2018--In view of the powers conferred under Section-9(3) of the Legal Services Authorities Act, 1987, Rule-12(1) of the Uttarakhand State Legal Services Authority (Amendment) Rules, 2015 and in pursuance of the recommendation dated 12.09.2018 of Hon'ble High Court of Uttarakhand, Hon'ble Executive Chairman, Uttarakhand State Legal Services Authority, Nainital is pleased to appoint the following Judicial Officers as Secretary, District Legal Services Authority in the district mentioned against their name:--

NOTIFICATION

September 12, 2018

No. 1048/III-A-1/SLSA/2018--Ms. Tricha Rawat is appointed as Civil Judge (S.D.)/Secretary, District Legal Services Authority, Bageshwar.

NOTIFICATION

September 12, 2018

No. 1049/III-A-10/SLSA/2018--Ms. Arti Saroha is appointed as Civil Judge (S.D.)/Secretary, District Legal Services Authority, Rudraprayag.

NOTE: This order will come into force with immediate effect.

By Order of the Hon'ble Executive Chairman,

PRASHANT JOSHI,

Member Secretary.

कार्यालय राज्य कर आयुक्त, उत्तराखण्ड
(विधि-अनुभाग)

04 अक्टूबर, 2018 ई०

ज्वाइण्ट कमिश्नर (कार्य०), राज्य कर,
देहरादून/हरिद्वार/रुड़की/रुद्रपुर/हल्द्वानी सम्भाग।

पत्रांक 5037/रा०कर आयु० उत्तरा०/रा०क०मु०/विधि-अनुभाग/18-19/देहरादून-आयुक्त राज्य कर, उत्तराखण्ड द्वारा जारी आदेश संख्या 5027/सी०एस०टी०यू०के०/जी०एस०टी०-विधि/2018-19, दिनांक 04 अक्टूबर, 2018 का संदर्भ ग्रहण करें, जिसके द्वारा उत्तराखण्ड माल और सेवा कर नियम, 2017 के नियम 117(1क) के अन्तर्गत प्ररूप जीएसटी ट्रान-1 में दाखिल किए जाने की अवधि दिनांक 31 जनवरी, 2019 बढ़ाया जाना अधिसूचित किया गया है।

उक्त आदेश की प्रति इस आशय से प्रेषित है कि उपरोक्त आदेश की अतिरिक्त प्रतियाँ कराकर अपने अधीनस्थ समस्त कर-निर्धारण अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने हेतु तथा बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों/व्यापारी संगठनों के अध्यक्ष/सचिव को सूचनार्थ उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

आयुक्त राज्य कर उत्तराखण्ड
आदेश

04 अक्टूबर, 2018 ई०

विषय-उत्तराखण्ड माल और सेवा कर नियम, 2017 के नियम 117(1क) के अन्तर्गत प्ररूप जीएसटी ट्रान-1 में दाखिल किए जाने की समय सीमा बढ़ाए जाने विषयक।

संख्या 5027/सी०एस०टी०यू०के०/जी०एस०टी०-विधि/2018-19-उत्तराखण्ड माल और सेवा कर नियम, 2017 के नियम-117-के-उपनियम-(1क)-संशोधित-उत्तराखण्ड माल और सेवा कर अधिनियम, 2017-की धारा-168-के-द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, आयुक्त, एतद्वारा, परिषद् की सिफारिशों पर, पंजीकृत व्यक्तियों के प्रवर्ग, जिनके द्वारा निर्धारित तिथि तक सामान्य पोर्टल पर तकनीकी समस्याओं के कारण उक्त घोषणा दाखिल नहीं की जा सकी है तथा जिनके मामले परिषद् द्वारा संस्तुत किए गए हैं, के लिए प्ररूप जीएसटी ट्रान-1 में घोषणा दाखिल किए जाने की अवधि दिनांक 31 जनवरी, 2019 तक बढ़ाती हूँ।

सौजन्या,
आयुक्त राज्य कर,
उत्तराखण्ड।

ORDER

October 04, 2018

Subject : Extension of time limit for submitting the declaration in FORM GST TRAN-1 under rule 117(1A) of the Uttarakhand Goods and Service Tax Rules, 2017 in certain cases.

No. 5027/CSTUK/GST-Vidhi Section/ 2018-19/ON-04-- In exercise of the powers conferred by sub-rule (1A) of rule 117 of the Uttarakhand Goods and Services Tax Rules, 2017 read with section 168 of the Uttarakhand Goods and Services Tax Act, 2017, on the recommendations of the Council, I, the Commissioner hereby extends the period for submitting the declaration in **FORM GST TRAN-1**, till 31st January, 2019, for the class of registered persons who could not submit the said declaration by the due date on account of technical difficulties on the common portal and whose cases have been recommended by the Council.

SOWJANYA,
Commissioner State Tax,
Uttarakhand.

01 अक्टूबर, 2018 ई0

ज्वाइन्ट कमिश्नर (कार्य0), राज्य कर,
देहरादून/हरिद्वार/रुड़की/रुद्रपुर/हल्द्वानी सम्भाग।

पत्रांक 4969/रा0कर आयु0 उत्तरा0/रा0क0मु0/विधि-अनुभाग/18-19/देहरादून-उत्तराखण्ड शासन वित्त अनुभाग 8 द्वारा जारी अधिसूचना संख्याएँ 852/2018/10(120)/XXVII(8)/2018/CTR-39; 853/2018/10(120)/XXVII(8)/2018/CTR-41; 854/2018/15(120)/XXVII(8)/2018/CTR-43; 855/2018/15(120)/XXVII(8)/2018/CTR-48; 857/2018/16(120)/XXVII(8)/2018/CTR-49; 858/2018/16(120)/XXVII(8)/2018/CTR-50; तथा 850/2018/16(120)/XXVII(8)/2018/CTR-51, दिनांक 27 दिसम्बर, 2018 का संदर्भ ग्रहण करें, जिसके द्वारा क्रमांक उत्तराखण्ड माल और सेवा कर (आठवाँ संशोधन) नियम, 2018; परिषद् की सिफारिशों पर जीएसटी की धारा 47 के अधीन कतिपय करदाताओं के वर्ग के द्वारा संदत्त विलम्ब फीस का अधित्यजन किए जाने; पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष या चालू वित्तीय वर्ष में 1.5 करोड़ रुपए तक समग्र आवर्त वाले रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों के वर्ग द्वारा प्ररूप जीएसटीआर-1 में ब्यौरे प्रस्तुत करने की समयावधि निश्चित करने; उत्तराखण्ड माल और सेवा कर (नौवाँ संशोधन) नियम, 2018; उत्तराखण्ड माल और सेवा कर (दसवाँ संशोधन) नियम, 2018; दिनांक 01 अक्टूबर, 2018 से धारा 51 के उपबंध प्रवृत्त होने तथा दिनांक 02 अक्टूबर, 2018 से धारा 52 के उपबंध प्रवृत्त होना अधिसूचित किया गया है।

उक्त अधिसूचनाओं की प्रति इस आशय से प्रेषित है कि उपरोक्त अधिसूचनाओं की अतिरिक्त प्रतियाँ कराकर अपने अधीनस्थ समस्त कर-निर्धारण अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने हेतु तथा बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों/व्यापारी संगठनों के अध्यक्ष/सचिव को सूचनार्थ उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

वित्त अनुभाग-8

अधिसूचना

27 सितम्बर, 2018 ई0

संख्या-852/2017/10(120)/XXVII(8)/2018/CT-39-श्री-राज्यपाल-महोदय, उत्तराखण्ड-माल-और-सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 06) की धारा 164 सपठित उत्तर प्रदेश साधारण खण्ड अधिनियम, 1904 (अधिनियम सं0 1, वर्ष 1904) (उत्तराखण्ड में यथाप्रवृत्त) की धारा 21 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सहर्ष, उत्तराखण्ड माल और सेवा कर नियम, 2017 को अग्रतर संशोधित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्-

उत्तराखण्ड माल और सेवा कर (आठवाँ संशोधन) नियम, 2018

- | | |
|----------------------------|--|
| संक्षिप्त नाम एवं प्रारम्भ | 1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम उत्तराखण्ड माल और सेवा कर (आठवाँ संशोधन) नियम, 2018 है।
(2) इन नियमों में यथा उपबंधित के सिवाय, ये दिनांक 04 सितम्बर, 2018 से प्रवृत्त होंगे। |
| नियम 22 का संशोधन | 2. उत्तराखण्ड माल और सेवा कर नियम, 2017 (जिसे यहाँ आगे मूल नियम कहा गया है) के नियम 22 के उपनियम (4) में, निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्- |

परन्तु जहां कोई व्यक्ति, धारा 29 की उपधारा (2) के खण्ड (ख) या खण्ड (ग) में अंतर्विष्ट उपबंधों के उल्लंघन के लिए उपनियम (1) के अधीन तामील की गई सूचना का उत्तर देने के बजाए, सभी संबंधित विवरणियाँ देता है और लागू ब्याज और विलम्ब शुल्क के साथ शोध्य कर का पूरा संदाय कर देता है, वहाँ उचित अधिकारी, कार्यवाहियों को समाप्त कर देगा और प्ररूप जीएसटी आरईजी-20 में आदेश पारित करेगा।

- | | |
|-------------------|--|
| नियम 36 का संशोधन | 3. मूल नियम के नियम 36 के उपनियम (2) में, निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्- |
|-------------------|--|

परन्तु यदि उक्त दस्तावेज में सभी विनिर्दिष्ट विशिष्टियाँ अंतर्विष्ट नहीं हैं, किन्तु प्रभारित कर की रकम के ब्यौरे, माल या सेवाओं का विवरण, माल या सेवाओं या दोनों की पूर्ति का कुल मूल्य, पूर्तिकार और प्राप्तिकर्ता का माल और सेवा कर पहचान संख्यांक और अन्तर्राज्यिक पूर्ति की दशा में पूर्ति का स्थान अन्तर्विष्ट है तो, ऐसे रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा इनपुट कर प्रत्यय का उपभोग किया जा सकेगा।

- | | |
|-------------------|---|
| नियम 55 का संशोधन | 4. मूल नियम के नियम 55 के उपनियम (5) में, "या पूर्णतया नाकड-डाऊन स्थिति" शब्दों के पश्चात्, "या बच्चों अथवा लाटों" शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे। |
|-------------------|---|

नियम 89 का संशोधन 5. मूल नियम के नियम 89 के उपनियम (4) में, स्तम्भ-1 में दिए गए खण्ड (उ) के स्थान पर, स्तम्भ-2 में दिया गया निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात्—

स्तम्भ-1	स्तम्भ-2
वर्तमान खण्ड	एतद्वारा प्रतिस्थापित खण्ड
(उ) "समायोजित कुल आवर्त" से धारा 2 की खण्ड (112) के अधीन यथा परिभाषित राज्य में सुसंगत अवधि के दौरान शून्य दर पूर्तियों से भिन्न छूट पूर्तियों के मूल्य को छोड़कर आवर्त अभिप्रेत है;	(उ) "समायोजित कुल आवर्त" से, सुसंगत अवधि के दौरान— (क) धारा 2 के खण्ड (112) के अधीन यथा परिभाषित, किसी राज्य में आवर्त का, सेवाओं के आवर्त को छोड़कर; और (ख) उपरोक्त खण्ड (ई) के निबंधनों में अवधारित सेवाओं के शून्य-दर पूर्ति और सेवाओं के गैर-शून्य दर पूर्ति के आवर्त के मूल्य का कुल योग अभिप्रेत है, जिसमें,— (i) शून्य-दर पूर्तियों से भिन्न छूट प्राप्त पूर्तियों का मूल्य; और (ii) ऐसे पूर्तियों का आवर्त, जिनके संबंध में उपनियम (4अ) या उपनियम (4आ) या दोनों के अधीन प्रतिदाय, यदि कोई हो, का दावा किया गया है, सम्मिलित नहीं है।

नियम 96 का संशोधन 6. मूल नियम के नियम 96 में, स्तम्भ-1 में दिए गए उपनियम (10) के स्थान पर, स्तम्भ-2 में दिया गया निम्नलिखित उपनियम (10) रखा जाएगा, अर्थात्—

स्तम्भ-1	स्तम्भ-2
वर्तमान खण्ड	एतद्वारा प्रतिस्थापित खण्ड
(10) व्यक्ति जो निर्यात किए गए माल या सेवाओं के लिए संदत्त एकीकृत कर के प्रतिदाय का दावा करता है, उसे ऐसी पूर्ति प्राप्त नहीं करनी चाहिए, जिस पर आपूर्तिकर्ता ने उत्तराखण्ड शासन वित्त अनुभाग-8 की अधिसूचना सं0 914/2017/9(120)/XXVII(8)/2017, दिनांक 10 नवम्बर, 2017 या उत्तराखण्ड शासन वित्त अनुभाग-8 की अधिसूचना सं0 916/2017/9(120)/XXVII(8)/2017, दिनांक 10 नवम्बर, 2017 या भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (i) में सा0का0नि0 सं0 1321(अ) द्वारा प्रकाशित अधिसूचना सं0 41/2017-एकीकृत कर (दर), तारीख 23/10/2017 या भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (i) में सा0का0नि0 सं0 1272(अ) द्वारा प्रकाशित अधिसूचना सं0 78/2017-सीमा-शुल्क, तारीख 13/10/2017 या भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (i) में सा0का0नि0 सं0 1299(अ) द्वारा प्रकाशित अधिसूचना सं0 79/2017-सीमा-शुल्क तारीख 13/10/2017 का लाभ उठाया है।	(10) माल या सेवाओं के निर्यात पर संदत्त एकीकृत कर के प्रतिदाय का दावा करने वाले व्यक्तियों द्वारा,— (क) पूर्तियों, जिन पर उत्तराखण्ड शासन वित्त अनुभाग-8 की अधिसूचना संख्या 914/2017/9(120)/XXVII(8)/2017, दिनांक 10 नवम्बर, 2017 अथवा अधिसूचना संख्या 916/2017/9(120)/XXVII(8)/2017, दिनांक 10 नवम्बर, 2017 अथवा अधिसूचना संख्या 41/2017-एकीकृत कर (दर) दिनांक 23 अक्टूबर, 2017 का लाभ लिया गया है, प्राप्त नहीं करनी चाहिए; या (ख) भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (i) में सा0का0नि0 सं0 1272(अ) द्वारा प्रकाशित अधिसूचना सं0 78/2017-सीमा-शुल्क तारीख 13 अक्टूबर, 2017 अथवा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (i) में सा0का0नि0 सं0 1299 (अ) द्वारा प्रकाशित अधिसूचना सं0 79/2017-सीमा-शुल्क कर तारीख 13 अक्टूबर, 2017 के अधीन लाभ का उपयोग नहीं करना चाहिए।

नियम 138क का संशोधन 7. मूल नियम के नियम 138क के उपनियम (1) में, परन्तु के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

परन्तु यह और कि आयातित माल की प्रवेश पत्र में प्रवेश पत्र के माफ़ी का व्यक्ति ऐसे माल के आयातकर्ता द्वारा फाइल किए गए प्रवेश पत्र की प्रति का भी वहन करेगा और प्ररूप जीएसटी ईडब्ल्यूबी-01 के भाग क में प्रवेश पत्र की संख्या और तारीख उपदर्शित करेगा।

प्ररूप जीएसटी आरईजी-20 का 8. मूल नियम के प्ररूप जीएसटी आरईजी-20 के स्थान पर, अग्रसारित प्ररूप रखा जाएगा, अर्थात्—

"जीएसटी आरईजी-20

[नियम 22(4) देखें]

संदर्भ संख्या -

तारीख :

सेवा में

नाम

पता

माल और सेवा कर पहचान संख्यांक/यूआईएन

कारण बताओ सूचना संख्या -

तारीख :

रजिस्ट्रीकरण के रद्दकरण हेतु कार्यवाहियों को समाप्त करने के लिए आदेश

ऊपर निर्दिष्ट कारण बताओ सूचना के जवाब में आपके द्वारा एआरएन
 तारीख द्वारा फाइल किए गए उत्तर को निर्दिष्ट करें। आपके उत्तर और/या सुनवाई के
 दौरान दी गई दलीलों पर विचार करने पर, रजिस्ट्रीकरण को रद्द करने के लिए आरंभ की गई कार्यवाहियां निम्नलिखित
 कारणों से रद्द की जाती हैं :

<< पाठ >>

या

ऊपर निर्दिष्ट कारण बताओ सूचना उत्तराखण्ड माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 29 की उपधारा (2)
 के खंड (ख) या खंड (ग) के उपबंधों का उल्लंघन करने के लिए जारी की गई थी। चूंकि आपने पूर्वोक्त सूचना
 के जारी करने की तारीख को बकाया सभी संबंधित विवरणियां फाइल कर दी हैं, और लागू ब्याज और विलंब फीस
 के साथ कर का पूर्ण संदाय कर दिया है, अतः रजिस्ट्रीकरण को रद्द करने के लिए आरंभ की गई कार्यवाहियां
 समाप्त की जाती हैं।

हस्ताक्षर

< अधिकारी का नाम >

पदनाम

अधिकारिता

स्थान :

तारीख : "।

प्ररूप जीएसटी 9 मूल नियम के प्ररूप जीएसटी आईटीसी-04 के स्थान पर, निम्नलिखित प्ररूप रखा
 आईटीसी-04 जाएगा, अर्थात् —
 का संशोधन

"जीएसटी आईटीसी-04

[नियम 45 (3) देखें]

छुटपुट कार्य करने वाले कर्मकार को भेजे गए और उससे वापस प्राप्त माल/पूंजी माल के ब्यौरे

1. माल और सेवा कर पहचान संख्यांक --

2. (क) विधिक नाम -

(ख) व्यापार का नाम, यदि कोई है -

3. अवधि : तिमाही - वर्ष -

4. छुटपुट कार्य के लिए भेजे गए इनपुटों/पूंजी माल के ब्यौरे (जिसमें छुटपुट कार्य करने वाले कर्मकार के कारबार के स्थान/परिसर पर सीधे भेजे गए इनपुट/पूंजी माल भी हैं) . :

[illegible]

5. छुटपुट कार्य करने वाले कर्मकार से वापस प्राप्त या छुटपुट कार्य के कारबार के स्थान से बाहर भेजे गए इनपुटों/पंजी माल के ब्यौरे :

(क) छुटपुट कार्य करने वाले कर्मकार से, जिसे ऐसा माल छुटपुट कार्य के लिए भेजा गया था, वापस प्राप्त इनपुटों/पूंजी माल, और नुकसानों और अपशिष्टों के ब्यौरे :

[illegible]

(ख) छुटपुट कार्य करने वाले ऐसे कर्मकार से, जिसे मूल रूप से ऐसा माल छुटपुट कार्य के लिए भेजा गया था, भिन्न छुटपुट कार्य करने वाले कर्मकार से वापस प्राप्त इनपुटों/पूजी माल; और नुकसानों और अपशिष्टों के ब्यौरे :

माल और सेवा कर पहचान संख्यांक/ छुटपुट कार्य करने वाले कर्मकार, यदि अरजिस्ट्रीकृत है, का राज्य	छुटपुट कार्य करने वाले कर्मकार द्वारा जारी चालान संख्यांक, जिसके अधीन माल वापस प्राप्त हुआ है	छुटपुट कार्य करने वाले कर्मकार द्वारा जारी चालान की तारीख, जिसके अधीन माल वापस प्राप्त हुआ है चालान तारीख	माल का विवरण	यूक्यूसी	मात्रा	मूल चालान संख्यांक, जिसके अधीन माल छुटपुट कार्य के लिए भेजा गया था	मूल चालान की तारीख, जिसके अधीन माल छुटपुट कार्य के लिए भेजा गया था	छुटपुट कार्य करने वाले कर्मकार द्वारा किए गए छुटपुट कार्य की प्रकृति	नुकसान और अपशिष्ट	
									यूक्यूसी	मात्रा
1	2*	3*	4	5	6	7*	8*	9	10	11

(ग) छुटपुट कार्य करने वाले कर्मकार को भेजे गए और तत्पश्चात् छुटपुट कार्य करने वाले कर्मकार के परिसर से प्रदाय किए गए इनपुटों/पूजी माल ; और नुकसानों और अपशिष्टों के ब्यौरे :

माल और सेवा कर पहचान संख्यांक/ छुटपुट कार्य करने वाले कर्मकार, यदि अरजिस्ट्रीकृत है, का राज्य	प्रमुख द्वारा जारी छुटपुट कार्य करने वाले कर्मकार द्वारा प्रदाय की दशा में बीजक संख्यांक	प्रमुख द्वारा जारी छुटपुट कार्य करने वाले कर्मकार द्वारा प्रदाय की दशा में बीजक की तारीख	माल का विवरण	यूक्यूसी	मात्रा	मूल चालान संख्यांक, जिसके अधीन माल छुटपुट कार्य के लिए भेजा गया था	मूल चालान की तारीख, जिसके अधीन माल छुटपुट कार्य के लिए भेजा गया था	छुटपुट कार्य करने वाले कर्मकार द्वारा किए गए छुटपुट कार्य की प्रकृति	नुकसान और अपशिष्ट	
									यूक्यूसी	मात्रा
1	2	3	4	5	6	7*	8*	9	10	11

अनुदेश :

1. एकल चालान के लिए मदों की बहु प्रविष्टियां भरी जाएं ।
2. उन मामलों में, जिनमें छुटपुट कार्य करने वाले कर्मकार द्वारा नए चालान जारी करना अपेक्षित है, सारणी (क) और सारणी (ख) के स्तंभ 2 और स्तंभ 3 आज्ञापक हैं ।
3. जहाँ छुटपुट कार्य के लिए भेजे गए माल और छुटपुट कार्य के बाद प्राप्त माल के बीच आपस में पत्राचार संभव नहीं है, वहाँ सारणी (क), सारणी (ख) और सारणी (ग) के स्तंभ 7 और स्तंभ 8 न भरे जाएं ।

6. सत्यापन :

मैं, एतद्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान और घोषणा करता हूँ कि इसमें ऊपर दी गई सूचना मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है और उसमें से कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

स्थान :

तारीख :

हस्ताक्षर

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता का नाम

पदनाम/प्रास्थिति

प्ररूपों का प्रतिस्थापन 10. मूल नियम के जीएसटी आर-8 के पश्चात् निम्नलिखित प्ररूप अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्—

उपाबंध-क

वार्षिक विवरणी

प्ररूप जी एस टी आर-9 (नियम 80 देखें) वार्षिक विवरणी						
पी0टी0 I	मूल ब्यौरे					
1.	वित्तीय वर्ष					
2.	जी एस टी आई एन					
3क.	विधिक नाम					
3ख.	व्यापार नाम (यदि कोई हो)					
पी0टी0 II	वित्तीय वर्ष के दौरान घोषित जावक और आवक पूर्तियों के ब्यौरे					
	(सभी सारणियों में रकम ₹ में)					
	प्रदायों की प्रकृति	कराधेय मूल्य	केंद्रीय कर	राज्य कर	एकीकृत कर	उपकर
	1	2	3	4	5	6
4.	वित्तीय वर्ष के दौरान फाइनल विवरणी में जो घोषित कर के रूप में संदेय है, पर अग्रिम, आवक और जावक पूर्ति के ब्यौरे					

क	अरजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों को की गई पूर्ति (ख2ग)					
ख	रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों को की गई पूर्ति (ख2ख)					
ग	कर संदाय (विशेष आर्थिक जोनों से भिन्न) शून्य रेटेड पूर्ति (निर्यात)					
घ	कर संदाय पर विशेष आर्थिक जोन को पूर्ति					
ङ	समझा गया निर्यात					
च	अग्रिम जिस पर कर संदत्त हैं, परन्तु बीजक जारी नहीं किए गए हैं [उपर्युक्त (क) से (ङ) के अधीन समावेशित नहीं है]					

छ	आवक पूर्ति जिस पर रिवर्स भार के आधार पर कर संदत्त किया जाना है					
ज	आंशिक योग (उपर्युक्त क से छ तक)					
झ	उपर्युक्त (ख) से (ड) में विनिर्दिष्ट संव्यवहारों के संबंध में जारी साखपत (-)					
ञ	उपर्युक्त (ख) से (ड) में विनिर्दिष्ट संव्यवहारों के संबंध में जारी नामे नोट (+)					
ट	संशोधनों (+) के माध्यम से घोषित पूर्ति/कर					
ठ	संशोधनों (-) के माध्यम से घटी हुई पूर्ति/कर					
ड	(उपर्युक्त झ से ठ) का आंशिक योग					
ढ	पूर्ति और अग्रिम जिस पर संदत्त किया जाना है, उपर्युक्त (ज+ड)					

5.	ऐसे जावक पूर्तियों के ब्यौरे जिस पर, वित्तीय वर्ष के दौरान फाइल की गई विवरणियों में यथाघोषित कर-संदेय नहीं है
----	---

क	कर संदाय के बिना शून्य रेटेड पूर्ति (निर्यात)					
ख	कर संदाय के बिना विशेष आर्थिक जोनों की पूर्ति					
ग	पूर्ति जिस पर चलते गए भार के आधार पर प्राप्तिकर्ता द्वारा संदाय किया जाना है					
घ	छूट-प्राप्त					
ङ	शून्य रेटेड					
च	गैर-जी एस टी पूर्ति					
छ	आंशिक योग (उपर्युक्त क से छ)					
ज	उपर्युक्त (क) से (छ) में विनिर्दिष्ट संव्यवहारों के संबंध में जारी साखपत (-)					
झ	उपर्युक्त (क) से (छ) में विनिर्दिष्ट संव्यवहारों के संबंध में जारी नामे नोट (+)					
ञ	संशोधनों (+) के माध्यम से घोषित पूर्ति					
ट	संशोधनों (-) के माध्यम से घटी हुई पूर्ति					
ठ	आंशिक योग (उपर्युक्त ज से ट)					

ड	आवर्तन, जिस पर संदत्त किया जाना है, उपर्युक्त (छ+ढ)					
ढ	कुल आवर्तन [(अग्रिम सहित) उपर्युक्त 4ढ+5ड-4छ]					

पी0टी0 III	वित्तीय वर्ष के दौरान फाइल विवरणियों में घोषित रूप में आई टीसी के ब्यौरे
------------	--

	विवरण	प्रकार	केंद्रीय कर	राज्य कर	एकीकृत कर	उपकर
	1	2	3	4	5	6

6	वित्तीय वर्ष के दौरान फाइल विवरणियों में घोषित रूप में उपयोग किए गए आई टीसी के ब्यौरे
---	---

क	प्ररूप जी एस टी आर-3ख के माध्यम से उपभोग की गई निवेश कर प्रत्यय की कुल रकम (प्ररूप जी एस टी आर-3ख के सारणी 4क कर कुल जोड़)		<आटो>	<आटो>	<आटो>	<आटो>
ख	आवक पूर्ति (रिवर्स भार के लिए दायी आयातों और आवक पूर्तियों से भिन्न परन्तु विशेष आर्थिक जोनों से प्राप्त सेवाएँ सम्मिलित हैं)	निवेश				
		पूँजी माल				
		निवेश सेवाएँ				
ग	रिवर्स भार (उपर्युक्त ख से भिन्न) के लिए दायी अरजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों से प्राप्त आवक पूर्ति जिस पर कर संदत्त है और आई टीसी का उपभोग किया गया है	निवेश				
		पूँजी माल				
		निवेश सेवाएँ				
घ	रिवर्स भार (उपर्युक्त ख से भिन्न) के लिए दायी अरजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों से प्राप्त आवक पूर्ति जिस पर कर संदत्त है और आई टीसी का उपभोग किया गया है	निवेश				
		पूँजी माल				
		निवेश सेवाएँ				
ङ	मालों का आयात (विशेष आर्थिक जोनों से पूर्ति शामिल)	निवेश				
		पूँजी माल				
च	सेवाओं का आयात (विशेष आर्थिक जोनों से आवक पूर्ति छोड़कर)					
छ	आई एस डी से प्राप्त निवेश का प्रत्यय					
ज	अधिनियम के उपबंधों के अधीन पुनर्निर्मित आई टी सी की रकम (उपर्युक्त ख से भिन्न)					
झ	आंशिक योग (उपर्युक्त ख से ज)					
ञ	अन्तर (उपर्युक्त झ-क)					
ट	टी आर ए एन-1 के माध्यम से संक्रमण प्रत्यय (पुनरीक्षण सहित, यदि कोई हो)					

ठ	टी आर ए एन-II के माध्यम से संक्रमण प्रत्यय				
ड	उपभोग की गई किन्तु ऊपर विनिर्दिष्ट नहीं की गई कोई अन्य आईटीसी				
ढ	आंशिक योग (उपर्युक्त ट से ड तक)				
ण	उपभोग की गई कुल आई टी सी (उपर्युक्त झ+ढ)				

7.	वित्तीय वर्ष के दौरान फाइल विवरणियों में घोषित रूप में प्रतिवर्ती आई टी सी के और अपात्र आई टीसी के ब्यौरे				
क	नियम 37 के अनुसार				
ख	नियम 39 के अनुसार				
ग	नियम 42 के अनुसार				
घ	नियम 43 के अनुसार				
ङ	धारा 17 (5) के अनुसार				
च	टीआर ए एन-I प्रत्यय का उलटाव				
छ	टी आर ए एन-II प्रत्यय का उलटाव				
ज	अन्य उलटाव (कृपया विनिर्दिष्ट करें)				
झ	कुल प्रतिवर्तित आई टी सी (उपर्युक्त क से ज)				
ञ	उपयोग के लिए उपलब्ध शुद्ध आई टी सी (6ण-7झ)				

8.	सूचना से संबंधित अन्य आई टी सी				
----	--------------------------------	--	--	--	--

क	जी एस टी आर-2क के अनुसार आई टी सी	<आटो>	<आटो>	<आटो>	<आटो>
ख	उपर्युक्त 6 (ख) और 6(ज) की कुल रकम के अनुसार आई टी सी	<आटो>			
ग	वर्ष 2017-18 के दौरान प्राप्त आवक प्रदाय पर आई टी सी [(रिवर्स भार के लिए दायी आयतों और आवक पूर्तियों से भिन्न) परन्तु विशेष आर्थिक जोनों से प्राप्त सेवाओं सहित] परन्तु अप्रैल से सितम्बर, 2018 के दौरान उपभोग किए गए				
घ	अन्तर (क-ख+ग)				
ङ	उपलब्ध आई टी सी परन्तु उपभोग न की गई (घ में से)				
च	उपलब्ध आई टी सी परन्तु अनुपयुक्त (घ में से)				
छ	मालों के आयात पर सदत्त आई जीएसटी (विशेष आर्थिक जोन से पूर्ति सहित)				
ज	मालों के आयात पर उपभोग की गई आई जीएसटी प्रत्यय [उपर्युक्त 6(ङ) के अनुसार]	<आटो>			
झ	अन्तर (छ ज)				
ञ	मालों के आयात पर उपलब्ध आई टी सी परन्तु उपयोग न की गई (झ के समान)				
ट	चालू वित्तीय वर्ष में व्ययगत होने वाला कुल आई टी सी (ङ+च+ज)	<आटो>	<आटो>	<आटो>	<आटो>

पी०टी० IV	वित्तीय वर्ष के दौरान फाइल विवरणियों में घोषित रूप में संदत्त कर के ब्यौरे						
	आई टी सी के माध्यम से संदत्त						

9.	विवरण	संदेय कर	संदत्त	केंद्रीय कर	राज्य कर	समेकित कर	उपकर
	1	2	3	4	5	6	7
	एकीकृत कर						
	केंद्रीय कर						
	राज्य कर						
	उपकर						
	ब्याज						
	विलम्ब फीस						
	शास्ति						
	अन्य						

पी०टी० V	चालू वित्तीय वर्ष के अप्रैल से सितम्बर तक की विवरणियों में घोषित पूर्व वित्तीय वर्ष के या पूर्व वित्तीय वर्ष की वार्षिक विवरणी के फाइल किए जाने की तारीख तक, इनमें से जो भी पूर्वतर हो, संव्यवहारों की विशिष्टियाँ
----------	--

	विवरण	संदेय मूल्य	केंद्रीय कर	राज्य कर	एकीकृत कर	उपकर
	1	2	3	4	5	6
10.	संशोधनों (+) के माध्यम से घोषित पूर्ति/कर (शुद्ध नामे नोट)					
11.	संशोधनों (-) के माध्यम से घटी हुई पूर्ति/कर (शुद्ध साख पत्र)					
12.	पूर्व वित्तीय वर्ष के दौरान उपभोग की गई आई टी सी का उलटाव					
13.	पूर्व वित्तीय वर्ष के लिए उपभोग की गई आईटीसी					

14.	उपर्युक्त 10 और 11 में घोषणा के कारण संदत्त अन्तरीय कर		
	विवरण	संदेय	संदत्त
	1	2	3
	एकीकृत कर		
	केंद्रीय कर		
	राज्य कर		
	उपकर		
	ब्याज		

पी0टी0 VI.

अन्य जानकारी

15	माँग और प्रतिदाय का विवरण							
	ब्यौरा	केंद्रीय कर	राज्य कर	एकीकृत कर	उपकर	ब्याज	शास्ति	विलम्ब फीस / अन्य
क	कुल दावाकृत प्रतिदाय							
ख	कुल मंजूर प्रतिदाय							
ग	कुल अस्वीकृत प्रतिदाय							
घ	कुल लम्बित प्रतिदाय							
ङ	कुल करों की माँग							
च	उपर्युक्त ङ के संबंध में संदत्त कुल कर							
छ	उपर्युक्त ङ में से लम्बित कुल माँग							

16.	धारा 143 के अधीन समिश्रण करदाताओं, समझी गई पूर्ति से प्राप्त प्रतियों पर जानकारी और अनुमोदन आधार पर भेजा गया माल
-----	--

	ब्यौरे	संदेय मूल्य	केंद्रीय कर	राज्य कर	एकीकृत कर	उपकर
	1	2	3	4	5	6
क	समिश्रण करदाताओं से प्राप्त पूर्ति					
ख	धारा 143 के अधीन समझी गई पूर्ति					
ग	अनुमोदन आधार पर भेजा गया माल, जो वापस नहीं आया					

17.	जाबक प्रतियों का सारांश वार एचएसएन
-----	------------------------------------

एच एस एन कोड	यू क्यू सी	कुल परिमाण	संदेय मूल्य	कर की दर	केंद्रीय कर	राज्य कर	एकीकृत कर	उपकर
1	2	3	4	5	6	7	8	9

भाग 1-क] उत्तराखण्ड गजट, 27 जनवरी, 2018 28 (कार्यक 33, 1313 का संशोधन)

18.	आवक पूर्तियों का एचएसएन वार सारांश							
1	2	3	4	5	6	7	8	9
एच एस एन कोड	यू क्यू सी	कुल परिमाण	संदेय मूल्य	कर की दर	केंद्रीय कर	राज्य कर	एकीकृत कर	उपकर

19.	संदेय और संदत्त विलम्ब फीस		
	विवरण	संदेय	संदत्त
	1	2	3
क	केंद्रीय कर		
ख	राज्य कर		

सत्यापन :

मैं, सत्यनिष्ठा से पुष्टि करता हूँ और घोषणा करता हूँ कि इसमें ऊपर दी गई सूचना मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है और उसमें से कुछ भी छिपाया नहीं गया है तथा आउटपुट कर दायित्व में किसी कटौती की दशा में उसके लाभ को पूर्ति के प्राप्तिकर्ता को प्रदान कर दिया गया है/कर दिया जाएगा।

हस्ताक्षर

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता का नाम

पदनाम/प्रास्थिति

स्थान :

तारीख :

अनुदेश:-

1. प्रयुक्त पद :

(क) जीएसटीआईएन : माल और सेवा कर पहचान संख्या

(ख) यूक्यूसी : यूनिट मात्रा कूट

(ग) एचएसएन : नाम पद्धति कूट की सुमेलित पद्धति

2. इस विवरणी में जुलाई, 2017 से मार्च, 2018 के बीच की अवधि के ब्यौरे उपलब्ध कराए जाएँ।

3. भाग II में वित्त वर्ष के दौरान सभी जावक पूर्तियों और प्राप्त अग्रिम के ब्यौरे हैं, जिनके लिए वार्षिक विवरणी-फाइल की गई है। भाग 2 में फाइल किए गए ब्यौरे, वित्त वर्ष के दौरान करदाता द्वारा फाइल की गई विवरणियों में घोषित सभी पूर्तियों का समेकन है। भाग 2 को मरने के लिए अनुदेश नीचे दिए अनुसार है:-

सारणी सं०	अनुदेश
4क.	उपमोक्ताओं और अरजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों को की गई पूर्तियों का समग्र मूल्य, जिस पर कर संदत्त किया गया है, की यहाँ घोषणा की जाएगी। इनमें ई-वाणिज्य प्रचालकों के माध्यम से की गई पूर्तियों के ब्यौरे सम्मिलित होंगे और उनकी इस संबंध में जारी किए गए जमा पत्र या नामे नोट के शुद्ध के रूप में घोषणा की जानी है। इन ब्यौरों को मरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-1 की सारणी-9 और सारणी-10 में क्रमशः संशोधनों के साथ सारणी-5, सारणी-7 का उपयोग किया जा सकेगा।
4ख.	रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों को की गई पूर्तियों का समग्र मूल्य (जिसके अन्तर्गत यूआईएन को किए गए प्रदाय भी हैं), जिस पर कर संदत्त किया गया है, की यहाँ घोषणा की जाएगी। इनमें ई-वाणिज्य प्रचालकों के माध्यम से की गई पूर्तियाँ सम्मिलित होंगी किन्तु इनमें ऐसी पूर्तियाँ सम्मिलित नहीं होंगी, जिन पर प्राप्तिकर्ता द्वारा अनुलोम प्रभार आधार पर कर का संदाय किया जाना है। नामे नोट और शाख पत्रों के ब्यौरों का पृथक् रूप से वर्णन किया जाना है। इन ब्यौरों को मरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-1 की सारणी 4क और सारणी 4ग का उपयोग किया जा सकेगा।
4ग.	निर्यात का समग्र मूल्य (विशेष आर्थिक जोन को की गई प्रदायों के सिवाय), जिस पर कर संदत्त किया गया है, की यहाँ घोषणा की जाएगी। इन ब्यौरों को मरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-1 की सारणी 6क का उपयोग किया जा सकेगा।
4घ.	विशेष आर्थिक जोन को पूर्तियों का समग्र मूल्य, जिस पर कर संदत्त किया गया है, की यहाँ घोषणा की जाएगी। इन ब्यौरों को मरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-1 की सारणी 6ख का उपयोग किया जा सकेगा।
4ङ.	समझे गए निर्यात की प्रकृति की पूर्तियों का समग्र मूल्य, जिस पर कर संदत्त किया गया है, की यहाँ घोषणा की जाएगी। इन ब्यौरों को मरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-1 की सारणी 6ग का उपयोग किया जा सकेगा।
4च.	असमायोजित अग्रिमों के ब्यौरे अर्थात् अग्रिम प्राप्त किया गया है और कर संदत्त किया गया है किन्तु चालू वर्ष में बीजक जारी नहीं किया गया है, की यहाँ घोषणा की जाएगी। इन ब्यौरों को मरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-1 की सारणी 11क का उपयोग किया जा सकेगा।

4छ.	सभी आवक प्रदायों का समग्र मूल्य (जिसके अंतर्गत अग्रिम और शुद्ध प्रत्यय और नामे नोट भी हैं) जिन पर कर का प्राप्तिकर्ता द्वारा (अर्थात् वार्षिक विवरणी फाइल करने वाले व्यक्ति द्वारा) रिर्वस प्रभार आधार पर संदाय किया जाना है। इसके अंतर्गत रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों, अरजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों से प्राप्त पूर्तियां हैं, जिन पर अनुलोम प्रभार आधार पर कर उदग्रहित किया गया है। इसके अंतर्गत सभी सेवाओं के आयात का समग्र मूल्य भी सम्मिलित होगा। इन व्यौरों को भरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-3ख की सारणी 3.1(घ) का उपयोग किया जा सकेगा।
4झ.	एक कारबार से दूसरे कारबार को किए गए प्रदायों के संबंध में जारी शाख पत्रों (4ख), निर्यात (4ग), विशेष आर्थिक जोनों को की गई प्रदायों (4घ) का समग्र मूल्य और समझे गए निर्यात (4ङ) की यहां घोषणा की जाएगी। इन व्यौरों को भरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-1 की सारणी 9ख का उपयोग किया जा सकेगा।
4ञ.	एक कारबार से दूसरे कारबार को किए गए पूर्तियों के संबंध में जारी नामे नोट (4ख), निर्यात (4ग), विशेष आर्थिक जोन को की गई पूर्तियों (4घ) का समग्र मूल्य और समझे गए निर्यात (4ङ) की यहां घोषणा की जाएगी। इन व्यौरों को भरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-1 की सारणी 9ख का उपयोग किया जा सकेगा।
4ट और 4ठ.	एक कारबार से दूसरे कारबार को किए गए पूर्तियों (4ख), निर्यात (4ग), विशेष आर्थिक जोनों को की गई प्रदाय (4घ) में किए गए संशोधनों के व्यौरे और समझा गया निर्यात (4ङ), जमा पत्र (4झ), नामे नोट (4ञ). तथा प्रतिदाय वाउचरों की यहां घोषणा की जाएगी। इन व्यौरों को भरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-1 की सारणी 9क और सारणी 9ग का उपयोग किया जा सकेगा।
5क.	निर्यात का समग्र मूल्य (विशेष आर्थिक जोन को की गई प्रदायों के सिवाय) जिस पर कर संदत्त नहीं किया गया है, की यहां घोषणा की जाएगी। इन व्यौरों को भरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-1 की सारणी 6क का उपयोग किया जा सकेगा।
5ख.	विशेष आर्थिक जोन को की गई पूर्तियों का समग्र मूल्य, जिस पर कर संदत्त नहीं किया गया है, की यहां घोषणा की जाएगी। इन व्यौरों को भरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-1 की सारणी 6ख का उपयोग किया जा सकेगा।
5ग.	रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों को की गई पूर्तियों का समग्र मूल्य, जिस पर प्राप्तिकर्ता द्वारा अनुलोम प्रभार आधार पर कर संदेय है। नामे नोट और शाख पत्रों के व्यौरों की घोषणा पृथक् रूप से की जानी है। इन व्यौरों को भरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-1 की सारणी 4ख का उपयोग किया जा सकेगा।
5घ, 5ङ और 5च.	छूट प्रदान किए गए, शून्य दर तथा गैर जीएसटी पूर्तियों की यहां घोषणा की जाएगी। इन व्यौरों को भरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-1 की सारणी 8 का उपयोग किया जा सकेगा। "जिसे पूर्ति नहीं माना गया है" के मूल्य की भी घोषणा यहाँ की जाएगी।
5ज.	5क, 5ख, 5ग, 5घ, 5ङ और 5च में घोषित पूर्तियों के संबंध में जारी शाख पत्रों के समग्र मूल्य की यहां घोषणा की जाएगी। इन व्यौरों को भरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-1 की सारणी 9ख का उपयोग किया जा सकेगा।
5झ.	5क, 5ख, 5ग, 5घ, 5ङ और 5च में घोषित पूर्तियों के संबंध में जारी नामे नोट के समग्र मूल्य की यहां घोषणा की जाएगी। इन व्यौरों को भरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-1 की सारणी 9ख का उपयोग किया जा सकेगा।
5ञ और 5ट.	निर्यात (विशेष आर्थिक जोन को की गई पूर्तियों के सिवाय) में किए गए संशोधनों के व्यौरे और विशेष आर्थिक जोन को की गई प्रदाय यां, जिन पर कर संदत्त नहीं किया गया है, की यहां घोषणा की जाएगी। इन व्यौरों को भरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-1 की सारणी 9ग का उपयोग किया जा सकेगा।
5ठ.	कुल आवर्त, जिसके अंतर्गत सभी पूर्तियों (अतिरिक्त पूर्तियों और संशोधनों सहित) का योग सम्मिलित है, जिस पर कर संदेय है और कर संदेय नहीं है, की यहां घोषणा की जाएगी। इसके अंतर्गत अग्रिम की रकम भी सम्मिलित होगी, जिस पर कर संदत्त किया गया है, किंतु चालू वर्ष में बीजक जारी नहीं किए गए हैं। तथापि, इसमें आवक पूर्तियों का ऐसा समग्र मूल्य सम्मिलित नहीं होगा, जिस पर प्राप्तिकर्ता (अर्थात् वार्षिक विवरणी फाइल करने वाले व्यक्ति द्वारा) रिर्वस प्रभार आधार पर कर संदत्त किया गया है।

4. भाग III में लिए गए सभी इनपुट कर प्रत्यय और वित्त वर्ष में उलट दिए गए कर प्रत्यय के व्यौरे हैं, जिनके लिए वार्षिक विवरणी फाइल की जाती है। इस भाग को भरने के लिए अनुदेश नीचे दिए गए अनुसार है :

सारणी सं.	अनुदेश
6क.	करदाता के लिए प्ररूप जीएसटीआर-3ख की सारणी 4ख में लिए गए कर प्रत्यय को स्वतः यहाँ दिया जाएगा।

6ख.	सभी आवक पूर्तियों पर लिए गए इनपुट कर प्रत्यय का समग्र मूल्य, सिवाय उनके जिन पर कर अनुलोम प्रभार आधार पर संदेय है, किंतु इसके अंतर्गत विशेष आर्थिक जोन से प्राप्त सेवाओं की प्रदाय की यहां घोषणा की जाएगी। यह नोट किया जा सकता है कि लिए गए कुल इनपुट कर प्रत्यय को इनपुट, पूंजी माल और इनपुट सेवाओं पर इनपुट कर प्रत्यय के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। इन ब्यौरों को भरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-3ख की सारणी 4(क) (5) का उपयोग किया जा सकेगा। जिसमें ऐसी आईटीसी सम्मिलित नहीं होगी जिसका उपभोग, रिवर्स किया गया था और तत्पश्चात् आईटीसी लेजर में उसका पुनः दावा किया गया था। इसकी घोषणा नीचे 6(ज) में प्रथक रूप से की जानी चाहिए।
6ग.	अरजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों से प्राप्त सभी आवक पूर्तियों पर लिए गए इनपुट कर प्रत्यय का समग्र मूल्य, (सेवाओं के आयात से भिन्न), जिन पर कर अनुलोम प्रभार आधार पर संदेय है, की यहां घोषणा की जाएगी। यह नोट किया जा सकता है कि लिए गए कुल इनपुट कर प्रत्यय को इनपुट, पूंजी माल और इनपुट सेवाओं पर इनपुट कर प्रत्यय के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। इन ब्यौरों को भरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-3ख की सारणी 4(क) (3) का उपयोग किया जा सकेगा।
6घ.	रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों से प्राप्त सभी आवक पूर्तियों पर लिए गए इनपुट कर प्रत्यय का समग्र मूल्य, जिन पर कर अनुलोम प्रभार आधार पर संदेय है, की यहां घोषणा की जाएगी। यह नोट किया जा सकता है कि लिए गए कुल इनपुट कर प्रत्यय को इनपुट, पूंजी माल और इनपुट सेवाओं पर इनपुट कर प्रत्यय के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। इन ब्यौरों को भरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-3ख की सारणी 4(क) (3) का उपयोग किया जा सकेगा।
6ङ.	मालों के आयात पर लिए गए इनपुट कर प्रत्यय के ब्यौरे, जिसके अंतर्गत विशेष आर्थिक जोनों से प्राप्त मालों की प्रदाय भी है, की यहां घोषणा की जाएगी। यह नोट किया जा सकता है कि लिए गए कुल इनपुट कर प्रत्यय को इनपुट और पूंजी माल पर इनपुट कर प्रत्यय के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। इन ब्यौरों को भरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-3ख की सारणी 4(क) (1) का उपयोग किया जा सकेगा।
6च.	सेवाओं के आयात (विशेष आर्थिक जोनों से जावक प्रदायों को अपवर्जित करते हुए) पर लिए गए इनपुट कर प्रत्यय के ब्यौरों की यहां घोषणा की जाएगी। इन ब्यौरों को भरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-3ख की सारणी 4(क) (2) का उपयोग किया जा सकेगा।
6छ.	इनपुट सेवा वितरक से प्राप्त इनपुट कर प्रत्यय के समग्र मूल्य की यहां घोषणा की जाएगी। इन ब्यौरों को भरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-3ख की सारणी 4(क) (4) का उपयोग किया जा सकेगा।
6ज.	अधिनियम के उपबंधों के अधीन उपभोग किए गए, उलटे गए और पुनः दावा किए गए इनपुट कर प्रत्यय की समग्र मूल्य की यहां घोषणा की जाएगी।
6झ.	प्ररूप जीएसटीआर-3ख के माध्यम से लिए गए इनपुट कर प्रत्यय की कुल रकम और पंक्ति ख से ज में घोषित इनपुट कर प्रत्यय के बीच के अंतर की यहां घोषणा की जाएगी। आदर्श रूप में यह रकम शून्य होनी चाहिए।
6ट.	प्ररूप जीएसटी टीआरएन-1, जिसके अंतर्गत टीआरएन-1 (चाहे आरोही या अधोमुखी हो) का पुनरीक्षण है, को फाइल करने पर इलेक्ट्रॉनिक प्रत्यय बही में प्राप्त अंतरण प्रत्यय के ब्यौरों, यदि कोई हों, की यहां घोषणा की जाएगी।
6ठ.	प्ररूप जीएसटी टीआरएन-2 को फाइल करने के पश्चात् इलेक्ट्रॉनिक प्रत्यय बही में प्राप्त अंतरण प्रत्यय के ब्यौरों की यहां घोषणा की जाएगी।
6ड.	उपभोग किए गए ऐसे आईटीसी के ब्यौरे जो उपरोक्त 6ख से 6ठ के अधीन विनिर्दिष्ट किसी शीर्ष के अंतर्गत नहीं आते हैं, घोषित किए जाएंगे। वित्तीय वर्ष में प्ररूप आईटीसी-01 और प्ररूप-आईटीसी-02 के माध्यम उपभोग किए गए आईटीसी के ब्यौरे यहां घोषित किए जाएंगे।
7क, 7ख, 7ग, 7घ, 7ङ, 7च, 7छ और 7ज	उत्तराखण्ड माल और सेवा कर नियम, 2017 के नियम 37, नियम 39, नियम 42 और नियम 43 के अधीन अपेक्षित पात्र न होने या उलटने के कारण उलटे गए इनपुट कर प्रत्यय के ब्यौरों की यहां घोषणा की जाएगी। इस स्तंभ में उत्तराखण्ड माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 17(5) के अधीन उलटे गए किसी इनपुट कर प्रत्यय के ब्यौरे और प्ररूप जीएसटी टीआरएन-1 या प्ररूप जीएसटी टीआरएन-2 के अधीन दावा किए गए अंतरण प्रत्यय, जो पात्र नहीं है, जिसे पश्चात्तवर्ती रूप से उलट दिया गया है, के ब्यौरे भी अंतर्विष्ट होने चाहिए। इन ब्यौरों को भरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-3ख की सारणी 4(ख) का उपयोग किया जा सकेगा। प्ररूप आईटीसी-03 के माध्यम से उलटे गए किसी आईटीसी को 7ज में घोषित किया जाएगा।

8क.	वर्ष 2017-18 के दौरान और प्ररूप जीएसटीआर-2ख में दर्शाया गया आवक प्रदायों के लिए उपलब्ध प्राप्त कुल प्रत्यय (आयात और अनुलोम प्रभार के लिए दायी आवक प्रदायों से भिन्न, किंतु जिसके अंतर्गत विशेष आर्थिक जोन से प्राप्त सेवाएं हैं) को इस सारणी में स्वतः दर्शाया जाएगा। यह उन सभी इनपुट कर प्रत्ययों का समग्र होगा, जिनकी तत्स्थानी प्रदाय कारों द्वारा अपने प्ररूप जीएसटीआर-1 में घोषणा की गई है।
8ख.	सारणी 6ख में यथा घोषित इनपुट कर प्रत्यय को यहां स्वतः दिखाया जाएगा।
8ग.	सभी आवक प्रदायों पर लिए गए इनपुट कर प्रत्यय का समग्र मूल्य (सिवाय उन, जिन पर अनुलोम प्रभार आधार पर कर संदेय है, किंतु इसमें जुलाई, 2017 से मार्च, 2018 के दौरान विशेष आर्थिक जोनों से प्राप्त सेवाओं की पूर्ति) किंतु ऐसे प्रत्यय की, जिसका अप्रैल से सितंबर, 2018 के बीच उपभोग किया गया है, यहां घोषणा की जाएगी। इन व्यौरों को भरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-3ख की सारणी 4(क) (5) का उपयोग किया जा सकेगा।
8ड और 8च.	इनपुट कर प्रत्यय, जो प्ररूप जीएसटीआर-2क (केवल सारणी-3 और सारणी-5) में उपलब्ध था किंतु जिसको किसी प्ररूप जीएसटीआर-3ख विवरणी में नहीं लिया गया है, की यहां घोषणा की जाएगी। उस प्रत्यय को प्रत्यय के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा, जो उपलब्ध था किंतु जिसको नहीं लिया गया है या प्रत्यय को नहीं लिया गया क्योंकि वह पात्र नहीं था। दोनों पंक्तियों का कुल योग 8घ में के अंतर के बराबर होना चाहिए।
8छ.	वित्त वर्ष के दौरान आयात के समय संदत्त आईजीएसटी (जिसके अंतर्गत विशेष आर्थिक जाने से आयात हैं) के समग्र मूल्य की यहां घोषणा की जाएगी।
8ज.	सारणी 6ड में घोषित इनपुट कर प्रत्यय को यहां स्वतः दर्शित किया जाएगा।
8ट.	कुल इनपुट कर प्रत्यय, जो चालू वित्त वर्ष के लिए व्यपगत हो जाएगा, की इस पंक्ति में संगणना की जाएगी।

5. भाग IV वित्त वर्ष के दौरान संदत्त वास्तविक कर है। प्ररूप जीएसटीआर-3ख की सारणी 6.1 के अधीन कर के संदाय का इन व्यौरों को भरने के लिए उपयोग किया जा सकेगा।

6. भाग V में पूर्व वित्तीय वर्ष के संव्यवहार की विशिष्टियां अंतर्विष्ट हैं किन्तु जिनकी घोषणा चालू वित्तीय वर्ष के अप्रैल से सितंबर की विवरणी में या पूर्व वित्तीय वर्ष की वार्षिक विवरणी फाइल करने की तारीख को (उदाहरण के लिए वित्तीय 2017-2018 के लिए वार्षिक विवरणी में वित्तीय वर्ष 2017-2018 के लिए अप्रैल से सितंबर 2018 में घोषित संव्यवहारों की घोषणा की जाएगी), इनमें से जो भी पूर्वतर हो, घोषित किया गया है। भाग 5 को भरने के लिए अनुदेश नीचे दिए अनुसार हैं:

सारणी सं.	अनुदेश
10 और 11.	पूर्व वित्त वर्ष की विवरणियों में पहले ही घोषित किसी आप्रदाय में वर्धन या संशोधन के व्यौर किंतु ऐसे संशोधनों को चालू वित्तीय वर्ष के अप्रैल से सितंबर के प्ररूप जीएसटीआर-1 की सारणी 9क, सारणी 9ख और सारणी 9ग में या पूर्व वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक विवरणी फाइल करने की तारीख को, इनमें से जो भी पूर्वतर हों, में घोषित किया गया था, यहां घोषित किए जाएंगे।
12.	इनपुट कर प्रत्यय के उलटने का समग्र मूल्य, जिसको पूर्व वित्त वर्ष के दौरान लिया गया था, किंतु जिसको चालू वित्तीय वर्ष के अप्रैल से सितंबर मास के लिए फाइल विवरणी में उलट दिया गया था या पूर्व वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक विवरणी पारित करने की तारीख, इनमें से जो भी पूर्वतर हो, को यहां घोषित किया जाएगा। इन व्यौरों को भरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-3ख की सारणी 4(ख) का उपयोग किया जा सकेगा।
13	पूर्व वित्तीय वर्ष में प्राप्त माल या सेवाओं के आईटीसी के व्यौर, किंतु उसका उपभोग आईटीसी चालू वित्तीय वर्ष के अप्रैल से सितंबर मास के लिए या पूर्व वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक विवरणी फाइल करने की तारीख तक, इनमें से जो भी पूर्वतर हो, फाइल की गई विवरणियों में किया गया था, यहां घोषित किए जाएंगे, प्ररूप जीएसटीआर-3ख की सारणी 4(क) का इन व्यौरों को फाइल किए जाने हेतु उपयोग किया जा सकेगा।

7. भाग VI में अन्य सूचना के व्यौर हैं। भाग 6 को भरने के लिए अनुदेश नीचे दिए अनुसार हैं :

सारणी सं.	अनुदेश
15क, 15ख, 15ग और 15घ	दावा किए गए, स्वीकृत, अस्वीकृत और प्रसंस्करण के लिए लंबित प्रतिदाय के समग्र मूल्य की यहां घोषणा की जाएगी। दावा किया गया प्रतिदाय वित्तीय वर्ष में फाइल किए गए सभी प्रतिदाय दावों का समग्र मूल्य होगा और इसके अंतर्गत वह प्रतिदाय हैं, जिन्हें स्वीकार किया

	गया है, अस्वीकार किया गया है या जो प्रसंस्करण के लिए लंबित हैं। स्वीकृत प्रतिदाय से सभी प्रतिदाय स्वीकृति आदेशों का समग्र मूल्य अभिप्रेत है। लंबित प्रतिदाय सभी प्रतिदाय आवेदनों, जिनके लिए अभिस्वीकृति प्राप्त की गई है, की समग्र रकम होगी और इसके अंतर्गत प्राप्त अनंतिम प्रतिदाय नहीं है। इसके अंतर्गत गैर-जीएसटी प्रतिदाय दावों के ब्यौरे नहीं है।
15ड., 15च और 15छ	ऐसे करों की मांगों के कुल मूल्य, जिसके लिए मांगों की पुष्टि करने वाला आदेश न्यायनिर्णयन प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया है, यहां घोषित किया जाएगा। पुष्ट की गई मांग के कुल मूल्य पर संदत्त करों का समग्र मूल्य की, जो ऊपर 15ड. में घोषित किया गया है की घोषणा की जाएगी। उपरोक्त 15ड. में लंबित वसूली की मांगों का कुल मूल्य यहां घोषित किया जाएगा।
16क	संरचना करदाताओं से प्राप्त पूर्तियों का कुल मूल्य यहां घोषित किया जाएगा। प्ररूप जीएसटीआर-3ख की सारणी 5 का उपयोग इन ब्यौरों को भरने के लिए किया जा सकेगा।
16ख	उत्तराखण्ड माल और सेवाकर अधिनियम, 2017 की धार 143 की उपधारा (3) और उपधारा (4) के निबंधनानुसार मालिक से फुटकर कामगारों तक सभी समझे गए प्रदायों का कुल मूल्य यहां घोषित किया जाएगा।
16ग	ऐसे मालों के लिए, जिन्हें अनुमोदन आधार पर भेजा गया था किन्तु ऐसे प्रदाय के एक सौ अस्सी दिन के भीतर प्रधान प्रदायकर्ता को वापस नहीं लौटाया गया था, सभी समझे गए प्रदायों का कुल मूल्य यहां घोषित किया जाएगा।
17 और 18	विशिष्ट एचएसएन के प्रति किए गए और प्राप्त किए गए पूर्तियों का सार केवल इस सारणी में रिपोर्ट किया जाए। यह उन करदाताओं के लिए वैकल्पिक होगा, जिनका वार्षिक आवर्त 1.50 करोड़ रुपए तक है। यह ऐसे करदाताओं के लिए दो अंकों वाले स्तर पर एचएसएन कोड को रिपोर्ट करना अनिवार्य होगा जिनका पूर्ववर्ती वर्ष में वार्षिक आवर्त 1.50 करोड़ रुपए है किन्तु 5.00 करोड़ रुपए तक है और चार अंकों वाले स्तर पर उन करदाताओं के लिए, जिनका वार्षिक आवर्त 5.00 करोड़ रुपए से अधिक है। माल के प्रदाय के लिए यूक्यूसी ब्यौरे ही प्रस्तुत किए जाएं। मात्रा विवरणियों के कुल योग के रूप में रिपोर्ट की जानी है। सारणी-17 में के ब्यौरों को भरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-1 की सारणी 12 का उपयोग किया जा सकेगा।
19	विलंब फीस संदेय होगी, यदि वास्तविक विवरणी देय तारीख के पश्चात् फाइल की जाती है।

उपाबंध-ख

प्रशमन करदाताओं के लिए वार्षिक विवरणी

प्ररूप जीएसटीआर-9क (नियम 80 देखिए) वार्षिक विवरण (प्रशमन करदाता के लिए)		
भाग. I	आधारिक ब्यौरे	
1.	वित्तीय वर्ष	
2.	जीएसटीआईएन	
3क.	विधिक नाम	<स्व>
3ख.	व्यवसाय नाम (यदि कोई हो)	<स्व>
4.	वर्ष (..... से तक) के दौरान प्रशमन स्कीम की अवधि	
5.	पूर्व वित्तीय वर्ष का कुल आवर्त	

(सभी सारणियों में र में रकम)

भाग. II	वित्तीय वर्ष के दौरान फाइल की गई विवरणियों में घोषित जावक और आवर्त पूर्तियों के ब्यौरे	वर्णन	आवर्त	कर की दर	केंद्रीय कर	राज्य कर	एकीकृत कर	उपकर
		1	2	3	4	5	6	7
6.	ऐसे जावक पूर्तियों के ब्यौरे, जिस पर, वित्तीय वर्ष के दौरान फाइल की गई विवरणियों में प्रशमन कर संदेय है							
क	कराधेय							
ख	छूट प्राप्त, शून्य दर							
ग	कुल							

7.	ऐसे आवक पूर्तियों के ब्यौरे, जिन पर कर वित्तीय वर्ष के दौरान फाइल की गई विवरणियों में घोषित प्रतिलोम प्रभार आधार (नामे नोट/जमा पत्रों का योग) पर संदेय हैं
----	--

	विवरण	कराधेय मूल्य	केंद्रीय कर	राज्य कर	एकीकृत कर	उपकर
	1	2	3	4	5	6
क	रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों से प्राप्त प्रतिलोम प्रभार के लिए दायी आवक पूर्ति					
ख	अरजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों से प्राप्त प्रतिलोम प्रभार के लिए दायी आवक पूर्ति					
ग	सेवाओं का आयात					
घ	उपरोक्त (क), (ख) और (ग) पर संदेय शुद्ध कर					
8.	वित्तीय वर्ष के दौरान फाइल की गई विवरणियों में यथाघोषित अन्य आवक पूर्तियों के ब्यौरे					
क	रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों से प्राप्त आवक पूर्ति (उपरोक्त 7क से भिन्न)					
ख	माल का आयात					

भाग III	वित्तीय वर्ष के दौरान फाइल की गई विवरणियों में यथाघोषित संदत्त कर के ब्यौरे			
9.	वर्णन	कुल संदेय कर	संदत्त	
	1	2	3	
	एकीकृत कर			
	केंद्रीय कर			
	राज्य कर			
	उपकर			
	ब्याज			
	विलम्ब फीस			
	शास्ति			

भाग IV	चालू वित्तीय वर्ष के अप्रैल से सितम्बर की या पूर्व वित्तीय वर्ष की वार्षिक विवरणी के फाइल किए जाने की तारीख तक इनमें से जो भी पूर्वतर हो, विवरणियों में घोषित पूर्व वित्तीय वर्ष के लिए संव्यवहारों की विशिष्टियाँ
--------	--

	वर्णन	आवर्त	केंद्रीय कर	राज्य कर	एकीकृत कर	उपकर
	1	2	3	4	5	6
10.	संशोधनों के माध्यम से घोषित पूर्तियों/कर (जावक) (+) (नामे नोटों का योग)					
11.	संशोधनों के माध्यम से घोषित प्रतिलोम प्रभार के लिए दायी आवक पूर्ति (+) (नामे नोटों का योग)					
12.	संशोधनों के माध्यम से कटौती किए गए पूर्ति/कर (जावक) (-) (जमा पत्रों का योग)					
13.	संशोधनों के माध्यम से कटौती किए गए प्रतिलोम प्रभार के लिए दायी आवक पूर्ति (-) (जमा पत्रों का योग)					

14.	उपरोक्त 10, 11, 12 और 13 में की गई घोषणा के मद्दे संदत्त अंतरीय कर
-----	--

वर्णन	संदेय	संदत्त
1	2	3
एकीकृत कर		
केंद्रीय कर		
राज्य कर		
उपकर		
ब्याज		

भाग V	अन्य जानकारी
-------	--------------

15.	माँग और प्रतिदायों की विशिष्टियाँ							
	वर्णन	केंद्रीय कर	राज्य कर	एकीकृत कर	उपकर	ब्याज	शास्ति	विलम्ब फीस/अन्य
	1	2	3	4	5	6	7	8
क	दावा किया गया कुल प्रतिदाय							
ख	स्वीकृत कुल प्रतिदाय							
ग	अस्वीकृत कुल प्रतिदाय							
घ	लम्बित कुल प्रतिदाय							
ङ	करों की कुल माँग							
च	उपरोक्त ङ के संबंध में संदत्त कुल कर							
छ	उपरोक्त ङ के कारण लम्बित कुल माँग							

16	उलटा गया या उपभुक्त प्रत्यय के ब्यौरे				
	वर्णन	केंद्रीय कर	राज्य कर	एकीकृत	उपकर
	1	2	3	4	5
क	प्रशमन स्कीम में विकल्प लेने पर उलटा गया प्रत्यय (-)				
ख	प्रशमन स्कीम के कारण विकल्प लेने पर उपभुक्त प्रत्यय (।)				

17.	संदेय और संदत्त विलम्ब फीस		
	वर्णन	संदेय	संदत्त
	1	2	3
क	केंद्रीय कर		
ख	राज्य कर		

सत्यापन :

में सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूँ और यह घोषणा करता हूँ कि इसमें ऊपर दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है तथा इसमें से कोई बात छिपाई नहीं गई है और आउटपुट कर दायित्व में किसी कटौती की दशा में, उसका फायदा प्रदाय के प्राप्तिकर्ता को संक्रान्त कर दिया गया है/कर दिया जाएगा।

स्थान :

का नाम तारीख :

हस्ताक्षर
प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता
पदनाम/प्रास्थिति

अनुदेश :--

1. जुलाई, 2017 से मार्च, 2018 के बीच की समयावधि के ब्यौरे इस विवरणी में उपलब्ध करवाए जाएंगे।
2. भाग I में करदाता के आधारिक ब्यौरे अंतर्विष्ट हैं। भाग I को भरने के लिए अनुदेश निम्नानुसार हैं :

सारणी सं०	अनुदेश
5	पूर्व वित्तीय वर्ष के लिए कुल आवर्त उस वर्ष के, जिसके लिए विवरणी फाइल की जा रही है, पूर्व वित्तीय वर्ष का आवर्त है। उदाहरण के लिए वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए वार्षिक विवरणी हेतु वित्तीय वर्ष 2016-17 के कुल आवर्त को इस सारणी में प्रविष्ट किया जाएगा। यह उसी स्थायी लेखा संख्यांक पर रजिस्ट्रीकृत सभी करदाताओं का आवर्त है।

3. भाग II में उस वित्तीय वर्ष, जिसके लिए वार्षिक विवरणी फाइल की गई है, में सभी जावक और आवक पूर्तियों के ब्यौरे हैं। भाग II को भरने के लिए अनुदेश निम्नानुसार हैं :

सारणी सं०	अनुदेश
6क	सभी जावक पूर्तियों का कुल मूल्य, कुल नामे नोटों/जमा पत्रों का योग, संपूर्ण वित्तीय वर्ष के लिए अग्रिमों का योग और वापस किए गए माल का योग यहां घोषित किया जाएगा। इन ब्यौरों को भरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-4 की सारणी 6 और सारणी 7 का उपयोग किया जा सकेगा।
6ख	छूट प्राप्त, शून्य दर और गैर-माल और सेवाकर पूर्तियों का कुल मूल्य यहां घोषित किया जाएगा।
7क	रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों से प्राप्त सभी आवक पूर्तियों का कुल मूल्य, जिस पर कर प्रतिलोम प्रसार आधार पर संदेय है, यहां घोषित किया जाएगा। इन ब्यौरों को भरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-4 की सारणी 4ख, सारणी 5 और सारणी 8क का उपयोग किया जा सकेगा।
7ख	अरजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों से प्राप्त सभी आवक पूर्तियों (सेवाओं के आयात से भिन्न) का कुल मूल्य, उलटे गए प्रसार के आधार पर संदेय है, यहां घोषित किया जाएगा। इन ब्यौरों को भरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-4 की सारणी 4ग, सारणी 5 और सारणी 8क का उपयोग किया जा सकेगा।
7ग	वित्तीय वर्ष के दौरान आयात की गई सभी सेवाओं का कुल मूल्य यहां घोषित किया जाएगा। इन ब्यौरों को भरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-4 की सारणी 4घ और सारणी 5 का उपयोग किया जा सकेगा।
8क	ऐसे रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों से प्राप्त सभी आवक पूर्तियों का कुल मूल्य, जिस पर कर प्रदायकर्ता द्वारा संदेय है, यहां घोषित किया जाएगा। इन ब्यौरों को भरने के लिए प्ररूप जीएसटीआर-4 की सारणी 4क और सारणी 5 का उपयोग किया जा सकेगा।
8ख	वित्तीय वर्ष के दौरान आयात किए गए सभी माल का कुल मूल्य यहां घोषित किया जाएगा।

4. भाग IV में चालू वित्तीय वर्ष के अप्रैल से सितंबर में या पूर्व वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक विवरणी फाइल करने की तारीख (उदाहरण के लिए वित्तीय वर्ष 2017-2018 के वार्षिक विवरणी में वित्तीय वर्ष 2017-2018 के लिए अप्रैल से सितंबर में घोषित संव्यवहारों को घोषित किया जाएगा)। इनमें से जो भी पूर्वतर हो, कि विवरणी में पूर्व वित्तीय वर्ष के पूर्तियों के लिए किए गए संशोधनों के ब्यौरे अंतर्विष्ट हैं। भाग V को भरने के लिए अनुदेश निम्नानुसार हैं :

सारणी सं०	अनुदेश
10, 11, 12, 13 और 14	ऐसे किसी पूर्तियों के परिवर्धनों या संशोधनों के ब्यौरे, जिन्हें पूर्व वित्तीय वर्ष की विवरणियों में पहले घोषित किया गया था किन्तु ऐसे संशोधनों, चालू वित्तीय वर्ष के अप्रैल से सितंबर या पूर्व वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक विवरणी फाइल करने की तारीख तक इनमें से जो भी पूर्वतर हो, के प्ररूप जीएसटीआर-4 की सारणी 5 (आवक पूर्तियों से संबंधित) या सारणी-7 (जावक पूर्तियों से संबंधित) में दिए गए थे, यहां प्रस्तुत किए जाएंगे।

5. भाग V में अन्य जानकारी के ब्यौरे हैं। भाग 5 को भरने के लिए अनुदेश निम्नानुसार हैं:-

सारणी सं0	अनुदेश
15क, 15ख, 15ग और 15घ	प्रसंस्करण के लिए दावाकृत, स्वीकृत, अस्वीकृत और लम्बित प्रतिदायों का कुल मूल्य यहाँ घोषित किया जाएगा। दावाकृत प्रदाय वित्तीय वर्ष में फाइल किए गए सभी प्रतिदाय दावों का कुल मूल्य होगा और इसमें ऐसे प्रतिदाय भी सम्मिलित होंगे, जिन्हें प्रसंस्करण के लिए स्वीकृत, अस्वीकृत किया गया है या लम्बित हैं। स्वीकृत प्रतिदाय से सभी प्रतिदाय स्वीकृति आदेशों का कुल मूल्य अभिप्रेत है। लम्बित प्रतिदाय, ऐसे सभी प्रतिदाय आवेदनों में कुल रकम होगी, जिनके लिए अभिस्वीकृति प्राप्त कर ली गई है और इसमें प्राप्त किया गया अनन्तिम प्रतिदाय नहीं होगा। इनमें गैर-माल और सेवाकर प्रतिदाय दावों के ब्यौरे सम्मिलित नहीं होंगे।
15ड, 15च और 15 छ	ऐसे करों की माँगों के कुल मूल्य, जिसके लिए न्यायनिर्णयन प्राधिकारी द्वारा माँगों की पुष्टि करने वाला आदेश जारी किया गया है, यहाँ घोषित किया जाएगा। उपरोक्त 15ड में पुष्ट की गई माँगों के कुल मूल्य में से संदत्त करों का संकलित मूल्य यहाँ घोषित किया जाएगा।
16क	यदि कोई व्यक्ति प्रशमन स्कीम के अधीन कर देने का चयन करता है तो उलटे गए सभी प्रत्ययों का संकलित मूल्य यहाँ घोषित किया जाएगा। प्ररूप आईटीसी-03 में दिए गए ब्यौरों का उपयोग इन ब्यौरों को भरने के लिए किया जा सकेगा।
16ख	यदि कोई व्यक्ति संरचना स्कीम के बाह्य कर देने का चयन करता है तो उपभोग किए सभी प्रत्ययों का संकलित मूल्य यहाँ घोषित किया जाएगा। प्ररूप आईटीसी-01 में दिए गए ब्यौरों का उपयोग इन ब्यौरों को भरने के लिए किया जा सकेगा।
17.	विलम्ब शुल्क देय होगा, यदि वास्तविक विवरण देय तारीख के पश्चात् फाइल की जाती है।

प्रारूपों जीएसटी के 11. मूल नियम के प्ररूप जीएसटी के इडब्लूबी-01 के टिप्पण में क्रम संख्या 7 के नीचे इडब्लूबी-01 का सारणी के पहले स्तम्भ में कोड-4 के सामने दूसरे स्तम्भ में "एस0के0डी0" या "सी0के0डी0" अक्षरों और शब्दों के स्थान पर "एस0के0डी0 या सी0के0डी0 या बैचों या लॉटों में आप्रदाय" अक्षर और शब्द रखे जाएंगे।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Notification No. 852/2018/10(120)/XXVII(8)/2018/CT-39, dated September 27, 2018 for general information.

NOTIFICATION

September 27, 2018

No. 852/2018/10(120)/XXVII(8)/2018/CT-39--In exercise of the powers conferred by section 164 of the Uttarakhand Goods and Services Tax Act, 2017 (06 of 2017) read with section 21 of Uttar Pradesh General Clause Act, 1904 (Act No. 1 of 1904) (as applicable in the State of Uttarakhand), the Governor is pleased to make the following rules to further amend the Uttarakhand Goods and Services Tax Rules, 2017, namely :--

The Uttarakhand Goods and Services Tax (Eighth Amendment) Rules, 2018

Short title and Commencement	1. (1) These rules may be called the Uttarakhand Goods and Services Tax (Eighth Amendment) Rules, 2018. (2) Save as otherwise provided in these rules, they shall come into force from the 4 th day of September, 2018.
Amendment in Rule 22	2. In rule 22 of the Uttarakhand Goods and Services Tax Rules, 2017 (hereinafter referred to as the principal rules), in sub-rule (4), the following proviso shall be inserted, namely :--

Provided that where the person instead of replying to the notice served under sub-rule (1) for contravention of the provisions contained in clause (i) or clause (c) of sub-section (2) of section 20, furnishes all the pending returns and makes full payment of the tax dues along with applicable interest and late fee, the proper officer shall drop the proceedings and pass an order in FORM GST-REG-20.

Amendment in Rule 36

3. In rule 36 of the Principal Rule, in sub-rule (2), the following proviso shall be inserted, namely :—

Provided that if the said document does not contain all the specified particulars but contains the details of the amount of tax charged, description of goods or services, total value of supply of goods or services or both, GSTIN of the supplier and recipient and place of supply in case of inter-State supply, input tax credit may be availed by such registered person.

Amendment in Rule 55

4. In rule 55 of the Principal Rule, in sub-rule (5), after the words "completely knocked down condition", the words "or in batches or lots" shall be inserted.

Amendment in Rule 89

5. In rule 89 of the Principal Rule, in sub-rule (4), for clause (E), set out in Column-1, the following clause set out in Column-2, shall be substituted, namely :—

Column-1	Column-2
<i>Existing clause</i>	<i>Hereby substitute clause</i>
(E) "Adjusted Total turnover" means the turnover in the State as defined under clause (112) of section 2, excluding the value of exempt supplies other than zero-rated supplies, during the relevant period;	(E) Adjusted Total Turnover" means the sum total of the value of— (a) the turnover in a State or a Union territory, as defined under clause (112) of section 2, excluding the turnover of services; and (b) the turnover of zero-rated supply of services determined in terms of clause (D) above and non-zero-rated supply of services, excluding— (i) the value of exempt supplies other than zero-rated supplies; and (ii) the turnover of supplies in respect of which refund is claimed under sub-rule (4A) or sub-rule (4B) or both, if any, during the relevant period.

Amendment in Rule 96

6. With effect from the 23rd October, 2017, in rule 96 of the Principal Rule, for sub-rule (10) set out in Column-1, the following sub-rule set out in Column-2, shall be substituted, namely:—

Column-1	Column-2
<i>Existing Sub-rule</i>	<i>Hereby substitute Sub-rule</i>
(10) The persons claiming refund of integrated tax paid on exports of goods or services should not have received supplies on which the supplier has availed the benefit of the Government of Uttarakhand Finance section-8, notification No. 914/2017/9(120)/XXVII(8)/2017, dated 10 th November, 2017 or notification No. 916/2017/9(120)/XXVII(8)/2017, dated 10 th November, 2017 or notification No. 41/2017-Integrated Tax (Rate) dated 23 rd October, 2017 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section-3, Sub-section (i), vide number G.S.R. 1321(E), dated the 23 rd October, 2017 or notification No. 78/2017-Customs, dated 13 th October, 2017 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), vide number G.S.R. 1272(E), dated the 13 th October, 2017 or notification No. 79/2017-Customs, dated 13 th October, 2017 published in the Gazette of India, Extraordinary,	(10) The persons claiming refund of integrated tax paid on exports of goods or services should not have— (a) received supplies on which the benefit of the notification of the Government of Uttarakhand, Finance Section-8 No. 914/2017/9(120)/XXVII(8)/2017, dated 10 th November, 2017 or notification No. 916/2017/9(120)/XXVII(8)/2017, dated the 10 th November, 2017 or notification No. 41/2017-Integrated Tax (Rate), dated the 23 rd October, 2017 has been availed; or (b) availed the benefit under notification No. 78/2017-Customs, dated the 13 th October, 2017 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, sub-section (i), vide number G.S.R. 1272(E), dated the 13 th October, 2017 or notification No. 79/2017-Customs, dated the 13 th October, 2017 published in the

Column-1	Column-2
Existing Sub-rule	Hereby substitute Sub-rule
Part II, Section 3, Sub-section (i), vide Number G.S.R. 1299(E), dated the 13 th October, 2017.	Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), vide number G.S.R. 1299(E), dated the 13 th October, 2017.

Amendment in rule 138A

7. In rule 138A of the Principal Rule, in sub-rule (1), after the proviso the following proviso shall be inserted, namely:-

Provided further that in case of imported goods, the person in charge of a conveyance shall also carry a copy of the bill of entry filed by the importer of such goods and shall indicate the number and date of the bill of entry in **Part A of FORM GST EWB-01**.

Amendment in FORM GST REG-20

8. For **FORM GST REG-20** of the Principal Rule, the following **FORM** shall be substituted, namely:-

"FORM GST REG-20

[See rule 22(4)]

Reference No. -

Date -

To

Name

Address

GSTIN/UID

Show Cause Notice No.

Order for dropping the proceedings for cancellation of registration

This has reference to your reply filed vide ARN ----- dated ----- in response to the show cause notice referred to above. Upon consideration of your reply and/or submissions made during hearing, the proceedings initiated for cancellation of registration stands

<<text>>

The above referred show-cause notice was issued for contravention of the provisions of clause (b) or clause (c) of sub-section (2) of section 29 of the uttarakhand Goods Services Tax Act, 2017. As you have filed all the pending returns which were due on the date of issue of the aforesaid notice, and have made full payment of tax along with applicable interest and late fee, the proceedings initiated for cancellation of registration are hereby dropped.

Designation
Jurisdiction

Date:

9. For FORM GST ITC-04 of the Principal Rule, the following FORM shall be substituted, namely:-

~~[See rule 45(3)]~~

Details of goods/capital goods sent to job worker and received back

1. GSTIN -
2. (a) Legal name -
(b) Trade name, if any -
3. Period: Quarter - Year -

4. Details of inputs/capital goods sent for jobwork (includes inputs/capital goods directly sent to

ALL INFORMATION CONTAINED HEREIN IS UNCLASSIFIED

[illegible]

(A) Details of inputs/capital goods received back from job worker to whom such goods were sent for job work; and losses and wastes:

[illegible][illegible][illegible]

Instructions :

1. Multiple entry of items for single challan may be filled.
2. Columns (2) & (3) in Table (A) and Table (B) are mandatory in cases where fresh challan are required to be issued by the job worker. Otherwise, columns (2) & (3) in Table (A) and Table (B) are optional.
3. Columns (7) & (8) in Table (A), Table (B) and Table (C) may not be filled where one-to-one correspondence between goods sent for job work and goods received back after job work is not possible.

6. Verification :

I hereby solemnly affirm and declare that the information given hereinabove is true and correct to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed therefrom.

Signature

Place :

Name of Authorised Signatory

Date

Designation/Status

**Amendment in
FORM GSTR-8**

10. After **FORM GSTR-8** of the Principal Rule, the following **FORMS** shall be substituted, namely :--

"FORM GSTR-9"		
<i>(See rule 80)</i>		
Annual Return		
Pt. I	Basic Details	
1.	Financial Year	
2.	GSTIN	
3A.	Legal Name	
3B.	Trade Name (if any)	

Pt. II	Details of Outward and inward supplies declared during the financial year					
	(Amount in ₹ in all tables)					
	Nature of Supplies	Taxable Value	Central Tax	State Tax	Integrated Tax	Cess
	1	2	3	4	5	6
4.	Details of advances, inward and outward supplies on which tax is payable as declared in returns filed during the financial year					
A	Supplies made to un-registered persons (B2C)					
B	Supplies made to registered persons (B2B)					
C	Zero rated supply (Export) on payment of tax (except supplies to SEZs)					
D	Supply to SEZs on payment of tax					
E	Deemed exports					
F	Advances on which tax has been paid but invoice has not been issued [not covered under (A) to (E) above]					
G	Inward supplies on which tax is to be paid on reverse charge basis					
H	Sub-total (A to G above)					
I	Credit Notes issued in respect of transactions specified in (B) to (E) above (-)					
J	Debit Notes issued in respect of transactions specified in (B) to (E) above (+)					
K	Supplies/tax declared through Amendments (+)					
L	Supplies/tax reduced through Amendments (-)					
M	Sub-total (I to L above)					
N	Supplies and advances on which tax is to be paid (H+M) above					
5.	Details of Outward supplies on which tax is not payable as declared in returns filed during the financial year.					
A	Zero rated supply (Export) without payment of tax					
B	Supply to SEZs without payment of tax					
C	Supplies on which tax is to be paid by the recipient on reverse charge basis					
D	exempted					
E	Nil Rated					
F	Non-GST supply					
G	Sub-total (A to F above)					
H	Credit Notes issued in respect of transactions specified in A to F above (-)					
I	Debit Notes issued in respect of transactions specified in A to F above (+)					

	1	2	3	4	5	6
J	Supplies declared through Amendments (+)					
K	Supplies reduced through Amendments (-)					
L	Sub-Total (H to K above)					
M	Turnover on which tax is not to be paid (G+L above)					
N	Total Turnover (including advances) (4N+5M-4G above)					
P. III	Details of ITC as declared in returns filed during the financial year					
	Description	Type	Central Tax	State Tax	Integrated Tax	Cess
	1	2	3	4	5	6
6.	Details of ITC availed as declared in returns filed during the financial year					
A	Total amount of input tax credit availed through FORM GSTR-3B (Sum total of Table 4A of FORM GSTR-3B)		<Auto>	<Auto>	<Auto>	<Auto>
B	Inward supplies (other than imports and inward supplies liable to reverse charge but includes services received from SEZs)	Inputs				
		Capital Goods				
		Input Services				
C	Inward supplies received from unregistered persons liable to reverse charge (other than B above) on which tax is paid & ITC availed	Inputs				
		Capital Goods				
		Input Services				
D	Inward supplies received from registered persons liable to reverse charge (other than B above) on which tax is paid and ITC availed	Inputs				
		Capital Goods				
		Input Services				
E	Import of goods (including supplies from SEZs)	Inputs				
		Capital Goods				
F	Import of services (excluding inward supplies from SEZs)					
G	Input Tax credit received from ISD					
H	Amount of ITC reclaimed (other than B above) under the provisions of the Act					
I	Sub-total (B to H above)					
J	Difference (I-A above)					
K	Transition Credit through TRAN-I (including revisions if any)					
L	Transition Credit through TRAN-II					
M	Any other ITC availed but not specified above					
N	Sub-total (K to M above)					
O	Total ITC availed (I+N above)					
7.	Details of ITC reversed and ineligible ITC as declared in returns filed during the financial year					
A	As per Rule 37					
B	As per Rule 39					
C	As per Rule 42					
D	As per Rule 43					
E	As per section 17(5)					
F	Reversal of TRAN-I credit					
G	Reversal of TRAN-II credit					

H	Other reversals (pl. specify)						
I	Total ITC Reversed (A to H above)						
J	Net ITC Available for Utilization (60-71)						
8.	Other ITC related information						
A	ITC as per GSTR-2A (Table 3 & 5 thereof)	<Auto>	<Auto>	<Auto>	<Auto>		
B	ITC as per sum total of 6(B) and 6(H) above	<Auto>					
C	ITC on inward supplies (other than imports and inward supplies liable to reverse charge but includes services received from SEZs) received during 2017-18 but availed during April to September, 2018						
D	Difference [A-(B+C)]						
E	ITC available but not availed (out of D)						
F	ITC available but ineligible (out of D)						
G	IGST paid on import of goods (including supplies from SEZ)						
H	IGST credit availed on import of goods [as per 6(E) above]	<Auto>					
I	Difference (G-H)						
J	ITC available but not availed on import of goods (Equal to I)						
K	Total ITC to be lapsed in current financial year (E+F+J)	<Auto>	<Auto>	<Auto>	<Auto>		
Pt. IV	Details of tax paid as declared in returns filed during the financial year						
9.	Description	Tax payable	Paid through cash	Paid through ITC			
				Central Tax	State Tax	Integrated Tax	Cess
	1	2	3	4	5	6	7
	Integrated Tax						
	Central Tax						
	State Tax						
	Cess						
	Interest						
	Late fee						
	penalty						
	Other						
Pt. V	Particulars of the transactions for the previous FY declared in returns of April to September of current FY or up to date of filing of annual return of previous FY whichever is earlier						
	Description	Previous FY	Central Tax	State Tax	Integrated Tax	Cess	
	1	2	3	4	5	6	
10.	Supplies/tax declared through Amendments (+) (net of debit notes)						
11.	Supplies/tax reduced through Amendments (-) (net of credit notes)						
12.	Reversal of ITC availed during previous financial year						
13.	ITC availed for the previous financial year						

18.	HSN wise Summary of Inward supplies							
HSN Code	UQC	Total Quantity	Taxable Value	Rate of Tax	Central Tax	State Tax	Integrated Tax	Cess
1	2	3	4	5	6	7	8	9
19.	Late fee payable and paid							
	Description				Payable		Paid	
	1				2		3	
A	Central Tax							
B	State Tax							

Verification:

I hereby solemnly affirm and declare that the information given herein above is true and correct to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed there from and in case of any reduction in output tax liability the benefit thereof has been/will be passed on to the recipient of supply.

Place
Date

Signature
Name of Authorised Signatory
Designation / Status

Instructions: -

1. Terms used:

- a. GSTIN: Goods and Services Tax Identification Number
b. UQC: Unit Quantity Code
c. HSN: Harmonized System of Nomenclature Code

2. The details for the period between July 2017 to March 2018 are to be provided in this return.

3. Part II consists of the details of all outward supplies & advances received during the financial year for which the annual return is filed. The details filled in Part II is a consolidation of all the supplies declared by the taxpayer in the returns filed during the financial year. The instructions to fill Part II are as follows:

Table No.	Instructions
4A	Aggregate value of supplies made to consumers and unregistered persons on which tax has been paid shall be declared here. These will include details of supplies made through E-Commerce operators and are to be declared as net of credit notes or debit notes issued in this regard. Table 3, Table 7 along with respective amendments in Table 9 and Table 10 of FORM GSTR-1 may be used for filling up these details.
4B	Aggregate value of supplies made to registered persons (including supplies made to UINs) on which tax has been paid shall be declared here. These will include supplies made through E-Commerce operators but shall not include supplies on which tax is to be paid by the recipient on reverse charge basis.

	Details of debit and credit notes are to be mentioned separately. Table 4A and Table 4C of FORM GSTR-1 may be used for filling up these details.
4C	Aggregate value of exports (except supplies to SEZs) on which tax has been paid shall be declared here. Table 6A of FORM GSTR-1 may be used for filling up these details.
4D	Aggregate value of supplies to SEZs on which tax has been paid shall be declared here. Table 6B of GSTR-1 may be used for filling up these details.
4E	Aggregate value of supplies in the nature of deemed exports on which tax has been paid shall be declared here. Table 6C of FORM GSTR-1 may be used for filling up these details.
4F	Details of all unadjusted advances i.e. advance has been received and tax has been paid but invoice has not been issued in the current year shall be declared here. Table 11A of FORM GSTR-1 may be used for filling up these details.
4G	Aggregate value of all inward supplies (including advances and net of credit and debit notes) on which tax is to be paid by the recipient (i.e. by the person filing the annual return) on reverse charge basis. This shall include supplies received from registered persons, unregistered persons on which tax is levied on reverse charge basis. This shall also include aggregate value of all import of services. Table 3.1(d) of FORM GSTR-3B may be used for filling up these details.
4I	Aggregate value of credit notes issued in respect of B to B supplies (4B), exports (4C), supplies to SEZs (4D) and deemed exports (4E) shall be declared here. Table 9B of FORM GSTR-1 may be used for filling up these details.
4J	Aggregate value of debit notes issued in respect of B to B supplies (4B), exports (4C), supplies to SEZs (4D) and deemed exports (4E) shall be declared here. Table 9B of FORM GSTR-1 may be used for filling up these details.
4K & 4L	Details of amendments made to B to B supplies (4B), exports (4C), supplies to SEZs (4D) and deemed exports (4E), credit notes (4I), debit notes (4J) and refund vouchers shall be declared here. Table 9A and Table 9C of FORM GSTR-1 may be used for filling up these details.
5A	Aggregate value of exports (except supplies to SEZs) on which tax has not been paid shall be declared here. Table 6A of FORM GSTR-1 may be used for filling up these details.
5B	Aggregate value of supplies to SEZs on which tax has not been paid shall be declared here. Table 6B of GSTR-1 may be used for filling up these details.
5C	Aggregate value of supplies made to registered persons on which tax is payable by the recipient on reverse charge basis. Details of debit and credit notes are to be mentioned separately. Table 4B of FORM GSTR-1 may be used for filling up these details.

5D, 5E and 5F	Aggregate value of exempted, Nil Rated and Non-GST supplies shall be declared here. Table 8 of FORM GSTR-1 may be used for filling up these details. The value of "no supply" shall also be declared here.
5H	Aggregate value of credit notes issued in respect of supplies declared in 5A, 5B, 5C, 5D, 5E and 5F shall be declared here. Table 9B of FORM GSTR-1 may be used for filling up these details.
5I	Aggregate value of debit notes issued in respect of supplies declared in 5A, 5B, 5C, 5D, 5E and 5F shall be declared here. Table 9B of FORM GSTR-1 may be used for filling up these details.
5J & 5K	Details of amendments made to exports (except supplies to SEZs) and supplies to SEZs on which tax has not been paid shall be declared here. Table 9A and Table 9C of FORM GSTR-1 may be used for filling up these details.
5N	Total turnover including the sum of all the supplies (with additional supplies and amendments) on which tax is payable and tax is not payable shall be declared here. This shall also include amount of advances on which tax is paid but invoices have not been issued in the current year. However, this shall not include the aggregate value of inward supplies on which tax is paid by the recipient (i.e. by the person filing the annual return) on reverse charge basis.

4. Part III consists of the details of all input tax credit availed and reversed in the financial year for which the annual return is filed. The instructions to fill Part III are as follows:

Table No.	Instructions
6A	Total input tax credit availed in Table 4A of FORM GSTR-3B for the taxpayer would be auto-populated here.
6B	Aggregate value of input tax credit availed on all inward supplies except those on which tax is payable on reverse charge basis but includes supply of services received from SEZs shall be declared here. It may be noted that the total ITC availed is to be classified as ITC on inputs, capital goods and input services. Table 4(A)(5) of FORM GSTR-3B may be used for filling up these details. This shall not include ITC which was availed, reversed and then reclaimed in the ITC ledger. This is to be declared separately under 6(H) below.
6C	Aggregate value of input tax credit availed on all inward supplies received from unregistered persons (other than import of services) on which tax is payable on reverse charge basis shall be declared here. It may be noted that the total ITC availed is to be classified as ITC on inputs, capital goods and input services. Table 4(A)(3) of FORM GSTR-3B may be used for filling up these details.
6D	Aggregate value of input tax credit availed on all inward supplies received from registered persons on which tax is payable on reverse charge basis shall be declared here. It may be noted that the total ITC availed is to be classified as

		ITC on inputs, capital goods and input services. Table 4(A)(3) of FORM GSTR-3B may be used for filling up these details.
6E		Details of input tax credit availed on import of goods including supply of goods received from SEZs shall be declared here. It may be noted that the total ITC availed is to be classified as ITC on inputs and capital goods. Table 4(A)(1) of FORM GSTR-3B may be used for filling up these details.
6F		Details of input tax credit availed on import of services (excluding inward supplies from SEZs) shall be declared here. Table 4(A)(2) of FORM GSTR-3B may be used for filling up these details.
6G		Aggregate value of input tax credit received from input service distributor shall be declared here. Table 4(A)(4) of FORM GSTR-3B may be used for filling up these details.
6H		Aggregate value of input tax credit availed, reversed and reclaimed under the provisions of the Act shall be declared here.
6J		The difference between the total amount of input tax credit availed through FORM GSTR-3B and input tax credit declared in row B to H shall be declared here. Ideally, this amount should be zero.
6K		Details of transition credit received in the electronic credit ledger on filing of FORM GST TRAN-I including revision of TRAN-I (whether upwards or downwards), if any shall be declared here.
6L		Details of transition credit received in the electronic credit ledger after filing of FORM GST TRAN-II shall be declared here.
6M		Details of ITC availed but not covered in any of heads specified under 6B to 6L above shall be declared here. Details of ITC availed through FORM ITC-01 and FORM ITC-02 in the financial year shall be declared here.
7A, 7B, 7C, 7D, 7E, 7F, 7G and 7H		Details of input tax credit reversed due to ineligibility or reversals required under rule 37, 39, 42 and 43 of the Uttarakhand GST Rules, 2017 shall be declared here. This column should also contain details of any input tax credit reversed under section 17(5) of the Uttarakhand GST Act, 2017 and details of ineligible transition credit claimed under FORM GST TRAN-I or FORM GST TRAN-II and then subsequently reversed. Table 4(B) of FORM GSTR-3B may be used for filling up these details. Any ITC reversed through FORM ITC-03 shall be declared in 7H.
8A		The total credit available for inwards supplies (other than imports and inwards supplies liable to reverse charge but includes services received from SEZs) received during 2017-18 and reflected in FORM GSTR-2A (table 3 & 5 only) shall be auto-populated in this table. This would be the aggregate of all the input tax credit that has been declared by the corresponding suppliers in their FORM GSTR-I.

8B	The input tax credit as declared in Table 6B and 6H shall be auto-populated here.
8C	Aggregate value of input tax credit availed on all inward supplies (except those on which tax is payable on reverse charge basis but includes supply of services received from SEZs) received during July 2017 to March 2018 but credit on which was availed between April to September 2018 shall be declared here. Table 4(A)(5) of FORM GSTR-3B may be used for filling up these details.
8E & 8F	Aggregate value of the input tax credit which was available in FORM GSTR-2A(table 3 & 5 only) but not availed in any of the FORM GSTR-3B returns shall be declared here. The credit shall be classified as credit which was available and not availed or the credit was not availed as the same was ineligible. The sum total of both the rows should be equal to difference in 8D.
8G	Aggregate value of IGST paid at the time of imports (including imports from SEZs) during the financial year shall be declared here.
8H	The input tax credit as declared in Table 6E shall be auto-populated here.
8K	The total input tax credit which shall lapse for the current financial year shall be computed in this row.

5. Part IV is the actual tax paid during the financial year. Payment of tax under Table 6.1 of FORM GSTR-3B may be used for filling up these details.

6. Part V consists of particulars of transactions for the previous financial year but declared in the returns of April to September of current FY or date of filing of Annual Return for previous financial year (for example in the annual return for the FY 2017-18, the transactions declared in April to September 2018 for the FY 2017-18 shall be declared), whichever is earlier. The instructions to fill Part V are as follows:

Table No.	Instructions
10 & 11	Details of additions or amendments to any of the supplies already declared in the returns of the previous financial year but such amendments were furnished in Table 9A, Table 9B and Table 9C of FORM GSTR-1 of April to September of the current financial year or date of filing of Annual Return for the previous financial year, whichever is earlier shall be declared here.
12	Aggregate value of reversal of ITC which was availed in the previous financial year but reversed in returns filed for the months of April to September of the current financial year or date of filing of Annual Return for previous financial year, whichever is earlier shall be declared here. Table 4(B) of FORM GSTR-3B may be used for filling up these details.
13	Details of ITC for goods or services received in the previous financial year but ITC for the same was availed in returns filed for the months of April to September of the current financial year or date of filing of Annual Return for

the previous financial year whichever is earlier shall be declared here. Table 4(A) of FORM GSTR-3B may be used for filling up these details.

7. Part VI consists of details of other information. The instructions to fill Part VI are as follows:

Table No.	Instructions
15A, 15B, 15C and 15D	Aggregate value of refunds claimed, sanctioned, rejected and pending for processing shall be declared here. Refund claimed will be the aggregate value of all the refund claims filed in the financial year and will include refunds which have been sanctioned, rejected or are pending for processing. Refund sanctioned means the aggregate value of all refund sanction orders. Refund pending will be the aggregate amount in all refund application for which acknowledgement has been received and will exclude provisional refunds received. These will not include details of non-GST refund claims.
15E, 15F and 15G	Aggregate value of demands of taxes for which an order confirming the demand has been issued by the adjudicating authority shall be declared here. Aggregate value of taxes paid out of the total value of confirmed demand as declared in 15E above shall be declared here. Aggregate value of demands pending recovery out of 15E above shall be declared here.
16A	Aggregate value of supplies received from composition taxpayers shall be declared here. Table 5 of FORM GSTR-3B may be used for filling up these details.
16B	Aggregate value of all deemed supplies from the principal to the job-worker in terms of sub-section (3) and sub-section (4) of Section 143 of the Uttarakhand GST Act shall be declared here.
16C	Aggregate value of all deemed supplies for goods which were sent on approval basis but were not returned to the principal supplier within one eighty days of such supply shall be declared here.
17 & 18	Summary of supplies effected and received against a particular HSN code to be reported only in this table. It will be optional for taxpayers having annual turnover upto ₹ 1.50 Cr. It will be mandatory to report HSN code at two digits level for taxpayers having annual turnover in the preceding year above ₹ 1.50 Cr but upto ₹ 5.00 Cr and at four digits level for taxpayers having annual turnover above ₹ 5.00 Cr. UQC details to be furnished only for supply of goods. Quantity is to be reported net of returns. Table 12 of FORM GSTR-1 may be used for filling up details in Table 17.
19	Late fee will be payable if annual return is filed after the due date.

FORM GSTR-9A							
(See rule 80)							
Annual Return (for Composition Taxpayer)							
Pt. I	Basic Details						
1.	Financial Year						
2.	GSTIN						
3A	Legal Name	<Auto>					
3B	Trade Name (if any)	<Auto>					
4.	Period of composition scheme during the year (FromT0.....)						
5.	Aggregate Turnover of Previous Financial Year						
(Amount in ₹ In all tables)							
Pt. II	Details of outward and inward supplies declared in returns filed during the financial year						
	Description	Turnover	Rate of Tax	Central Tax	State Tax	Integrated Tax	Cess
	1	2	3	4	5	6	7
6.	Details of Outward supplies on which tax is payable as declared in returns filed during the financial year						
A	Taxable						
B	Exempted Nil-rated						
C	Total						
7.	Details of inward supplies on which tax is payable on reverse charge basis (net of debit/credit notes) declared in returns filed during the financial year						
	Description	Taxable Value	Central Tax	State Tax	Integrated Tax	Cess	
	1	2	3	4	5	6	
A	Inward supplies liable to reverse charge received from registered persons						
B	Inward supplies liable to reverse charge received from unregistered persons						
C	Import of services						
D	Net tax payable on (A), (B) and (C) above						
8.	Details of other inward supplies as declared in returns filed during the financial year						
A	Inward supplies from registered persons (other than 7A above)						
B	Import of Goods						
Pt. III	Details of tax paid as declared in returns filed during the financial year						
9.	Description	Total tax payable		Paid			
	1	2		3			
	Integrated Tax						
	Central Tax						
	State Tax						
	Cess						

	1	2	3								
	Interest										
	Late fee										
	Penalty										
Pt. IV	Particulars of the transactions for the previous FY declared in returns of April to September of current FY or upto date of filing of annual return of previous FY whichever is earlier										
	Description	Turnover	Central Tax	State Tax	Integrated Tax	Cess					
	1	2	3	4	5	6					
10.	Supplies/tax (outward) declared through Amendments (+) (net of debit notes)										
11.	Inward supplies liable to reverse charge declared through Amendments (+) (net of debit notes)										
12.	Supplies/tax (outward) reduced through Amendments (-) (net of credit notes)										
13.	Inward supplies liable to reverse charge reduced through Amendments (-) (net of credit notes)										
14.	Differential tax paid on account of declaration made in 10, 11, 12 & 13 above										
	Description	Payable		Paid							
	1	2		3							
	Integrated Tax										
	Central Tax										
	State Tax										
	Cess										
	Interest										
Pt. V	Other Information										
15.	Particulars of Demands and Refunds										
	Description	Central Tax	State Tax	Integrated Tax	Cess	Interest	Penalty	Late Fee/ Other			
	1	2	3	4	5	6	7	8			
A	Total Refund claimed										
B	Total Refund Sanctioned										
C	Total Refund Rejected										
D	Total Refund Pending										
E	Total Demand of taxes										

	1	2	3	4	5	6	7	8
F	Total taxes paid in respect of E above							
G	Total demands pending out of E above							
16.	Details of credit reverse or availed							
	Description	Central Tax	State Tax	Integrated Tax	Cess			
	1	2	3	4	5			
A	Credit reversed on opting in the composition scheme (-)							
B	Credit availed on opting out of the composition scheme (+)							
17.	Late fee payable and paid							
	Description	Payable	Paid					
	1	2	3					
A	Central Tax							
B	State Tax							

Verification:

I hereby solemnly affirm and declare that the information given herein above is true and correct to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed there from and in case of any reduction in output tax liability the benefit thereof has been/will be passed on to the recipient of supply.

Place

Date

Signature

Name of Authorised Signatory

Designation / Status

Instructions: -

1. The details for the period between July 2017 to March 2018 shall be provided in this return.

2. Part I consists of basic details of taxpayer. The instructions to fill Part I are as follows :

Table No.	Instructions
5	Aggregate turnover for the previous financial year is the turnover of the financial year previous to the year for which the return is being filed. For example for the annual return for FY 2017-18, the aggregate turnover of FY 2016-17 shall be entered into this table. It is the sum total of turnover of all taxpayers registered on the same PAN.

3. Part II consists of the details of all outward and inward supplies in the financial year for which the annual return is filed. The instructions to fill Part II are as follows:

Table No.	Instructions
6A	Aggregate value of all outward supplies net of debit notes / credit notes, net of advances and net of goods returned for the entire financial year shall be declared here. Table 6 and Table 7 of FORM GSTR-4 may be used for filling up these details.
6B	Aggregate value of exempted, Nil Rated and Non-GST supplies shall be declared here.
7A	Aggregate value of all inward supplies received from registered persons on which tax is payable on reverse charge basis shall be declared here. Table 4B, Table 5 and Table 8A of FORM GSTR-4 may be used for filling up these details.
7B	Aggregate value of all inward supplies received from unregistered persons (other than import of services) on which tax is payable on reverse charge basis shall be declared here. Table 4C, Table 5 and Table 8A of FORM GSTR-4 may be used for filling up these details.
7C	Aggregate value of all services imported during the financial year shall be declared here. Table 4D and Table 5 of FORM GSTR-4 may be used for filling up these details.
8A	Aggregate value of all inward supplies received from registered persons on which tax is payable by the supplier shall be declared here. Table 4A and Table 5 of FORM GSTR-4 may be used for filling up these details.
8B	Aggregate value of all goods imported during the financial year shall be declared here.

4. Part IV consists of the details of amendments made for the supplies of the previous financial year in the returns of April to September of the current FY or date of filing of Annual Return for previous financial year (for example in the annual return for the FY 2017-18, the transactions declared in April to September 2018 for the FY 2017-18 shall be declared), whichever is earlier. The instructions to fill Part V are as follows:

Table No.	Instructions
10,11,12,13 and 14	Details of additions or amendments to any of the supplies already declared in the returns of the previous financial year but such amendments were furnished in Table 5 (relating to inward supplies) or Table 7 (relating to outward supplies) of FORM GSTR-4 of April to September of the current financial year or upto the date of filing of Annual Return for the previous financial year, whichever is earlier shall be declared here.

5. Part V consists of details of other information. The instruction to fill Part V are as follows :--

Table No.	Instructions
15A, 15B, 15C and 15D	Aggregate value of refunds claimed, sanctioned, rejected and pending for processing shall be declared here. Refund claimed will be the aggregate value of all the refund claims filed in the financial year and will include refunds which have been sanctioned, rejected or are pending for processing. Refund sanctioned means the aggregate value of all refund sanction orders. Refund pending will be the aggregate amount in all refund application for which acknowledgement has been received and will exclude provisional refunds received. These will not include details of non-GST refund claims.
15E, 15F and 15G	Aggregate value of demands of taxes for which an order confirming the demand has been issued by the adjudicating authority has been issued shall be declared here. Aggregate value of taxes paid out of the total value of confirmed demand in 15E above shall be declared here. Aggregate value of demands pending recovery out of 15E above shall be declared here.
16A	Aggregate value of all credit reversed when a person opts to pay tax under the composition scheme shall be declared here. The details furnished in FORM ITC-03 may be used for filling up these details.
16B	Aggregate value of all the credit availed when a registered person opts out of the composition scheme shall be declared here. The details furnished in FORM ITC-01 may be used for filling up these details.
17	Late fee will be payable if annual return is filed after the due date.

**Amendment in
FORM GST
EWB-01**

11. In the said rules, in FORM GST EWB-01, In the Notes, in serial number 7, in the Table, against Code 4 in the first column, for the letters and word "SKD or CKD" in the second column, the letters and words "SKD or CKD or supply in batches or lots" shall be substituted.

अधिसूचना

27 सितम्बर, 2018 ई०

संख्या 853/2018/10(120)/XXVII(8)/2018/CT-41-चूँकि, राज्य सरकार का समाधान हो गया है कि लोकहित में ऐसा करना समीचीन है;

अतएव, अब, श्री राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 06) की धारा 128 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, परिषद् की सिफारिशों पर उक्त अधिनियम की धारा 47 के अधीन निम्नलिखित करदाताओं के वर्ग के द्वारा संदत्त विलम्ब फीस का अधित्यजन करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं, अर्थात्—

(i) ऐसे रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, जिन्होंने उत्तराखण्ड माल और सेवा कर नियम, 2017 के प्ररूप जीएसटीआर-4 में अक्टूबर, 2017 मास के लिए विवरणी प्रस्तुत की थी किन्तु आवेदन सन्दर्भ संख्याक सृजन होने के पश्चात् सामान्य पोर्टल पर फाइल नहीं की थी।

(ii) ऐसे रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति, जिन्होंने उत्तराखण्ड माल और सेवा कर नियम, 2017 के प्ररूप जीएसटीआर-4 में अक्टूबर, 2017 से दिसम्बर, 2017 की अवधि के लिए नियत तारीख तक विवरणी फाइल की है किन्तु सामान्य पोर्टल पर गलती से विलम्ब शुल्क उद्ग्रहित हुआ था।

(iii) ऐसे इनपुट सेवा वितरण, जिन्होंने किसी कर अवधि जो 01 जनवरी, 2018 और 23 जनवरी, 2018 के मध्य थी, उत्तराखण्ड माल और सेवा कर नियम, 2017 के प्ररूप जीएसटीआर-6 में विवरणी फाइल करने का प्रस्तुत करने के लिए विलम्ब शुल्क संदत्त किया है।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Notification No. 853/2018/10(120)/XXVII(8)/2018/CT-41, dated September 27, 2018 for general information.

NOTIFICATION

September 27, 2018

No. 853/2018/10(120)/XXVII(8)/2018/CT-41—WHEREAS, the State Government is satisfied that it is expedient so to do in public interest;

NOW THEREFORE, in exercise of the powers conferred by section 128 of the Uttarakhand Goods and Services Tax Act, 2017 (06 of 2017), the Governor, on the recommendations of the Council, is pleased to allow to waive the late fee paid under section 47 of the said Act, by the following classes of taxpayers :--

- the registered persons, whose return in **FORM GSTR-3B** of the Uttarakhand Goods and Services Tax Rules, 2017 for the month of October, 2017, was submitted but not filed on the common portal, after generation of the application reference number;
- the registered persons, who have filed the return in **FORM GSTR-4** of the Uttarakhand Goods and Services Tax Rules, 2017 for the period October to December, 2017 by the due date but late fee was erroneously levied on the common portal;
- the Input Service Distributors, who have paid the late fee for filing or submission of the return in **FORM GSTR-6** of the Uttarakhand Goods and Services Tax Rules, 2017 for any tax period between the 1st day of January, 2018 and the 23rd day of January, 2018.

अधिसूचना

27 सितम्बर, 2018 ई०

संख्या 854/2017/15(120)/XXVII(8)/2018/CT-43—चूँकि, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि लोकहित में ऐसा करना समीचीन है;

अतएव, अब, श्री राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 06) (जिसे इस अधिसूचना में उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 148 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और—

- उत्तराखण्ड शासन वित्त अनुभाग-8 की अधिसूचना सं० 1019/2017/9(120)/XXVII(8)/2017, दिनांक 05 दिसम्बर, 2017;
- उत्तराखण्ड शासन वित्त अनुभाग-8 की अधिसूचना सं० 335/2018/5(120)/XXVII(8)/2018/CT-17, दिनांक 16 अप्रैल, 2018;
- उत्तराखण्ड शासन वित्त अनुभाग-8 की अधिसूचना सं० 759/2018/5(120)/XXVII(8)/2018/CT-33, दिनांक 10 सितम्बर, 2018।

को सिवाय उन बातों के, जो ऐसे अधिक्रमण से पूर्व की गई थी या करने का लोप किया गया था, अधिक्रांत करते हुए और परिषद् की सिफारिशों पर रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों को, जिनका पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष या चालू वित्तीय वर्ष में 1.5 करोड़ रुपए तक समग्र आवर्त है, को ऐसे रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों के वर्ग के रूप में अधिसूचित करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं, तो निम्न यथावर्णित प्रक्रिया का माल या सेवा या दोनों की जावक पूर्ति के ब्यौरे प्रस्तुत करने के लिए अनुसरण करेंगे।

2. उक्त व्यक्ति माल या सेवा या दोनों की जावक पूर्ति, जो नीचे दी गई सारणी के स्तम्भ (2) में यथाविनिर्दिष्ट तिमाही के दौरान की गई है, के ब्यौरे को, उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में सारस्थानी प्रविष्टि में यथाविनिर्दिष्ट समयावधि

सारणी

क्रम सं०	तिमाही, जिसके लिए प्ररूप जीएसटीआर-1 में ब्यौरे प्रस्तुत किए जाते हैं	प्ररूप जीएसटीआर-1 में ब्यौरे प्रस्तुत करने के लिए समयावधि
(1)	(2)	(3)
1.	जुलाई-सितम्बर, 2017	31 अक्तूबर, 2018
2.	अक्तूबर-दिसम्बर, 2017	31 अक्तूबर, 2018
3.	जनवरी-मार्च, 2018	31 अक्तूबर, 2018
4.	अप्रैल-जून, 2018	31 अक्तूबर, 2018
5.	जुलाई-सितम्बर, 2018	31 अक्तूबर, 2018

(1)	(2)	(3)
6.	अक्तूबर-दिसम्बर, 2018	31 जनवरी, 2019
7.	जनवरी-मार्च, 2019	30 अप्रैल, 2019

परन्तु यह कि माल या सेवा या दोनों की जुलाई, 2017 से सितम्बर, 2018 की तिमाही के लिए करदाताओं द्वारा, जिन्होंने उत्तराखण्ड शासन वित्त अनुभाग-8 की अधिसूचना सं0 783/2018/11(120)/XXVII(8)/2018/CT-31, दिनांक 06 सितम्बर, 2018 के निबंधनों में माल और सेवा कर पहचान सं0 (जीएसटीआईएन) अभिप्राप्त कर ली है, द्वारा प्ररूप जीएसटीआर-1 में जावक पूर्ति के ब्यौरों को इलेक्ट्रानिकी रूप से सामान्य पोर्टल के माध्यम से 31 दिसम्बर, 2018 को या उससे पूर्व प्रस्तुत किया जाएगा।

3. उक्त अधिनियम की धारा 38 की उपधारा (2) और धारा 39 की उपधारा (1) के अधीन जुलाई, 2017 से मार्च, 2019 के मास के लिए, यथास्थिति, ब्यौरों या विवरणी को प्रस्तुत करने की समय-सीमा पश्चातवर्ती रूप से राजपत्र में अधिसूचित की जाएगी।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Notification No. 854/2018/15(120)/XXVII(8)/2018/CT-43, dated September 27, 2018 for general information.

NOTIFICATION

September 27, 2018

No. 854/2018/15(120)/XXVII(8)/2018/CT-43--WHEREAS the State Government is satisfied that it is expedient so to do in public interest,

Now THEREFORE, in exercise of the powers conferred by section 148 of the Uttarakhand Goods and Services Tax Act, 2017 (06 of 2017) (hereafter in this notification referred to as the said Act) and in supersession of--

(i) Notification of Government of Uttarakhand Finance section-8, No. 1019/2017/9(120)/XXVII(8)/2017, dated 05th December, 2017;

(ii) Notification of Government of Uttarakhand Finance section-8, No. 335/2018/5(120)/XXVII(8)/2018/CT-17, dated 16th April, 2018;

(iii) Notification of Government of Uttarakhand Finance section-8, No. 759/2018/5(120)/XXVII(8)/2018/CT-33, dated September 10, 2018;

except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Governor, on the recommendations of the Council, is pleased to allow to notify the registered persons having aggregate turnover of up to 1.5 crore rupees in the preceding financial year or the current financial year, as the class of registered persons who shall follow the special procedure as mentioned below for furnishing the details of outward supply of goods or services or both.

2. The said persons may furnish the details of outward supply of goods or services or both in **FORM GSTR-1** of the Uttarakhand Goods and Services Tax Rules, 2017 effected during the quarter as specified in column (2) of the Table below in the time period as specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table, namely:--

Sl. No.	Quarter for which details in FORM GSTR-1 are furnished	Time period for furnishing details in FORM GSTR-1
(1)	(2)	(3)
1.	July-September, 2017	31 st October, 2018
2.	October-December, 2017	31 st October, 2018
3.	January-March, 2018	31 st October, 2018
4.	April-June, 2018	31 st October, 2018

(1)	(2)	(3)
5.	July-September, 2018	31 st October, 2018
6.	October-December, 2018	31 st January, 2019
7.	January-March, 2019	30 th April, 2019

Provided that the details of outward supply of goods or services or both in FORM GSTR-1 to be filed for the quarters from July, 2017 to September, 2018 by the taxpayers, who have obtained Goods and Services Tax Identification Number (GSTIN) in terms of notification of Government of Uttarakhand Finance section-8, No. 783/2018/11(120)/XXVII(8)/CT-31, dated 6th September, 2018 shall be furnished electronically through the common portal, on or before the 31st day of December, 2018.

3. The time limit for furnishing the details or return, as the case may be, under sub-section (2) of section 38 and sub-section (1) of section 39 of the said Act, for the months of July, 2017 to March, 2019 shall be subsequently notified in the Official Gazette.

अधिसूचना

27 सितम्बर, 2018 ई०

संख्या 855/2018/15(120)/XXVII(8)/2018/CT-48-श्री राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 06) की धारा 164 सपठित उत्तर प्रदेश साधारण खण्ड अधिनियम, 1904 (अधिनियम सं० 1, वर्ष 1904) (उत्तराखण्ड राज्य में यथाप्रवृत्त) की धारा 21 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सहर्ष, उत्तराखण्ड माल और सेवा कर नियम, 2017 को अग्रेतर संशोधित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्-

उत्तराखण्ड माल और सेवा कर (नौवां संशोधन) नियम, 2018

संक्षिप्त नाम एवं प्रारम्भ 1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम उत्तराखण्ड माल और सेवा कर (नौवां संशोधन) नियम, 2018 है।

(2) ये दिनांक 10 सितम्बर, 2018 से प्रवृत्त होंगे।

नियम 117 में संशोधन 2. उत्तराखण्ड माल और सेवा कर नियम, 2017 (जिसे यहाँ आगे मूल नियम कहा गया है) के नियम 117 में:-

"(क) उपनियम (1) के पश्चात्, निम्नलिखित उपनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्-

(1क) उपनियम (1) में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, आयुक्त, परिषद् की सिफारिशों पर, ऐसे रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों, जो सामान्य पोर्टल पर तकनीकी कठिनाइयों के कारण देय तारीख तक उक्त घोषणा प्रस्तुत नहीं कर सके, के सम्बन्ध में और उन व्यक्तियों में प्ररूप जीएसटी टीआरएन-1 में इलेक्ट्रॉनिक रूप से घोषणा प्रस्तुत करने की तारीख को ऐसी और अवधि तक, जो 31 मार्च, 2019 से आगे की नहीं होगी, बढ़ा सकेगा।"

"(ख) उपनियम (4) के खण्ड (ख) के उपखण्ड (iii) में, निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्-

"परन्तु उपनियम (1क) के अनुसार प्ररूप जीएसटी टीआरएन-1 में घोषणा फाइल करने वाले रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति 30 अप्रैल, 2019 तक प्ररूप जीएसटी टीआरएन-2 में विवरण प्रस्तुत कर सकेंगे।"

नियम 142 में संशोधन 3. मूल नियम के नियम 142 के उपनियम (5) में, "धारा 76 की उपधारा (3)" शब्द, अंक और कोष्ठक के पश्चात् "या धारा 125" शब्द और अंक अंतःस्थापित किए जायेंगे।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Notification No. 855/2018/15(120)/XXVII(8)/2018/CT-48, dated September 27, 2018 for general information.

NOTIFICATION

September 27, 2018

No. 855/2018/15(120)/XXVII(8)/2018/CT-48--In exercise of the powers conferred by section 164 of the Uttarakhand Goods and Services Tax Act, 2017 (06 of 2017) read with section 21 of Uttar Pradesh General Clause Act, 1904 (Act No. 1 of 1904) (as applicable in the State of Uttarakhand), the Governor is pleased to make the following rules to further amend the Uttarakhand Goods and Services Tax Rules, 2017, namely:--

The Uttarakhand Goods and Services Tax (Ninth Amendment) Rules, 2018**Short title and Commencement**

1. These rules may be called the Uttarakhand Goods and Services Tax (Ninth Amendment) Rules, 2018.
2. They shall come into force from the 10th day of September, 2018.

Amendment in rule 117

2. In rule 117 of the Uttarakhand Goods and Services Tax Rules, 2017 (hereinafter referred to as the Principal Rule):--

(a) after sub-rule (1), the following sub-rule shall be inserted, namely :--

(1A) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), the Commissioner may, on the recommendations of the Council, extend the date for submitting the declaration electronically in **FORM GST TRAN-1** by a further period not beyond 31st March, 2019, in respect of registered persons, who could not submit the said declaration by the due date on account of technical difficulties on the common portal and in respect of whom the Council has made a recommendation for such extension.

(b) in sub-rule (4), in clause (b), in sub-clause (iii), the following proviso shall be inserted, namely :--

"Provided that the registered persons filing the declaration in **FORM GST TRAN-1** in accordance with sub-rule (1A), may submit the statement in **FORM GST TRAN-2** by 30th April, 2019."

Amendment in rule 142

3. In rule 142 of the Principal Rule, in sub-rule (5), after the words and figures "of section 76", the words and figures "or section 125" shall be inserted.

अधिसूचना

27 सितम्बर, 2018 ई०

संख्या सं. 855/2018/15(120)/XXVII(8)/2018/CT-48 का यह सूचना पत्राधिकार, उत्तराखण्ड माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 06) की धारा 164 संप्रति उत्तर प्रदेश साधारण खण्ड अधिनियम, 1904 (अधिनियम सं० 1, वर्ष 1904) (उत्तराखण्ड राज्य में यथाप्रवृत्त) की धारा 21 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सहर्ष उत्तराखण्ड माल और सेवा कर नियम, 2017 को अग्रोत्तर संशोधित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्--

उत्तराखण्ड माल और सेवा कर (दसवां संशोधन) नियम, 2018**संक्षिप्त नाम एवं प्रारम्भ**

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम उत्तराखण्ड माल और सेवा कर (दसवां संशोधन) नियम, 2018 है।
- (2) ये दिनांक 13 सितम्बर, 2018 से प्रवृत्त होंगे।

प्ररूप का अन्तःस्थापन 2. उत्तराखण्ड माल और सेवा कर नियम, 2017 (जिसे यहाँ आगे मूल नियम कहा गया है) के प्ररूपों में, प्ररूप जीएसटीआर-9क के पश्चात्, निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

“प्ररूप जीएसटीआर-9ग”

नियम 80(3) देखें

भाग क—समाधान विवरण

भाग.	मूलभूत ब्यौरे	
1.	वित्तीय वर्ष	
2.	जीएसटीआईएन	
3क.	विधिक नाम	< स्व >
3ख.	व्यापार नाम (यदि कोई हो)	< स्व >
4.	क्या आप किसी अधिनियम के अधीन किसी संपरीक्षा के दायी हैं? << कृपया विनिर्दिष्ट करें >>	
		(सभी सारणियों में रकम ₹ में)
भाग.	वार्षिक रिटर्न (जीएसटीआर-9) में घोषित आवर्त सहित वार्षिक संपरीक्षित वित्तीय विवरण में घोषित आवर्त का समाधान	
5.	सकल आवर्त का समाधान	
क	राज्य/संघराज्य क्षेत्र के लिए संपरीक्षित वित्तीय विवरणों के अनुसार आवर्त (जिसके अन्तर्गत निर्यात भी हैं) (उसी स्थायी लेखा संख्यांक के अधीन बहु-जीएसटीआईएन यूनिटों के लिए आवर्त वार्षिक संपरीक्षित वित्तीय विवरण से प्राप्त किया जाएगा)	
ख	वित्तीय वर्ष के आरम्भ में बिना तैयार किए गए बिल का राजस्व	(+)
ग	वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर असमायोजित अग्रिम	(+)
घ	अनुसूची-1 के अधीन समझी गई पूर्ति	(+)
ङ	वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पश्चात् जारी साख-पत्र, किन्तु जो वास्तविक रिटर्न में परिलक्षित है	(+)
च	व्यापार बट्टा, जिनका संपरीक्षित वार्षिक वित्तीय विवरण में लेखा-जोखा दिया गया है, किन्तु माल और सेवा कर के अधीन अनुज्ञेय नहीं है	(+)
छ	अप्रैल, 2017 से जून, 2017 तक आवर्त	(-)
ज	वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर बिना तैयार किए गए बिल वाला राजस्व	(-)
झ	वित्तीय वर्ष के आरम्भ में असमायोजित अग्रिम	(-)
ञ	वार्षिक संपरीक्षित वित्तीय विवरण में लेखा-जोखा दिए गए साख-पत्र, किन्तु जो माल और सेवा कर के अधीन अनुज्ञेय नहीं है	(-)
ट	एसईजेड यूनिटों द्वारा डीटीए यूनिटों तक माल के प्रदाय के भदे समायोजन	(-)
ठ	कंपोजिशन रकम के अधीन अवधि के लिए आवर्त	(-)
ड	धारा 15 और तद्धीन बनाए गए नियमों के अधीन आवर्त में समायोजन	(+/-)
ढ	विदेशी-मुद्रा-उतार-चढ़ाव के कारण आवर्त में समायोजन	(+/-)
ण	उपरोक्त सूचीबद्ध न किए गए कारणों से आवर्त में समायोजन	(+/-)
त	उपरोक्त समायोजनों के पश्चात् वार्षिक आवर्त	< स्व >
थ	वार्षिक रिटर्न (जीएसटीआर-9) में यथाघोषित आवर्त	
द	असमाधानकृत आवर्त (थ-त)	एटी 1

6.	वार्षिक सकल आवर्त में असमाधानकृत अन्तर के लिए कारण					
क	कारण 1	<< पाठ >>				
ख	कारण 2	<< पाठ >>				
ग	कारण 3	<< पाठ >>				
7.	कराधेय आवर्त का समाधान					
क	समायोजन के पश्चात् वार्षिक आवर्त (उपरोक्त 5त से)					< स्व >
ख	छूट प्राप्त, शून्य दर, गैर माल और सेवा कर पूर्तियों, पूर्तियों नहीं आवर्त का मूल्य					
ग	कर के संदाय के बिना शून्य दर पूर्ति					
घ	ऐसी पूर्ति, जिन पर कर का संदाय प्रतिलोम प्रभार आधार पर प्राप्तिकर्ता द्वारा किया जाना है					
ङ	उपरोक्त समायोजनों के अनुसार कराधेय आवर्त (क-ख-ग-घ)					< स्व >
च	वार्षिक रिटर्न (जीएसटीआरएन-9) में घोषित दायित्व के अनुसार कराधेय आवर्त					
छ	असमाधानकृत कराधेय आवर्त (च-ङ)					एटी 2
8.	कराधेय आवर्त में असमाधानकृत अन्तर के लिए कारण					
क	कारण 1	<< पाठ >>				
ख	कारण 2	<< पाठ >>				
ग	कारण 3	<< पाठ >>				
भाग III	संदत्त कर का समाधान					
9.	दर-वार दायित्व तथा उस पर संदेय रकम का समाधान					
				संदेय कर		
	वर्णन	कराधेय मूल्य	केन्द्रीय कर	राज्य कर/ संघ राज्य क्षेत्र कर	एकीकृत कर	उपकर, यदि लागू हो
	1	2	3	4	5	6
क	5%					
ख	5% (आरसी)					
ग	12%					
घ	12% (आरसी)					
ङ	18%					
च	18% (आरसी)					
छ	28%					
ज	28% (आरसी)					
झ	3%					
ञ	0.25%					
ट	0.10%					
ठ	व्याज					
ड	विलम्ब शुल्क					
ढ	शास्ति					
ण	अन्य					

त	उपरोक्त सारणियों के अनुसार संदत्त की जाने वाली कुल रकम	< स्व >	< स्व >	< स्व >	< स्व >	
थ	वार्षिक रिटर्न (जीएसटीआर-9) में यथाघोषित संदत्त कुल रकम					
द	रकम का असमाधानकृत संदाय	पीटी 1				
10.	रकम के असमाधानकृत संदाय के लिए कारण					
क	कारण 1	<< पाठ >>				
ख	कारण 2	<< पाठ >>				
ग	कारण 3	<< पाठ >>				
11.	अतिरिक्त संदेय रकम, किन्तु संदत्त नहीं की गई रकम (उपरोक्त सारणी 6, 8 और 10 के अधीन विनिर्दिष्ट कारणों से)					
			नकदी के माध्यम से संदत्त किया जाए			
	वर्णन	कराधेय मूल्य	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर	एकीकृत कर	उपकर, यदि लागू हो
	1	2	3	4	5	6
	5%					
	12%					
	18%					
	28%					
	3%					
	0.25%					
	0.10%					
	ब्याज					
	विलम्ब शुल्क					
	शास्ति					
	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)					
भाग. IV	इनपुट कर प्रत्यय (आईटीसी) का समाधान					
12.	शुद्ध इनपुट कर प्रत्यय (आईटीसी) का समाधान					
क	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के लिए संपरीक्षित वार्षिक वित्तीय विवरणों के अनुसार लाभ लिया गया इनपुट कर प्रत्यय (एक ही स्थायी लेखा संख्यांक के अधीन बहु जीएसटीआईएन यूनिटों के लिए इसे लेखा बहियों से प्राप्त किया जाना चाहिए)					
ख	चालू वित्तीय वर्ष में दावा किए गए पूर्व वित्तीय वर्षों में बुक किए गए इनपुट कर प्रत्यय (आईटीसी)					(+)
ग	पश्चात्तवर्ती वित्तीय वर्ष में दावा किए जाने वाले चालू वित्तीय वर्षों में बुक किए गए इनपुट कर प्रत्यय (आईटीसी)					(-)
घ	संपरीक्षित वित्तीय विवरणों या लेखाबहियों के अनुसार लाभ लिया गया शुद्ध प्रत्यय कर					< स्व >
ङ	वार्षिक रिटर्न (जीएसटीआर-9) में दावाकृत इनपुट कर प्रत्यय					
च	असमाधानकृत इनपुट कर प्रत्यय (आईटीसी)					आईटीसी-1
13.	इनपुट कर प्रत्यय (आईटीसी) में असमाधानकृत अन्तर के कारण					
क	कारण 1	<< पाठ >>				
ख	कारण 2	<< पाठ >>				
ग	कारण 3	<< पाठ >>				

14.	वार्षिक संपरीक्षित वित्तीय विवरणों या लेखा बहियों के अनुसार खर्चों पर लाभ लिए गए आईटीसी सहित वार्षिक रिटर्न (जीएसटीआर-9) में घोषित आईटीसी का समाधान			
	विवरण	मूल्य	आईटीसी की कुल रकम	लाभ ली गई पात्र आईटीसी की रकम
	1	2	3	4
क	क्रय			
ख	भाड़ा / दुलाई			
ग	ऊर्जा और ईंधन			
घ	आयातित माल (एसईजेड से प्राप्त समेत)			
ङ	किराया और बीमा			
च	खोई हुई, चोरी हुई, नष्ट हुई, बड़े खाते में डाली गई या उपहार या मुफ्त सैंपलों के रूप में दिए गए माल			
छ	स्वामिस्व			
ज	कर्मचारियों की लागत (वेतन, मजदूरी, बोनस आदि)			
झ	प्रवहण प्रभार			
ञ	बैंक प्रभार			
ट	मनोरंजन प्रभार			
ठ	लेखन सामग्री व्यय (डाक आदि सहित)			
ड	मरम्मत और अनुरक्षण			
ढ	अन्य प्रकीर्ण व्यय			
ण	पूँजी माल			
त	कोई अन्य व्यय 1			
थ	कोई अन्य व्यय 2			
द	लाभ ली गई पात्र आईटीसी की कुल रकम			<< स्व >>
ध	वार्षिक विवरणी (जीएसटीआर-9) में दावा की गई आईटीसी			
न	असमाधानकृत आईटीसी			आईटीसी 2
15.	आईटीसी में असमाधानकृत अन्तर के कारण			
क	कारण 1	<< पाठ >>		
ख	कारण 2	<< पाठ >>		
ग	कारण 3	<< पाठ >>		
16.	आईटीसी में असमाधानकृत अन्तर पर संदेय कर (ऊपर 13 और 15 में विनिर्दिष्ट कारणों से)			
	वर्णन	संदेय रकम		
	केन्द्रीय कर			
	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर			
	एकीकृत कर			

	उपकर					
	ब्याज					
	शास्ति					
भाग V	गैर-समाधान के कारण अतिरिक्त दायित्व पर संपरीक्षक की सिफारिश					
	वर्णन	मूल्य	नकदी के माध्यम से संदेय			
			केन्द्रीय कर	राज्य कर/ संघ राज्यक्षेत्र कर	एकीकृत कर	उपकर, यदि लागू हो
	1	2	3	4	5	6
	5%					
	12%					
	18%					
	28%					
	3%					
	0.25%					
	0.10%					
	इनपुट कर प्रत्यय					
	ब्याज					
	विलम्ब शुल्क					
	शास्ति					
	वार्षिक विवरणी (जीएसटीआर-9) में सम्मिलित नहीं किए गए प्रदायों के लिए संदत्त कोई अन्य रकम					
	वापस संदाय के लिए त्रुटिपूर्ण प्रतिदाय					
	परिनिर्धारित की जाने वाली बकाया मांगें					
अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)						

सत्यापन :

मैं, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान और घोषणा करता हूँ कि इसमें ऊपर दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास

के अनुसार सत्य और सही है तथा इसमें कोई भी त्रुटि या त्रुटिपूर्ण बात नहीं है।

** (संपरीक्षक के हस्ताक्षर और स्टैम्प/मुद्रा)

स्थान :

हस्ताक्षरकर्ता का नाम :

सदस्यता सं० :

तारीख :

पृष्ठ पन्ना :

अनुदेश :

1. प्रयोग किए गए निबंधन :

- (क) जीएसटीआईएन : माल और सेवा कर पहचान संख्या
- जुलाई, 2017 से मार्च, 2018 के बीच की अवधि के लिए ब्यौरे वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए इस विवरण में दिए जाएँ। समाधान विवरण प्रत्येक जीएसटीआईएन के लिए पृथक् रूप से फाइल किया जाए।
 - इस विवरण में चालू वित्तीय वर्ष के प्रति निर्देश, उस वित्तीय वर्ष से है, जिसके लिए समाधान विवरण फाइल किया जा रहा है।
 - भाग-2, इस जीएसटीआईएन के लिए प्ररूप जीएसटीआर-9 के अधीन प्रस्तुत रिटर्न में यथाघोषित आवर्त सहित संपरीक्षित वार्षिक विवरणों में घोषित वार्षिक आवर्त के समाधान से मिलकर बना है। इस भाग को भरने के लिए अनुदेश निम्नानुसार है :

सारणी

अनुदेश

सं0

- 5क. वार्षिक संपरीक्षित वित्तीय विवरणों के अनुसार आवर्त यहाँ घोषित किया जाएगा। ऐसे मामले हो सकते हैं, जहाँ बहु जीएसटीआईएन (राज्यवार) रजिस्ट्रीकरण एक ही स्थायी लेखा संख्या पर विद्यमान है। यह बहु राज्यों पर विद्यमानता वाले व्यक्तियों/अस्तित्वों के लिए सामान्य है। ऐसे व्यक्तियों/अस्तित्वों को अपना जीएसटीआईएन वार आवर्त आन्तरिक रूप से प्राप्त करना होगा और उसे यहाँ घोषित करना होगा। इसके अन्तर्गत निर्यात आवर्त (यदि कोई हो) भी होगा। यह नोट किया जाए कि संपरीक्षित वित्तीय विवरण के प्रति निर्देश के अन्तर्गत बहुराज्यों पर विद्यमानता रखने वाले व्यक्तियों/अस्तित्वों के मामले में लेखाबहियों के प्रति निर्देश भी है।
- 5ख. ऐसा बिना तैयार किया गया बिल वाला राजस्व, जो पिछले वित्तीय वर्ष में लेखांकन की प्रोद्भवन प्रणाली आधार पर लेखाबहियों में अभिलिखित किया गया था और चालू वित्तीय वर्ष में अग्रनीत किया गया था, यहाँ घोषित किया जाएगा। अन्य शब्दों में, जब वस्तु और माल सेवा कर ऐसे राजस्व (जो पहले मान्यताप्राप्त था) पर वित्तीय वर्ष के दौरान संदेय है, तब ऐसे राजस्व का मूल्य यहाँ घोषित किया जायेगा।
(उदाहरणार्थ, यदि वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए विद्यमान बिना तैयार किए गए बिल वाला राजस्व दस करोड़ रुपये का है और चालू वित्तीय वर्ष के दौरान ऐसे राजस्व के चार करोड़ रुपये पर वस्तु और सेवा कर का संदाय दिया गया है तो चार करोड़ रुपये का मूल्य यहाँ घोषित किया जाएगा।)
- 5ग. ऐसे सभी अग्रिमों का मूल्य, जिनके लिए माल और सेवा कर का संदाय किया गया है, किन्तु उसे संपरीक्षित वार्षिक वित्तीय विवरणों में राजस्व के रूप में मान्यता नहीं दी गई है, यहाँ घोषित किया जाएगा।
- 5घ. उत्तराखण्ड माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 की अनुसूची-1 के अधीन समझे गए पूर्तियों का मूल्य यहाँ घोषित किया जाएगा। समझी गई ऐसी कोई पूर्ति, जो वार्षिक संपरीक्षित वित्तीय विवरणों में आवर्त का पहले से ही भाग है, उसे यहाँ सम्मिलित किया जाना अपेक्षित नहीं है।
- 5ङ. चालू वित्तीय वर्ष में सम्मिलित किसी पूर्ति के लिए 31 मार्च के पश्चात् जारी प्रत्यय नोटों का सकल मूल्य, किन्तु ऐसे प्रत्यय नोट वार्षिक विवरणी (जीएसटीआर-9) में परिलक्षित हुए थे, यहाँ घोषित किया जाएगा।
- 5च. व्यापार छूटें, जिसका वार्षिक संपरीक्षित वित्तीय कथनों में लेखा-जोखा दिया गया है किन्तु इन पर माल और सेवा कर उदग्रहणीय था) अनुज्ञेय नहीं (यहाँ घोषित की जायेगी)।
- 5छ. अप्रैल, 2017 से जून, 2017 तक वार्षिक संपरीक्षित वित्तीय कथनों में सम्मिलित आवर्त यहाँ घोषित किया जाएगा।
~~यहाँ घोषित किया जाएगा।~~
- 5ज. सभी अग्रिमों का मूल्य, जिसके लिए माल और सेवा कर संदेय नहीं किया गया है, किन्तु जिसे वार्षिक संपरीक्षित वित्तीय कथनों में राजस्व के रूप में मान्यता दी गई है, यहाँ घोषित किया जाएगा।
- 5ज. प्रत्यय नोटों का सकल मूल्य, जिसका लेखा-जोखा संपरीक्षित वार्षिक वित्तीय कथनों में दिया गया है किन्तु यह उत्तराखण्ड माल और सेवा कर अधिनियम की धारा 34 के अधीन अनुज्ञेय नहीं था, यहाँ घोषित किया जाएगा।
- 5ट. एसईजेड द्वारा जीटीए यूनिटों को प्रदाय किए गए सभी मालों का सकल मूल्य, जिसके लिए जीटीए यूनिटों ने ~~यहाँ घोषित किया जाएगा।~~
- 5ड. ऐसे मामले हो सकते हैं, जिसमें रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति चालू वित्तीय वर्ष के दौरान संघटक स्कीम से बाहर होने का विकल्प ले सकते हैं। वार्षिक संपरीक्षित वित्तीय कथन के अनुसार उनके आवर्त में संघटक करदाता के साथ-साथ सामान्य करदाता, दोनों के रूप में आवर्त सम्मिलित होगा। इसलिए, वह आवर्त, जिसके लिए संघटक स्कीम के अधीन माल और सेवा संदेय किया गया था, यहाँ घोषित किया जाएगा।

- 5ड. ऐसे मामले हो सकते हैं, जहाँ उत्तराखण्ड माल और सेवा अधिनियम, 2017 की धारा 15 के और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन मूल्यांकन सिद्धान्तों के कारण कराधेय मूल्य और बीजक मूल्य में अन्तर हो सकता है। इसलिए वार्षिक विवरण (जीएसटीआर 9) तथा वार्षिक संपरीक्षित वित्तीय कथनों में रिपोर्ट किए गए आवर्तों के बीच अन्तर के कारण प्रदायों का मूल्यांकन यहाँ घोषित किया जाएगा।
- 5ढ. विदेशी विनिमय घटबढ़ के कारण वार्षिक विवरणी (जीएसटीआर 9) तथा वार्षिक संपरीक्षित वित्तीय कथनों में रिपोर्ट किए गए आवर्तों के बीच अन्तर, यहाँ घोषित किया जाएगा।
- 5ण. ऊपर सूचीबद्ध नहीं किए गए कारणों के कारण वार्षिक विवरणी (जीएसटीआर 9) तथा वार्षिक संपरीक्षित वित्तीय कथनों में रिपोर्ट किए गए आवर्तों के बीच अन्तर, यहाँ घोषित किया जाएगा।
- 5थ. वार्षिक विवरणी (जीएसटीआर 9) में घोषित किया गया वार्षिक आवर्त, यहाँ घोषित किया जाएगा। यह आवर्त वार्षिक विवरणी (जीएसटीआर 9) के क्रम संख्यांक 5ढ, 10 और 11 से व्युत्पन्न हो सकेगा।
6. वार्षिक संपरीक्षित वित्तीय कथनों में घोषित वार्षिक आवर्त और वार्षिक विवरणी (जीएसटीआर 9) में घोषित आवर्त के बीच गैर-समाधान के कारणों को यहाँ विनिर्दिष्ट किया जाएगा।
7. वार्षिक विवरणी (जीएसटीआर 9) में घोषित कराधेय आवर्त के साथ समायोजन के पश्चात् संपरीक्षित वार्षिक आवर्त से कराधेय आवर्त के समाधान के लिए सारणी उपबंध करती है।
- 7क. सारणी 5त में यथा व्युत्पन्न वार्षिक विवरणी बिना हस्तक्षेप के यहाँ भरी जाएगी।
- 7ख. छूट प्राप्त, शून्य दर, गैर-माल और सेवा कर और पूर्ति बिना आवर्त, यहाँ घोषित किया जाएगा। इसमें प्रत्यय नोटों, नामे नोट और संशोधनों, यदि कोई हों, को रिपोर्ट किया जाएगा।
- 7ग. शून्य दर पूर्ति का मूल्य (एसईजेड को प्रदाय समेत) जिस पर कर संदत्त नहीं किया गया है, यहाँ घोषित किया जाएगा। इसमें प्रत्यय नोटों, नामे नोट और संशोधनों, यदि कोई हों, को रिपोर्ट किया जाएगा।
- 7घ. विपरीत प्रभार पूर्ति का मूल्य, जिस पर प्राप्तिकर्ता द्वारा कर का संदाय किया जाना है, यहाँ घोषित किया जाएगा। इसमें प्रत्यय नोटों, नामे नोट और संशोधनों, यदि कोई हों, को रिपोर्ट किया जाएगा।
- 7ङ. कराधेय आवर्त को ऊपर सारणी 7क में घोषित समायोजन के पश्चात् वार्षिक आवर्त और सारणी 7ख, सारणी 7ग और सारणी 7घ में ऊपर घोषित सभी पूर्तियों के कुल मूल्य (छूट प्राप्त, गैर-माल और सेवा कर, विपरीत प्रभार आदि) के बीच अन्तर के रूपमें व्युत्पन्न माना जाता है।
- 7च. वार्षिक विवरणी (जीएसटीआर 9) की सारणी 4ढ में घोषित किया गया कराधेय आवर्त, यहाँ घोषित किया जाएगा।
8. समायोजित वार्षिक कराधेय आवर्त, जैसा ऊपर सारणी 7ङ से व्युत्पन्न है और सारणी 7च में घोषित कराधेय आवर्त के बीच गैर-समाधान के कारणों को यहाँ विनिर्दिष्ट किया जाएगा।
5. भाग 3 का समाधान कथन में घोषणा के अनुसार संदेय कर के समाधान और वार्षिक विवरणी (जीएसटीआर 9) में घोषित वास्तविक संदत्त कर से मिलकर बना है। इस भाग को भरने के लिए अनुदेश निम्नानुसार हैं:-

सारणी	अनुदेश
सं0	
9.	सारणी समाधान कथन के अनुसार संदत्त कर के समाधान और वार्षिक विवरणी (जीएसटीआर 9) में घोषित संदत्त कर की रकम का उपबंध करती है। "आरसी" के रूप में चिह्नित मद के अधीन पूर्ति, जहाँ प्राप्तिकर्ता (अर्थात् वह व्यक्ति, जिसके लिए समाधान कथन तैयार किया गया है) द्वारा कर का संदाय विपरीत प्रभार के आधार पर किया गया था, यहाँ घोषित किया जाएगा।
9त.	सारणी 9क से 9ण में घोषित दायित्व के अनुसार संदत्त की जाने वाली कुल रकम यहाँ बिना हस्तक्षेप के भरी जाएगी।
9थ.	वार्षिक विवरणी (जीएसटीआर 9) की सारणी 9 में घोषित संदेय रकम, यहाँ घोषित की जाएगी। इसमें वार्षिक विवरणी (जीएसटीआर 9) की सारणी 10 या 11 में संदत्त कोई अन्तर वाला कर भी अंतर्विष्ट होना चाहिए।
10.	ऊपर सारणी 9त में घोषित संदेय/दायित्व के बीच गैर-समाधान के लिए कारण तथा सारणी 9थ में संदेय रकम यहाँ विनिर्दिष्ट की जाएगी।
11.	ऊपर सारणी 6, 8 और 10 के अधीन विनिर्दिष्ट कारणों से संदेय कोई रकम, यहाँ घोषित की जाएगी।

6. भाग 4 इनपुट कर प्रत्यय (आईटीसी) के समाधान से मिलकर बना है। भाग 4 को भरने के लिए अनुदेश निम्नानुसार हैं:-

सारणी सं.	अनुदेश
12क.	संपरीक्षित वित्तीय कथनों के अनुसार उपभोग की गई आईटीसी (प्रत्यागप्र के पश्चात्), यहां घोषित की जाएगी। ऐसे मामले हो सकते हैं, जहां बहु जीएसटीआईएन (राज्यवार) रजिस्ट्रीकरण एक ही पीएन पर विद्यमान हो सकते हैं। यह कई राज्यों में उपस्थिति वाले व्यक्तियों/अस्तित्वों के लिए सामान्य है। ऐसे व्यक्ति/अस्तित्व को प्रत्येक व्यक्तिगत जीएसटीआईएन के लिए अपनी आईटीसी आंतरिक रूप से व्युत्पन्न करनी होगी और उसे यहां घोषित करना होगा। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि संपरीक्षित वित्तीय कथन के प्रतिनिर्देश में कई राज्यों में उपस्थिति रखने वाले व्यक्तियों/अस्तित्वों के मामले में लेखा बहियों के प्रतिनिर्देश सम्मिलित है।
12ख.	कोई आईटीसी, जिसे पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के संपरीक्षित वित्तीय कथनों में लेखबद्ध किया गया किंतु उसका उपभोग उस वित्तीय वर्ष के आईटीसी लेजर में किया गया, जिसके लिए समाधान कथन फाइल किया जा रहा है, यहां घोषित किया जाएगा। इसमें वह संक्रमण प्रत्यय भी सम्मिलित होगा, जिसे पूर्ववर्ती वर्ष में लेखबद्ध किया गया था किंतु उसका उपभोग वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान किया गया।
12ग.	कोई आईटीसी, जिसे चालू वित्तीय वर्ष के वार्षिक संपरीक्षित वित्तीय कथन में लेखबद्ध किया गया है किंतु जिसका प्रत्यय उक्त वित्तीय वर्ष के लिए आईटीसी लेजर में नहीं किया गया है, यहां घोषित किया जाएगा।
12घ.	वार्षिक संपरीक्षित वित्तीय कथन या लेखाबहियों के अनुसार उपभोग आईटीसी, जो ऊपर सारणी 12क, 12ख और 12ग में घोषित मूल्यों से व्युत्पन्न है, यहां बिना हस्तक्षेप के भरा जाएगा।
12ङ.	वार्षिक विवरणी (जीएसटीआर 9) की सारणी 7ज में घोषित उपयोग के लिए उपलब्ध कुल आईटीसी, यहां घोषित किया जाएगा।
13.	वार्षिक संपरीक्षित वित्तीय कथन या लेखा बहियों (सारणी 12घ) और वार्षिक विवरणी (जीएसटीआर 9) में उपभोग कुल आईटीसी (सारणी 12ङ) के अनुसार आईटीसी के गैर-समाधान के कारण यहां विनिर्दिष्ट किए जाएंगे।
14.	यह सारणी वार्षिक संपरीक्षित वित्तीय कथन या लेखा बहियों में लेखबद्ध व्ययों के लिए वार्षिक विवरणी (जीएसटीआर 9) में घोषित आईटीसी के समाधान के लिए है। इस सारणी के अधीन विनिर्दिष्ट विभिन्न उपाय वार्षिक संपरीक्षित वित्तीय कथन या लेखा बहियों में साधारण व्यय हैं, जिन पर आईटीसी का उपभोग किया या नहीं किया जा सकेगा और यह मदों की केवल एक प्रतिकारत्मक सूची है, जिसके अधीन व्ययों को साधारणतया लेखबद्ध किया जाता है। करदाता इनमें से किन्हीं मदों को जोड़ या हटा सकते हैं किंतु व्ययों के सभी मद, जिन पर माल और सेवा कर का संदाय किया गया है/संदेय है, यहां घोषित किया जाएगा।
14द.	सारणी 14क से 14थ तक घोषित कुल आईटीसी, जहां बिना हस्तक्षेप के भरी जाएगी।
14ध.	वार्षिक विवरण (जीएसटीआर 9) में घोषित उपभोग की गई कुल आईटीसी यहां घोषित की जाएगी। वार्षिक विवरण (जीएसटीआर 9) की सारणी 7ज को इस सारणी को फाइल करने के लिए प्रयोग किया जा सकेगा।
15.	सारणी 12द में घोषित विभिन्न व्ययों पर उपभोग की गई आईटीसी और सारणी 12घ में घोषित आईटीसी के बीच गैर-समाधान के कारण यहां विनिर्दिष्ट किए जाएंगे।
16.	सारणी 13 और सारणी 15 में ऊपर विनिर्दिष्ट कारणों के कारण संदेय कोई रकम, यहां घोषित की जाएगी।

7. भाग 5 आवर्त के गैर-समाधान या इनपुट कर प्रत्यय के गैर-समाधान के कारण करदाता द्वारा निर्धारित किया जाने वाले प्रतिशत वास्तविक पर संपरीक्षक की सिफारिश से मिलकर बना है। संपरीक्षक यह भी सिफारिश करेगा कि क्या प्रदाय के लिए संदेय की जाने वाली कोई और रकम वार्षिक विवरणी में सम्मिलित नहीं है। कोई प्रतिदाय, जिसे वृत्तिपूर्ण ढंग से लिया गया है और जिसे सरकार को वापस संदाय किया जाएगा, उसे भी इस सारणी में घोषित किया जाएगा। अंतः में कोई अन्य बकाया मांगे, जिनके निपटारे की सिफारिश संपरीक्षक द्वारा की गई है, इस सारणी में घोषित की जाएगी।

8. समाधान कथन के अंत में करदाताओं को संपरीक्षक द्वारा सिफारिश किए गए अनुसार अपने करों के संदेय का विकल्प दिया जा सकेगा।

* भाग-ख प्रमाणीकरण

1. उन मामलों में प्रमाणीकरण, जहां समाधान कथन (प्ररूप जीएसटीआर 9ग) उस व्यक्ति द्वारा तैयार किया जाता है, जिसने संपरीक्षा का संबालन किया है:

* मैने/हमने:-

(क) को तुलन-पत्र की;

(ख) से आरंभ होने वाले और को समाप्त होने वाली अवधि के लिए * लाभ और हानि लेखा और/आय और व्यय लेखा की;

(ग) यहाँ संलग्न.....से आरम्भ होने वाली औरको समाप्त होने वाली अवधि के लिए नकद प्रवाह कथन, मैसर्स.....(नाम).....(पता).....(जीएसटीआईएन) की;

2. हमारी संपरीक्षा के आधार पर मैं/हम यह रिपोर्ट करते हैं कि उक्त रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति—

* ने एकीकृत माल और सेवा कर/केंद्रीय माल और सेवा कर/उत्तराखण्ड माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 और उसके अधीन बनाए गए नियमों/जारी की गई अधिसूचनाओं द्वारा यथा अपेक्षित लेखा बहियों, अभिलेखों और दस्तावेजों को रखा है।

* ने एकीकृत माल और सेवा कर/केंद्रीय माल और सेवा कर/उत्तराखण्ड माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 और उसके अधीन बनाए गए नियमों/जारी की गई अधिसूचनाओं द्वारा यथा अपेक्षित लेखा बहियों, अभिलेखों और दस्तावेजों को रखा है।

1.

2.

3.

3. (क) * मैं/हम निम्नलिखित प्रेक्षकों/टिप्पणियों/कमियों/असंगतताओं, यदि कोई हों, को रिपोर्ट करते हैं :-

3. (ख) * मैं/हम यह और रिपोर्ट करते हैं कि, :-

(अ) * मैंने/हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो मेरे/हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार संपरीक्षा/जानकारी और स्पष्टीकरणों के लिए आवश्यक थे, जो मेरे/हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास से संपरीक्षा के प्रयोजन के लिए आवश्यक थे, हमें प्रदान नहीं किए गए/आंशिक रूप से प्रदान किए गए।

(आ) मेरी/हमारी राय में जहाँ तक बहियों के मेरी/हमारी परीक्षा से प्रकट होता है, रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति द्वारा दंग से लेखा बहियों को रखा गया है/नहीं रखा गया है।

(इ) मैं/हम यह प्रमाणित करते हैं कि तुलन-पत्र, लाभ और हानि/आय और व्यय लेखा तथा नकद प्रवाह कथन राज्य के भीतर.....पर कारबार के मुख्य स्थान औरकारबार के अतिरिक्त स्थान पर रखी गई लेखा बहियों के अनुसार हैं/के अनुसार नहीं हैं।

4. उत्तराखण्ड माल और सेवा कर अधिनियम की धारा 35(5) के अधीन प्रस्तुत किए जाने के लिए अपेक्षित दस्तावेज और उत्तराखण्ड माल और सेवा कर अधिनियम की धारा 44(2) के अधीन प्रस्तुत किए जाने के लिए अपेक्षित समाधान कथन प्रारूप सं0 जीएसटीआर 9ग के साथ संलग्न है।

5. *मेरी/हमारी राय में और *मेरी/हमारी सर्वोत्तम जानकारी में और मुझे/हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार निम्नलिखित प्रेक्षकों/अहंताओं, यदि कोई हों, के अध्यक्षीन उक्त प्रारूप सं0 जीएसटीआर 9ग में दी गई विशिष्टियाँ सत्य और सही हैं :

(क)

(ख)

(ग)

** (संपरीक्षक के हस्ताक्षर और मुहर/सील)

स्थान :

हस्ताक्षरी का नाम

सदस्यता सं0

तारीख

II. उन मामलों में प्रमाणीकरण, जहाँ समाधान कथन (प्ररूप जीएसटीआर 9ग) उस व्यक्ति से भिन्न व्यक्ति द्वारा तैयार किया जाता है, जिसने संपरीक्षा का संचालन किया है :

* मैं/हम रिपोर्ट करते हैं कि मैसर्स.....(जीएसटीआईएन के साथ निर्धारिती का नाम और पता) की लेखा बहियों और वित्तीय कथनों की संपरीक्षाअधिनियम के उपबंधों के अनुसरण में सदस्यता सं0.....धारण करने वाले मैसर्स.....(प्रास्थिति के साथ संपरीक्षक का पूरा नाम और पता) द्वारा की गई थी और * मैं/हम निम्नलिखित की एक प्रति के साथ.....तारीख को उनकी संपरीक्षा रिपोर्ट की एक प्रति इसके साथ संलग्न करते हैं।

(क)को तुलन-पत्र;

(ख)से आरम्भ होने वाले और.....को समाप्त होने वाली अवधि के लिए *लाभ और हानि लेखा और/आय और व्यय लेखा;

(ग)से आरम्भ होने वाली और.....को समाप्त होने वाली अवधि के लिए नकद प्रवाह कथन; और

(घ) उक्त अधिनियम द्वारा *लाभ और हानि लेखा/आय और व्यय लेखा तथा तुलन-पत्र के भाग के रूप में या उससे संलग्न घोषित किए गए दस्तावेज।

2. मैं/हम यह रिपोर्ट करते हैं कि उक्त रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति—

* ने एकीकृत माल और सेवा कर/केंद्रीय माल और सेवा कर/उत्तराखण्ड माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 और उसके अधीन बनाए गए नियमों/जारी की गई अधिसूचनाओं द्वारा यथा अपेक्षित लेखा बहियों, अभिलेखों और दस्तावेजों को रखा है।

* ने एकीकृत माल और सेवा कर/केंद्रीय माल और सेवा कर/उत्तराखण्ड माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 और उसके अधीन बनाए गए नियमों/जारी की गई अधिसूचनाओं द्वारा यथा अपेक्षित लेखा बहियों, अभिलेखों और दस्तावेजों को रखा है।

1.

2.

3.

3. उत्तराखण्ड माल और सेवा कर अधिनियम की धारा 25(5) के अधीन प्रस्तुत किए जाने के लिए अपेक्षित दस्तावेज और उत्तराखण्ड माल और सेवा कर अधिनियम की धारा 44(2) के अधीन प्रस्तुत किए जाने के लिए अपेक्षित समाधान कथन प्ररूप सं0 जीएसटीआर 9ग के साथ संलग्न है।

4. *मेरी/हमारी राय में और *मेरी/हमारी सर्वोत्तम जानकारी में और अन्य सुसंगत दस्तावेजों समेत लेखा बहियों की परीक्षा के अनुसार और मुझे/हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार निम्नलिखित प्रेक्षकों/अर्हताओं, यदि कोई हों, के अध्यक्षीन उक्त प्रारूप सं0 जीएसटीआर 9ग में दी गई विशिष्टियाँ सत्य और सही है :

(क)

(ख)

(ग)

*** संपरीक्षक के हस्ताक्षर और मुहर/सील

स्थान :

हस्ताक्षरी का नाम

तारीख :

पूरा पता

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Notification **No. 857/2018/16(120)/XXVII(8)/2018/CT-49**, dated September 27, 2018 for general information.

NOTIFICATION

September 27, 2018

No. 857/2018/16(120)/XXVII(8)/2018/CT-49--In exercise of the powers conferred by section 164 of the Uttarakhand Goods and Services Tax Act, 2017 (06 of 2017) read with section 21 of Uttar Pradesh General Clause Act, 1904 (Act No. 1 of 1904) (as applicable in the State of Uttarakhand), the Governor is pleased to make the following rules to further amend the Uttarakhand Goods and Services Tax Rules, 2017, namely:--

The Uttarakhand Goods and Services Tax (Tenth Amendment) Rules, 2018**Short title and Commencement**

- 1.(1) These rules may be called the Uttarakhand Goods and Services Tax (Tenth Amendment) Rules, 2018.
- (2) They shall come into force from the 13th day of September, 2018.

Insertion of FORM

2. In Forms of the Uttarakhand Goods and Services Tax Rules, 2017 (hereinafter referred to as the principal rules), after **FORM GSTR-9A**, the following shall be inserted, namely :--

FORM GSTR-9C

See rule 80(3)

PART-A**Reconciliation Statement**

Pt. I	Basic Details	
1.	Financial Year	
2.	GSTIN	
3A.	Legal Name	< Auto >
3B.	Trade name (if any)	< Auto >
4.	Are you liable to audit under any Act? << Please specify >>	
		(Amount in ₹ in all tables)
Pt. II	Reconciliation of turnover declared in audited Annual Financial Statement with turnover declared in Annual Return (GSTR 9)	
5.	Reconciliation of Gross Turnover	
A.	Turnover (including exports) as per audited financial statements for the State/UT (For multi-GSTIN units under same PAN the turnover shall be derived from the audited Annual Financial Statement)	
B.	Unbilled revenue at the beginning of Financial Year	(+)
C.	Unadjusted advances at the end of the Financial Year	(+)
D.	Deemed Supply under Schedule I	(+)
E.	Credit Notes issued after the end of the financial year but reflected in the annual return	(+)
F.	Trade Discounts accounted for in the audited Annual Financial Statement but are not permissible under GST	(+)

G.	Turnover from April, 2017 to June, 2017	(-)				
H.	Unbilled revenue at the end of Financial Year	(-)				
I.	Unadjusted Advances at the beginning of the Financial Year	(-)				
J.	Credit notes accounted for in the audited Annual Financial Statement but are not permissible under GST	(-)				
K.	Adjustments on account of supply of goods by SEZ units to DTA Units	(-)				
L.	Turnover for the period under composition scheme	(-)				
M.	Adjustments in turnover under section 15 and rules there under	(+/-)				
N.	Adjustments in turnover due to foreign exchange fluctuations	(+/-)				
O.	Adjustments in turnover due to reasons not listed above	(+/-)				
P.	Annual turnover after adjustments as above	< Auto >				
Q.	Turnover as declared in Annual Return (GSTR 9)					
R.	Un-Reconciled turnover (Q-P)	AT 1				
6.	Reasons for Un-Reconciled difference in Annual Gross Turnover					
A.	Reason 1	<< Text >>				
B.	Reason 2	<< Text >>				
C.	Reason 3	<< Text >>				
7.	Reconciliation of Taxable Turnover					
A.	Annual turnover after adjustments (from 5P above)	< Auto >				
B.	Value of Exempted, Nil Rated, Non-GST supplies, No-Supply turnover					
C.	Zero-rated supplies without payment of tax					
D.	Supplies on which tax is to be paid by the recipient on reverse charge basis					
E.	Taxable turnover as per adjustments above (A-B-C-D)					
F.	Taxable turnover as per liability declared in Annual Return (GSTR 9)					
G.	Unreconciled taxable turnover (F-E)	AT 2				
8.	Reasons for Un-Reconciled difference in taxable turnover					
A.	Reason 1	<< Text >>				
B.	Reason 2	<< Text >>				
C.	Reason 3	<< Text >>				
Pt. III	Reconciliation of tax paid					
9.	Reconciliation of rate wise liability and amount payable thereon					
	Description	Taxable value	Central tax	State tax/UT tax	Integrated Tax	Cess. if applicable
	1	2	3	4	5	6
A.	5%					
B.	5%(RC)					
C.	12%					
D.	12%(RC)					

	1	2	3	4	5	6
E.	18%					
F.	18%(RC)					
G.	28%					
H.	28%(RC)					
I.	3%					
J.	0.25%					
K.	0.10%					
L.	Interest					
M.	Late Fee					
N.	Penalty					
O.	Others					
P.	Total amount to be paid as per tables above		< Auto >	< Auto >	< Auto >	< Auto >
Q.	Total amount paid as declared in Annual Return (GSTR 9)					
R.	Un-reconciled payment of amount					PT 1
10.	Reasons for un-reconciled payment of amount					
A.	Reason-1	<< Text >>				
B.	Reason 2	<< Text >>				
C.	Reason 3	<< Text >>				
11.	Additional amount payable but not paid (due to reasons specified under Tables 6, 8 and 10 above)					
	Description	Taxable Value	Central tax	State tax/ UT tax	Integrated tax	Cess, If applicable
	1	2	3	4	5	6
	5%					
	12%					
	18%					
	28%					
	3%					
	0.25%					
	0.10%					
	Interest					
	Late Fee					
	Penalty					
	Others (please specify)					

Pt. IV	Reconciliation of Input Tax Credit (ITC)			
12.	Reconciliation of Net Input Tax Credit (ITC)			
A.	ITC availed as per audited Annual Financial Statement for the State/UT (For multi-GSTIN units under same PAN This should be derived from books of accounts)			
B.	ITC booked in earlier Financial Years claimed in current Financial Year	(+)		
C.	ITC booked in current Financial Year to be claimed in subsequent Financial Years	(-)		
D.	ITC availed as per audited financial statements or books of account			< Auto >
E.	ITC claimed in Annual Return (GSTR 9)			
F.	Un-reconciled ITC			ITC 1
13.	Reasons for un-reconciled difference in ITC			
A.	Reason 1	<< Text >>		
B.	Reason 2	<< Text >>		
C.	Reason 3	<< Text >>		
14.	Reconciliation of ITC declared in Annual Return (GSTR 9) with ITC availed on expenses as per audited Annual Financial Statement or books of account			
	Description	Value	Amount of Total ITC	Amount of eligible ITC-availed
	1	2	3	4
A.	Purchases			
B.	Freight/Carriage			
C.	Power and Fuel			
D.	Imported goods (Including received from SEZs)			
E.	Rent and Insurance			
F.	Goods lost, stolen, destroyed, written off or disposed of by way of gift or free samples			
G.	Royalties			
H.	Employees' Cost (Salaries, wages, Bonus etc.)			
I.	Conveyance charges			
J.	Bank Charges			
K.	Entertainment Charges			
L.	Stationery Expenses (including postage etc.)			
M.	Repair and Maintenance			

	1	2	3	4		
N.	Other Miscellaneous expenses					
O.	Capital goods					
P.	Any other expense 1					
Q.	Any other expense 2					
R.	Total amount of eligible ITC availed			<< Auto >>		
S.	ITC claimed in Annual Return (GSTR 9)					
T.	Un-reconciled ITC			ITC 2		
15.	Reasons for un-reconciled difference in ITC					
A.	Reason 1	<< Text >>				
B.	Reason 2	<< Text >>				
C.	Reason 3	<< Text >>				
16.	Tax payable on un-reconciled difference in ITC (due to reasons specified in 13 and 15 above)					
	Description	Amount Payable				
	Central Tax					
	State/UT Tax					
	Integrated Tax					
	Cess					
	Interest					
	Penalty					
Pt. V	Auditor's recommendation on additional Liability due to non-reconciliation					
			To be paid through Cash			
	Description	Value	Central tax	State tax/ UT tax	Integrated tax	Cess, if applicable
	1	2	3	4	5	6
	5%					
	12%					
	18%					
	28%					
	3%					
	0.25%					
	0.10%					
	Input Tax Credit					
	Interest					
	Late Fee					
	Penalty					

	1	2	3	4	5	6
	Any other amount paid for supplies not included in Annual Return (GSTR 9)					
	Erroneous refund to be paid back					
	Outstanding demands to be settled					
	(Other (Pl. specify)					

Verification :

I hereby solemnly affirm and declare that the information given herein above is true and correct to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed there from.

**** (Signature and stamp/Seal of the Auditor)**

Place :

Name of the signatory.....

Membership-No.

Date :

Full address

Instructions :-**1. Terms used :**

(a) GSTIN : Goods and Services Tax Identification Number.

2. The details for the period between July 2017 to March 2018 are to be provided in this statement for the financial year 2017-18. The reconciliation statement is to be filed for every GSTIN separately.

3. The reference to current financial year in this statement is the financial year for which the reconciliation statement is being filed for.

with the turnover as declared in the Annual Return furnished in FORM GSTR-9 for this GSTIN. The instructions to fill this part are as follows :-

Table No.	Instructions
5A.	The turnover as per the audited Annual Financial Statement shall be declared here. There may be cases where multiple GSTINs (State-wise) registrations exist on the same PAN. This is common for persons/entities with presence over multiple States.

Table No.	Instructions
	Such persons/entities, will have to internally derive their GSTIN wise turnover and declare the same here. This shall include export turnover (if any). It may be noted that reference to audited Annual Financial Statement includes reference to books of accounts in case of persons/entities having presence over multiple States.
5B.	Unbilled revenue which was recorded in the books of accounts on the basis of accrual system of accounting in the last financial year and was carried forward to the current financial year shall be declared here. In other words, when GST is payable during the financial year on such revenue (which was recognized earlier), the value of such revenue shall be declared here. (For example, if rupees Ten Crores of unbilled revenue existed for the financial year 2016-17 and during the current financial year, GST was paid on rupees Four Crores of such revenue, then value of rupees Four Crores rupees shall be declared here)
5C.	Value of all advances for which GST has been paid but the same has not been recognized as revenue in the audited Annual Financial Statement shall be declared here.
5D.	Aggregate value of deemed supplies under Schedule I of the Uttarakhand GST Act, 2017 shall be declared here. Any deemed supply which is already part of the turnover in the audited Annual Financial Statement is not required to be included here.
5E.	Aggregate value of credit notes which were issued after 31 st of March for any supply accounted in the current financial year but such credit notes were reflected in the annual return (GSTR-9) shall be declared here.
5F.	Trade discounts which are accounted for in the audited Annual Financial Statement but on which GST was leviable (being not permissible) shall be declared here.
5G.	Turnover included in the audited Annual Financial Statement for April 2017 to June 2017 shall be declared here.
5H.	Unbilled revenue which was recorded in the books of accounts on the basis of accrual system of accounting during the current financial year but GST was not payable on such revenue in the same financial year shall be declared here.
5I.	Value of all advances for which GST has not been paid but the same has been recognized as revenue in the audited Annual Financial Statement shall be declared here.
5J.	Aggregate value of credit notes which have been accounted for in the audited Annual Financial Statement but were not admissible under Section 34 of the Uttarakhand GST Act shall be declared here.
5K.	Aggregate value of all goods supplied by SEZs to DTA units for which the DTA units have filed bill of entry shall be declared here.
5L.	There may be cases where registered persons might have opted out of the composition scheme during the current financial year. Their turnover as per the audited Annual Financial Statement would include turnover both as composition taxpayer as well as normal taxpayer. Therefore, the turnover for which GST was paid under the composition scheme shall be declared here.

Table No.	Instructions
5M.	There may be cases where the taxable value and the invoice value differ due to valuation principles under section 15 of the Uttarakhand GST Act, 2017 and rules there under. Therefore, any difference between the turnover reported in the Annual Return (GSTR 9) and turnover reported in the audited Annual Financial Statement due to difference in valuation of supplies shall be declared here.
5N.	Any difference between the turnover reported in the Annual Return (GSTR 9) and turnover reported in the audited Annual Financial Statement due to foreign exchange fluctuations shall be declared here.
5O.	Any difference between the turnover reported in the Annual Return (GSTR 9) and turnover reported in the audited Annual Financial Statement due to reasons not listed above shall be declared here.
5Q.	Annual turnover as declared in the Annual Return (GSTR 9) shall be declared here. This turnover may be derived from Sr. No. 5N, 10 and 11 of Annual Return (GSTR 9).
6.	Reasons for non-reconciliation between the annual turnover declared in the audited Annual Financial Statement and turnover as declared in the Annual Return (GSTR 9) shall be specified here.
7.	The table provides for reconciliation of taxable turnover from the audited annual turnover after adjustments with the taxable turnover declared in annual return (GSTR-9).
7A.	Annual turnover as derived in Table 5P above would be auto-populated here.
7B.	Value of exempted, nil rated, non-GST and no-supply turnover shall be declared here. This shall be reported net of credit notes, debit notes and amendments if any.
7C.	Value of zero rated supplies (including supplies to SEZs) on which tax is not paid shall be declared here. This shall be reported net of credit notes, debit notes and amendments if any.
7D.	Value of reverse charge supplies on which tax is to be paid by the recipient shall be declared here. This shall be reported net of credit notes, debit notes and amendments if any.
7E.	The taxable turnover is derived as the difference between the annual turnover after adjustments declared in Table 7A above and the sum of all supplies (exempted, non-GST, reverse charge etc.) declared in Table 7B, 7C and 7D above.
7F.	Taxable turnover as declared in Table 4N of the Annual Return (GSTR 9) shall be declared here.
8.	Reasons for non-reconciliation between adjusted annual taxable turnover as derived from Table 7E above and the taxable turnover declared in Table 7F shall be specified here.

5. Part III consists of reconciliation of the tax payable as per declaration in the reconciliation statement and the actual tax paid as declared in Annual Return (GSTR 9). The instructions to fill this part are as follows :--

Table No.	Instructions
9.	The table provides for reconciliation of tax paid as per reconciliation statement and amount of tax paid as declared in Annual Return (GSTR 9). Under the head labelled "RC", supplies where tax was paid on reverse charge basis by the recipient (i.e. the person for whom reconciliation statement has been prepared) shall be declared.
9P.	The total amount to be paid as per liability declared in Table 9A to 9O is auto populated here.
9Q.	The amount payable as declared in Table 9 of the Annual Return (GSTR 9) shall be declared here. It should also contain any differential tax paid on Table 10 or 11 of the Annual Return (GSTR 9).
10.	Reasons for non-reconciliation between payable/liability declared in Table 9P above and the amount payable in Table 9Q shall be specified here.
11.	Any amount which is payable due to reasons specified under Table 6, 8 and 10 above shall be declared here.

6. Part IV consists of reconciliation of Input Tax Credit (ITC). The instructions to fill Part IV are as under :--

Table No.	Instructions
12A.	ITC availed (after reversal) as per the audited Annual Financial Statement shall be declared here. There may be cases where multiple GSTINS (State-wise) registrations exist on the same PAN. This is common for persons/entities with presence over multiple States. Such persons/entities, will have to internally derive their ITC for each individual GSTIN and declare the same here. It may be noted that reference to audited Annual Financial Statement includes reference to books of accounts in case of persons/entities having presence over multiple States.
12B.	Any ITC which was booked in the audited Annual Financial Statement of earlier financial year(s) but availed in the ITC ledger in the financial year for which the reconciliation statement is being filed for shall be declared here. This shall include transitional credit which was booked in earlier years but availed during Financial Year 2017-18.
12C.	Any ITC which has been booked in the audited Annual Financial Statement of the current financial year but the same has not been credited to the ITC ledger for the said financial year shall be declared here.
12D.	ITC availed as per the audited Annual Financial Statement or books of accounts as derived from values declared in Table 12A, 12B and 12C above will be auto-populated here.

Table No.	Instructions
12E.	Net ITC available for utilization as declared in Table 7J of Annual Return (GSTR 9) shall be declared here.
13.	Reasons for non-reconciliation of ITC as per audited Annual Financial Statement or books of account (Table 12D) and the net ITC (Table 12E) availed in the Annual Return (GSTR 9) shall be specified here.
14.	This table is for reconciliation of ITC declared in the Annual Return (GSTR 9) against the expenses booked in the audited Annual Financial Statement or books of account. The various sub-heads specified under this table are general expenses in the audited Annual Financial Statement or books of account on which ITC may not be available. Further, this is only an indicative list of heads under which expenses are generally booked. Taxpayers may add or delete any of these heads but all heads of expenses on which GST has been paid/was payable are to be declared here.
14R.	Total ITC declared in Table 14A to 14Q above shall be auto populated here.
14S.	Net ITC availed as declared in the Annual Return (GSTR 9) shall be declared here. Table 7J of the Annual Return (GSTR 9) may be used for filing this Table.
15.	Reasons for non-reconciliation between ITC availed on the various expenses declared in Table 14R and ITC declared in Table 14S shall be specified here.
16.	Any amount which is payable due to reasons specified in Table 13 and 15 above shall be declared here.

7. Part V consists of the auditor's recommendation on the additional liability to be discharged by the taxpayer due to non-reconciliation of turnover or non-reconciliation of input tax credit. The auditor shall also recommend if there is any other amount to be paid for supplies not included in the Annual Return Any refund which has been erroneously taken and shall be paid back to the Government shall also be declared in this table. Lastly, any other outstanding demands which is recommended to be settled by the auditor shall be declared in this Table.
8. Towards, the end of the reconciliation statement taxpayers shall be given an option to pay their taxes as recommended by the auditor.

PART-B

CERTIFICATION

1. **Certification in cases where the reconciliation statement (FORM GSTR-9C) is drawn up by the person who had conducted the audit :**

*I/We have examined the:--

(a) balance sheet as on.....

(b) the *profit and loss account/income and expenditure account for the period beginning from.....
to ending on..... and

(c) the cash flow statement for the period beginning from..... to ending on..... attached
herewith, of M/s..... (Name)
(Address),.....(GSTIN).

2. Based on our audit I/we report that the said registered person:--

*has maintained the books of accounts, records and documents as required by the IGST/CGST/Uttarakhand GST Act, 2017 and the rules/notifications made/issued thereunder

*has not maintained the following accounts/records/documents as required by the IGST/CGST/Uttarakhand GST Act, 2017 and the rules/notifications made/issued thereunder :

1.

2.

3.

3. (a) *I/we report the following observations/comments/discrepancies/inconsistencies; if any :

.....

.....

3. (b) *I/we further report that,--

(A) *I/we have obtained all the information and explanations which, to the best of *my/our knowledge and belief, were necessary for the purpose of the audit/information and explanations which to be best of *my/our knowledge and belief, were necessary for the purpose of the audit were not provided/partially provided to us.

(B) In *my/our opinion, proper books of account*have/have not been kept by the registered person so far as appears from *my/our examination of the books.

(C) I/we certify that the balance sheet, the *profit and loss/income and expenditure account and the cash flow Statement are *in agreement/not in agreement with the books of account maintained at the Principal place of business at..... and ** additional place of business within the State.

4. The documents required to be furnished under section 35(5) of the Uttarakhand GST Act and Reconciliation Statement required to be furnished under section 44(2) of the Uttarakhand GST Act is annexed herewith in Form No. GSTR-9C.

5. In *my/our opinion and to the best of *my/our information and according to explanations given to *me/us, the particulars given in the said Form No. GSTR-9C are true and correct subject to following observations/qualifications, if any :

(a)

(b)

(c)

** (Signature and stamp/Seal of the Auditor)

Place :-

Name of the Signatory

Membership No.

Date :-

Full Address

II. Certification in cases where the reconciliation statement (FORM GSTR-9C) is drawn up by a person other than the person who had conducted the audit of the accounts :

*I/We report that the audit of the books of accounts and the financial statements of M/s.
(Name and address of the assessee with GSTIN) was conducted by M/s.
(full name and address of auditor along with status), bearing membership number in pursuance of the
provisions of theAct, and *I/we annex hereto a copy of their audit report
datedalong with a copy of each of :-

- (a) balance sheet as on.....
- (b) the *profit and loss account/income and expenditure account for the period beginning from.....
to ending on....., and
- (c) the cash flow statement for the period beginning from.....to ending on....., and
- (d) documents declared by the said Act to be part of or annexed to the *profit and loss account/income
and expenditure account and balance sheet.

2. I/we report that the said registered person :--

*has maintained the books of accounts, records and documents as required by the IGST/CGST/
Uttarakhand GST act, 2017 and the rules/notifications made/issued thereunder

*has not maintained the following accounts/records/documents as required by the IGST/CGST/Uttarakhand
GST act, 2017 and the rules/notifications made/issued thereunder :

1.

2.

3.

3. The documents required to be furnished under section 35(5) of the Uttarakhand GST act and Reconciliation Statement required to be furnished under section 44(2) of the Uttarakhand GST Act is annexed herewith in Form No. GSTR-9C.

4. In *my/our opinion and to the best of *my/our information and according to examination of books of account including other relevant documents and explanations given to *me/us, the particulars given in the said Form No. 9C are true and correct subject to the following observations/qualifications, if any :

(a).....

(b).....

(c).....

****(Signature and stamp/Seal of the Auditor)**

Place :

Name of the signatory.....

Membership No.

Date :

Full address.....

अधिसूचना

27 सितम्बर, 2018 ई०

संख्या 858/2018/16(120)/XXVII(8)/2018/CT-50—चूँकि राज्य सरकार का समाधान हो गया है कि लोकहित में ऐसा करना समीचीन है;

अतएव, अब, श्री राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 06) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और उत्तराखण्ड शासन, वित्त अनुभाग-8, की अधिसूचना सं० 919/2017/9(120)XXVII(8)/2017, दिनांक 10 नवम्बर, 2017 को, उन बातों के सिवाय अधिकांश करते हुए, जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पूर्व किया गया है या करने का लोप किया गया है, 01 अक्टूबर, 2018 को उस तारीख के रूप से नियत करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं, जिसको उक्त अधिनियम की धारा 51 के उपबंध, उक्त अधिनियम की धारा 51 की उपधारा (1) के खण्ड (क) और खण्ड (ख) और खण्ड (ग) के अधीन विनिर्दिष्ट व्यक्तियों और उक्त अधिनियम की धारा 51 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अधीन नीचे विनिर्दिष्ट व्यक्तियों के संबंध में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्—

(क) किसी कार्य को करने के लिए साम्या या नियंत्रण द्वारा इक्यावन प्रतिशत या अधिक की भागीदारी के साथ,—

(i) संसद या किसी राज्य विधान मण्डल के किसी अधिनियम द्वारा गठित; या

(ii) किसी सरकार द्वारा स्थापित,

कोई प्राधिकरण या बोर्ड या कोई अन्य निकाय;

(ख) केंद्रीय सरकार या राज्य सरकार या किसी स्थानीय प्राधिकारी द्वारा सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1860 (1860 का 21) के अधीन स्थापित कोई सोसाइटी;

(ग) पब्लिक सेक्टर उपक्रम।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Notification No. 858/2018/16(120)/XXVII(8)/2018/CT-50, dated September 27, 2018 for general information.

NOTIFICATION

September 27, 2018

No. 858/2018/16(120)/XXVII(8)/2018/CT-50--WHEREAS the State Government is satisfied that it is expedient so to do in public interest,

Now THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Uttarakhand Goods and Services Tax Act, 2017 (06 of 2017) (hereinafter referred to as the said Act) and in supersession of the notification of the Government of Uttarakhand Finance Section-8, No. 919/2017/9(120)XXVII(8)/2017, dated 10 November, 2017, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Governor is pleased to allow to appoint the 1st day of October, 2018, as the date on which the provisions of section 51 of the said Act shall come into force with respect to persons specified under clauses (a), (b) and (c) of sub-section (1) of section 51 of the said Act and the persons specified below under clause (d) of sub-section (1) of section 51 of the said Act, namely :—

(a) an authority or a board or any other body :—

(i) set up by an Act of Parliament or a State Legislature; or

(ii) established by any Government,

With fifty-one percent or more participation by way of equity or control, to carry out any function;

(b) Society established by the Central Government or the State Government or a Local Authority under the Societies Registration Act, 1860 (21 of 1860);

(c) public sector undertakings.

अधिसूचना

27 सितम्बर, 2018 ई०

संख्या 859/2018/16(120)/XXVII(8)/2018/CT-51—चूँकि राज्य सरकार का समाधान हो गया है कि लोकहित में ऐसा करना समीचीन है;

अतएव, अब, श्री राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 06) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 01 अक्टूबर, 2018 को उस तारीख के रूप में नियत करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं, जिस पर को उक्त अधिनियम की धारा 52 के उपबंध प्रवृत्त होंगे।

आज्ञा से,

अमित सिंह नेगी,

सचिव।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Notification No. 859/2018/16(120)/XXVII(8)/2018/CT-51, dated September 27, 2018 for general information.

NOTIFICATION

September 27, 2018

No. 859/2018/16(120)/XXVII(8)/2018/CT-51--WHEREAS the State Government is satisfied that it is expedient so to do in public interest,

NOW THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Uttarakhand Goods and Services Tax Act, 2017 (06 of 2017) (hereinafter referred to as the said Act), the Governor is pleased to allow to appoint the 1st day of October, 2018, as the date on which the provisions of section 52 of the said Act shall come into force.

By Order,

AMIT SINGH NEGI,

Secretary.

विपिन चन्द्र,

अपर आयुक्त राज्य कर,
मुख्यालय, देहरादून।

कार्यालय परगना मजिस्ट्रेट, घनसाली, टिहरी गढ़वाल सूचना

14 सितम्बर, 2018 ई0

विषय—आपदा प्रभावित क्षेत्र के लापता स्थाई निवासियों हेतु मृत्यु प्रमाण-पत्र निर्गत करने के सम्बन्ध में दावा एवं आपत्ति हेतु प्रकाशित।

संख्या 99 र0का0/दै0आ0/लापता/2018-19-एतद्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री राजेश पुत्र सुन्दरलाल, निवासी ग्राम जखन्याली पट्टी, नैलचामी, थाना घनसाली, टिहरी गढ़वाल, दिनांक 31.07.2014 को ग्राम जखन्याली में आई आपदा के समय लापता हो गया था। श्री राजेश का मकान ग्राम जखन्याली के खेत नं0 2926 में स्थित था, मकान पूर्ण क्षतिग्रस्त हो गया और अन्य ग्रामवासियों के मकान भी पूर्ण क्षतिग्रस्त हुए थे तथा उक्त आपदा में ग्राम के पाँच (05) व्यक्तियों की मृत्यु भी हुई थी।

श्री राजेश पुत्र श्री सुन्दरलाल के सम्बन्ध में जिस किसी को भी कोई जानकारी हो तो तीस दिन (एक माह) से पूर्व अर्थात् दिनांक 18.10.2018 से पूर्व कार्यालय उप जिलाधिकारी, घनसाली में लिखित/मौखिक रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं।

लापता राजेश का पूर्ण विवरण निम्न प्रकार है:-

1. लापता व्यक्ति का नाम—श्री राजेश,
2. पिता का नाम—श्री सुन्दरलाल,
3. माता का नाम—श्रीमती लज्जूदेवी,
4. जन्म तिथि—1979,
5. स्थाई निवास का पता—ग्राम जखन्याली, पो0 जखन्याली पट्टी, नैलचामी, टि0ग0,
6. आपदा प्रभावित क्षेत्र का पता—ग्राम जखन्याली मध्ये नौताड चामें तोक,
7. पहचान का चिन्ह—दोही गाल पर तिल का निशान,
8. लम्बाई—05 फीट 04 इन्च,
9. रंग—गेंहुआ,
10. आपदा का दिनांक—31.07.2014।

ह0 (अस्पष्ट)
अभिहित अधिकारी/
परगना मजिस्ट्रेट,
घनसाली, टि0ग0।

कार्यालय सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, रुद्रप्रयाग

गुप्त

21 अगस्त, 2018 ई0

संख्या 114/प्रवर्तन/जाइसेन्स/2015 का सर्वोच्च न्यायालय के अंगीकृत आदेश सुरक्षा समिति के सन्दर्भ संख्या 05/2014/सी0ओ0आर0एस0 पार्ट-3, दिनांक 18.08.2015, सन्दर्भ 05/2014/सी0ओ0आर0एस0-पार्ट-3, दिनांक 17.11.2015 के अनुपालन में मोटर वाहन अधिनियम के नियमों का उल्लंघन करने के विदित अभियोग में वाहनों के चालान कर, वाहन चालकों के लाइसेन्स के विरुद्ध कार्रवाई की संस्तुति की गई है। अतः दुर्घटनाओं पर अकृश लगाने व जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, लाइसेंसिंग अधिकारी, रुद्रप्रयाग के रूप में, मैं, मोहित कुमार कोठारी, मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा-19 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, अग्रसारित चालकों के लाइसेन्स तत्काल प्रभाव से निलम्बित करता हूँ:-

क्र० सं०	चालक का नाम व पता	डी०एल० संख्या व वैधता	अभियोग	चालानकर्ता प्रवर्तन अधिकारी	निलम्बन अवधि
1.	श्री शैलश कुमार पुत्र श्री कुन्दन लाल, ग्राम व पो० तिलवाड़ा, जनपद रुद्रप्रयाग	UK1320120003192, VALIDITY(NT)-01.11.2032, VALIDITY(T)-12.02.2018	नशे की हालत में वाहन का संचालन	S.P., RUDRAPRAYAG	21.08.2018 से 20.11.2018
2.	श्री रविन्द्र कुमार पुत्र श्री चिंता मिस्त्री, ग्राम घुरचौली, पो० ढांगचुनरा, देवप्रयाग, टिहरी गढ़वाल	UK-0920160017629, VALIDITY(NT)-27.01.2036, VALIDITY(T)-17.04.2021	ओवरलोड सवारी (भार वाहन)	ARTO, RUDRAPRAYAG	21.08.2018 से 20.11.2018
3.	सीता पुत्र श्री मलखान सिंह, ग्राम फतेहपुर थौला, पो० झडवान, सहारनपुर (उ०प्र)	UP11 20030241340, VALIDITY(NT)-14.09.2023, VALIDITY(T)-19.05.2019	ओवरलोड सवारी (यात्री वाहन)	ARTO, RUDRAPRAYAG	21.08.2018 से 20.11.2018
4.	श्री राहुल सिंह पुत्र श्री वीर सिंह, ग्राम काण्डा, तहसील ऊखीमठ, जनपद रुद्रप्रयाग	UK-1320150008175, VALIDITY(NT)-10.04.2034, VALIDITY(T)-22.02.2020	ओवरलोड सवारी (यात्री वाहन)	ARTO, RUDRAPRAYAG	21.08.2018 से 20.11.2018

आदेश

11 सितम्बर, 2018 ई०

संख्या 001/1940न/लाइसेन्स/2018-या० सर्वोच्च न्यायालय के अधीन गठित सड़क सुरक्षा समिति के सन्दर्भ संख्या-05/2014/सी०ओ०आर०एस०-मार्ट-3, दिनांक 18.08.2015, सन्दर्भ संख्या-05/2014/सी०ओ०आर०एस०-मार्ट-3, दिनांक 17.11.2015 के अनुपालन में मोटर वाहन अधिनियम के नियमों का उल्लंघन करने के विदित अभियोग में वाहनों के चालान कर, वाहन चालकों के लाइसेन्स के विरुद्ध कार्यवाही की संस्तुति की गई है। अतः दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने व जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, लाइसेंसिंग अधिकारी, रुद्रप्रयाग के रूप में, मैं, मोहित कुमार कोठारी, मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा-19 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, निम्न चालकों के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलम्बित करता हूँ:-

क्र० सं०	चालक का नाम व पता	डी०एल० संख्या व वैधता	अभियोग	चालानकर्ता प्रवर्तन अधिकारी	निलम्बन अवधि
1.	मो० अकरम पुत्र श्री सदुल्ला, सनीयान, नजीबाबाद, बिजनौर (उ०प्र०)	UP20-20120012476, VALIDITY(NT)-17.06.2032, VALIDITY(T)-14.02.2021	ओवरलोड सवारी (भार वाहन)	ARTO, RUDRAPRAYAG	11.09.2018 से 10.12.2018
2.	श्री भूपेन्द्र सिंह पुत्र श्री भगत सिंह, ग्राम व पो० बिना, जनपद रुद्रप्रयाग	UK-13 2005 0007299, VALIDITY(NT)-20.12.2025, VALIDITY(T)-20.12.2020	ओवरलोड सवारी (यात्री वाहन)	ARTO, RUDRAPRAYAG	11.09.2018 से 10.12.2018

मोहित कुमार कोठारी,

सहा० सम्भागीय परिवहन अधिकारी,

रुद्रप्रयाग।

कार्यालय सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, प्रशासन, ऊधमसिंह नगर
कार्यालय आदेश

18 सितम्बर, 2018 ई0

पत्रांक 2075/टी0आर0/पंजी0नि0/UK06AK-8561/2018-वाहन संख्या UK06AK-8561 (MOTOR CAR), मॉडल 2016, चेसिस संख्या MALA351ALGM462417 तथा इंजन नं0 G3HAGM420899, कार्यालय में श्री बेचे लाल पुत्र श्री भगवान दास, निवासी म0 नं0 30, सबोरा, खटीमा, जिला ऊधमसिंह नगर के नाम पंजीकृत है। वाहन स्वामी ने दिनांक 27.08.2018 को आवेदन-पत्र के साथ वाहन का मूल चेसिस नं0 प्लेट प्रस्तुत करते हुए अवगत कराया है कि उनका वाहन दुर्घटना होने के कारण पूरी तरह नष्ट हो गया है, जो मार्ग में संचालित करने योग्य नहीं है। वाहन का पंजीयन निरस्त करने हेतु अनुरोध किया है। वाहन फाइनेन्स से मुक्त है। सम्भागीय निरीक्षक की रिपोर्ट के अनुसार वाहन मार्ग में चलने योग्य नहीं हैं। कार्यालय अभिलेखानुसार वाहन का कर एकबारीय जमा है। उक्त तथ्यों के आधार पर वाहन के पंजीयन चिन्ह के बने रहने का कोई औचित्य नहीं रहता है।

अतः, मैं नन्द किशोर, पंजीयन अधिकारी मोटर वाहन विभाग, ऊधमसिंह नगर, मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 55(2) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, वाहन संख्या UK06AK-8561 (MOTOR CAR) का पंजीयन चिन्ह एवं चेसिस संख्या MALA351ALGM462417 तत्काल प्रभाव से निरस्त करता हूँ।

कार्यालय आदेश

18 सितम्बर, 2018 ई0

पत्रांक-2079/टी0आर0/पंजी0नि0/UK06T-9000/2018-वाहन संख्या UK06T-9000 (MOTOR CAR), मॉडल 2011, चेसिस संख्या WBAVN370X0VP46034 तथा इंजन 76177645, कार्यालय में श्री पुष्पेन्द्र सिंह पुत्र श्री नवरंग सिंह, निवासी एस-वी-ए-एस-सी-ए, इन्डस्ट्रीज इण्डिया लि0, प्लॉट नं0 19, सेक्टर 6, आई आई ई, पन्तनगर, रुद्रपुर, जिला ऊधमसिंह नगर के नाम पंजीकृत है। वाहन स्वामी ने आवेदन-पत्र के साथ वाहन का मूल चेसिस नं0 प्लेट प्रस्तुत करते हुए, अवगत कराया है कि उनका वाहन दुर्घटना होने के कारण पूरी तरह नष्ट हो गया है, जो मार्ग में संचालित करने योग्य नहीं है। वाहन का पंजीयन निरस्त करने हेतु अनुरोध किया है। वाहन फाइनेन्स से मुक्त है। सम्भागीय निरीक्षक की रिपोर्ट के अनुसार वाहन मार्ग में चलने योग्य नहीं हैं। कार्यालय अभिलेखानुसार वाहन का कर एकबारीय जमा है। उक्त तथ्यों के आधार पर वाहन के पंजीयन चिन्ह के बने रहने का कोई औचित्य नहीं रहता है।

अतः, मैं नन्द किशोर, पंजीयन अधिकारी मोटर वाहन विभाग, ऊधमसिंह नगर, मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 55(2) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, वाहन संख्या UK06T-9000 (MOTOR CAR) का पंजीयन चिन्ह एवं चेसिस संख्या WBAVN370X0VP46034 तत्काल प्रभाव से निरस्त करता हूँ।

नन्द किशोर,

सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी,

रुद्रपुर, ऊधमसिंह नगर।



सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की, शनिवार, दिनांक 27 अक्टूबर, 2018 ई0 (कार्तिक 05, 1940 शक सम्वत्)

भाग 8

सूचना एवं अन्य वैयक्तिक विज्ञापन आदि

सूचना

मेरा नाम आई.सी.आई.सी.आई. के शेयर में मेरा घर का निक नाम रोजी दर्ज हो गया है जबकि मेरा वास्तविक नाम सीमा भूषण है भविष्य में मुझे सीमा भूषण पत्नी भारत भूषण के नाम से जाना पहचाना जायें।

समस्त विधिक औपचारिकताएँ मेरे द्वारा पूर्ण कर ली गई है।

सीमा भूषण पत्नी भारत भूषण

निवासी म0नं0 270 गली नं0 6, रामनगर

रुड़की, जिला हरिद्वार

पी0एस0यू0 (आर0ई0) 43 हिन्दी गजट/566-भाग 8-2018 (कम्प्यूटर/रीजियो)।

मुद्रक एवम् प्रकाशक-अपर निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, उत्तराखण्ड, रुड़की।